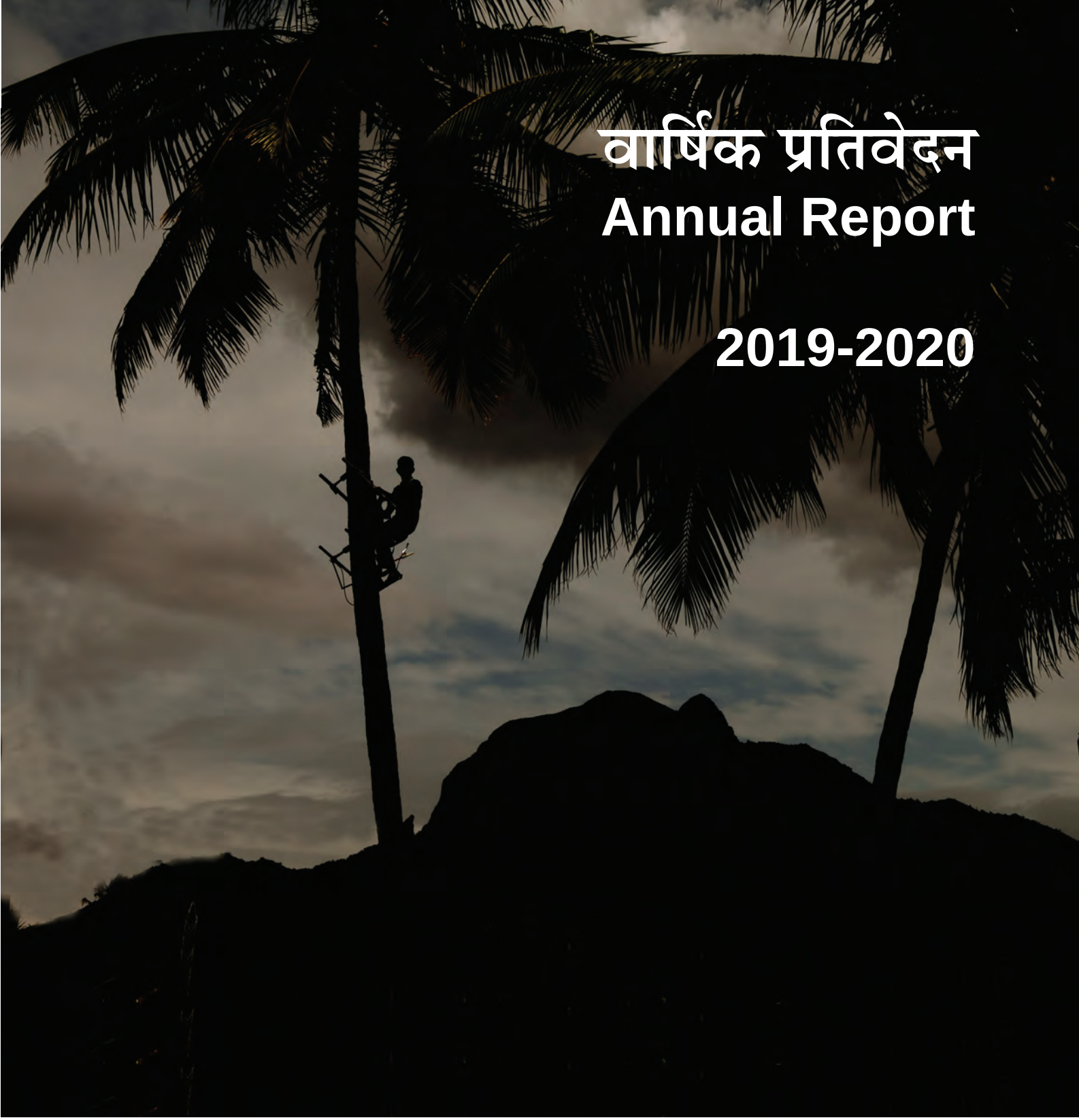

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report

2019-2020

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
DST@ 1971-2021

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
National Innovation Foundation - India
Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India

वार्षिक प्रतिवेदन
2019-2020

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान–भारत

प्रस्तावना

डॉ. पी.एस. गोयल
अध्यक्ष
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान -भारत

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत (रानप्र) का 20 वाँ वर्ष कई पहल और चुनौतियों का साल था । इस वर्ष की शुरुआत एक चुनौती के साथ की गई जिसमें, रानप्र ने ओडिशा में महाचक्रवात फानी से प्रभावित लोगों की मदद करने की जिम्मेदारियां उठाई। एक मिशन मोड में काम करते हुए रानप्र ने चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की दिक्कतों को कम करने के लिए आवश्यक तकनीकियों के जरिये ठोस प्रयास किए जिनमें उच्च शैल्फ-जीवन के साथ पोषण आहार पर जागरूकता, संबंधित नवाचार का प्रसार जैसे प्राकृतिक वाटर कूलर एवं फ़िल्टर, किसानों के लिए फसल के बीज और मवेशियों के लिए हर्बल पशु चिकित्सा दवाएं शामिल है। यह बात बहुत संतोषजनक है कि रानप्र टीम हर अवसर पर आगे आता है और जब जब देश के सामने कोई जरूरत आये तो उसका समाधान प्रदान करता है । इसी तरह, जब कोविड -19' महामारी की फरवरी / मार्च 2020 में देश में आहट हुई, तब रानप्र ने एक ''चैलेंज कोविड -19 प्रतियोगिता (सी 3)'' की शुरुआत की और नागरिकों से नए विचारों और नवप्रवतनों को आमंत्रित किया। रानप्र उत्पाद विकास, सत्यापन और प्रसार के लिए सबसे नवीन विचारों को आगे ले जा रहा है । उदाहरण के लिए, पैर-संचालित ऊंचाई समायोज्य हाथ - मुक्त सैनिटाइज़र डिस्पेंसर स्टैंड को बड़ी संख्या में छोटे उद्यम के माध्यम से देश भर में व्यापक रूप से प्रचारित और उपलब्ध कराया जा रहा है । इसका व्यवसाय एक मुंबई स्थित चिकित्सा उपकरण कंपनी-विस्को रिहैबिलिटेशन एड्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। इसी प्रकार सार्वजनिक स्थानों के स्वच्छता के लिए, नासिक, महाराष्ट्र के सतना गाँव से श्री राजेंद्र जाधव द्वारा एक नवप्रवर्तन ट्रैक्टर चलित स्वच्छता स्प्रेयर, पहले से ही गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के राज्यों में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 मई, 2020 को 65 वें मन की बात में श्री राजेंद्र जाधव के प्रयास और नवप्रवर्तन की प्रशंसा की।

रानप्र के प्रयासों को देश में विद्यार्थियों के रचनात्मकता और जमीनी स्तर पर नवप्रवर्तन करने वालों के द्वारा बहुत अच्छी तरह से संवर्धित किया गया है। इस तथ्य का एक प्रत्यक्ष प्रमाण फिलीपींस में द्वितीय आसियान इंडिया ग्रासरूट्स इनोवेशन फोरम के दौरान देखने को मिला, जहां भारतीय नवप्रवर्तकों ने छह अन्य राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 65 अन्य प्रतिभागियों से बेहतर प्रदर्शन किया और सभी श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार जीतकर देश को गौरवान्वित किया । यह स्पष्ट रूप से स्थापित करता है कि अवसर देने पर भारत के नवप्रवर्तक विश्व स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में भारत के बढ़ते नेतृत्व के पथप्रदर्शक हो सकते हैं।

यह रानप्र की मजबूत मूल्यांकन प्रणाली की गवाही देता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी योग्य नवाचार अप्रभावित न रहे और उच्च परामर्श जो रानप्र अपनी उदभावित प्रौद्योगिकियों को प्रदान करता है और नवप्रवर्तकों को स्वतंत्र प्रतिष्ठित वैश्विक प्लेटफार्मों पर पहुँचने का मौका देता है।

रानप्र के लिए मंत्र, इसके आगे के रास्ते के लिए, सभी संभावित नवप्रवर्तनों को व्यावसायीकरण के लिए उद्यमों के साथ जोड़ने के लिए प्रयास करना है या प्रसार के लिए सामाजिक चैनलों के माध्यम से मार्ग बनाना है।

देश के निपुण दिमाग से निकलने वाले अभिनव समाधानों के माध्यम से देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए रानप्र की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मैं एक अभिनव समाज के रूप में भारत के परिवर्तन की कामना करता हूं।

पी. एस. गोयल

निदेशक का संदेश

डॉ. विपिन कुमार
निदेशक और मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी

भारत के नवप्रवर्तकों का इस अर्थ में विशिष्ट विशेषाधिकार है कि उनके नवप्रवर्तनों को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत (रानप्र) द्वारा संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से दो दशकों से उद्भवन किया जा रहा है। इस यात्रा के दौरान, हमारे जीवन पर उनके प्रभाव और कुछ मामलों में मान्यता की सीमाओं को पार कर सफलता प्राप्त करने से नवप्रवर्तकों को राष्ट्र का प्यार और स्नेह मिल रहा है।

रानप्र ने देश के नवप्रवर्तन/ नवाचार और तकनीकी परिदृश्य में कई बदलाव देखे हैं। इंटरनेट और स्मार्ट फोन के आगमन ने, विशेष रूप से पिछले दशक में, लोगों को स्वयं से वैश्विक ज्ञान का उपयोग करने का अधिकार दिया है। इसके परिणामस्वरूप, रानप्र में प्राप्त किए जा रहे नवाचारों में विविधता देखने को मिली है। साथ ही, इसने नवाचारों को पहचानने का कार्य कठिन बना दिया है, क्योंकि अनिवार्य रूप से एक या दूसरा संदर्भ उपलब्ध है। इसने नवप्रवर्तकों के स्तर को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया है और प्रासंगिक बने रहने के लिए, उन्हें हर समय अपनी सोच को बनाए रखने की आवश्यकता है।

रानप्र ने भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन आधारित संबंधों को अन्य देशों के साथ बढ़ाने का नेतृत्व किया है और नवीन स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की प्रसार में सुधार के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

हमारे देश में लड़कियों और लड़कों की रचनात्मकता हमें हर बार कई कारणों से आश्चर्यचकित करती है, जब हम इसका अन्वेषण करने की दिशा में काम करते हैं। न केवल यह बच्चों द्वारा विशेष तरीकों से पहचाने हुए अपूर्ण आवश्यकताओं/जरूरतों की एक झलक देता है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण, उन आवश्यकताओं/जरूरतों की व्याख्या और संभावित समाधान की जो वे कल्पना करते हैं और जो बताते हैं, उनमें निहित सौंदर्य है। रानप्र को ऐसे रचनात्मक समाधानों को उत्पादों में बदलने में असीम ख़ुशी है जो हमारे समाज को मूल्य प्रदान कर सकते हैं। इसमें व्यापक नियोजन, कुशल प्रसार , सटीक मूल्यांकन, गुणवत्ता का उल्लेख और हर समय उद्देश्य की भावना शामिल है, जहां रानप्र को स्कूलों, शिक्षकों और अन्य अधिकारियों से बच्चों की रचनात्मकता को हमारे देश के लिए एक अलग और वास्तविकता बनाने में उत्कृष्ट सहयोग मिलता है।

हाल के वर्षों में, रानप्र ने अपने प्रसार हेतु गतिविधियों पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया है। परिणामस्वरूप, देश के जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों में कई जमीनी नवाचारों की शुरुआत की गई, जिससे बहुत अधिक समावेशी आयाम को मजबूत किया गया। आने वाले समय में, प्रचार और प्रसार (वाणिज्यिक और सामाजिक चैनलों के माध्यम से) संस्थान के लिए एक सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहेगी ताकि आम लोगों के नवाचारों के माध्यम से बड़े पैमाने पर देश और समाज की सेवा की जा सके।

मैं अपने निरंतर समर्थन और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन जी के प्रति अपने कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। मैं प्रोफेसर आशुतोष शर्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार और डीएसटी के अन्य अधिकारियों का आभारी हूं जिन्होंने हमेशा भारत के समावेशी विकास के लिए रानप्र को एक महत्वपूर्ण संचालक माना है और हर समय हमारी पहल और गतिविधियों का समर्थन करते रहें हैं। डॉ. पी. एस. गोयल, अध्यक्ष, रानप्र और बोर्ड के अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए समर्थन और मार्गदर्शन, संस्थान को अगले स्तर पर ले जाने में गहरा महत्व है। रानप्र अपने एवं साझेदार संस्थानों में सभी सहयोगियों को उनके सतत समर्थन के लिए हमेशा आभार प्रकट करता है ।

समाज की सेवा में हमारे कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आपके सुझाव प्राप्त करने के लिए मैं तत्पर हूं।

विपिन कुमार

विषय सूची

शासी मंडल	8
वित्त समिति	10
संगठनात्मक चार्ट	11
आगे बढ़ते कदम	12
अनुभागीय गतिविधियां	14
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	30
नई पहल और साझेदारियां	33
नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2020	36
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2019	37
इंस्पायर अवार्ड्स-मानक 2019-20	40
संस्थागत भाषा नीति	42
प्रकाशन	42
वर्ष 2019-20 का वार्षिक लेखा	45

शासी मंडल

अध्यक्ष

1. डॉ. पी.एस. गोयल
   पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)

उपाध्यक्ष - सदस्य

2. श्री एन.पी. राजीव
   कार्यकारी निदेशक, विभा वाणी, दिल्ली

सदस्य

3. प्रो. अनिल के. गुप्ता
   पूर्व प्रोफेसर, आईआईएम-अहमदाबाद

4. प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे
   अध्यक्ष, एआईसीटीई, नई दिल्ली

5. प्रो. सत्यजीत मजूमदार
   टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई

6. डॉ. सी. शंभू प्रसाद
   सीएसईई, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद

7. डॉ. के. विजया लक्ष्मी
   उपाध्यक्ष, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव, नई दिल्ली

8. सुश्री अनुराधा भावनानी
   क्षेत्रीय प्रमुख, शेल फाउंडेशन, ग्रुरुग्राम

9. सुश्री एन. लक्ष्मी
   ट्रस्टी, गुड कर्मा फाउंडेशन, कोच्चि

पदेन सदस्य या उनके नामांकित व्यक्ति

10. प्रो. आशुतोष शर्मा
    सचिव, डीएसटी, भारत सरकार

11. डॉ. रेनू स्वरूप
    सचिव, डीबीटी, भारत सरकार

12. श्री अमित खरे
    सचिव, डी/ओ स्कूल शिक्षा और साक्षरता, एमएचआरडी, भारत सरकार

13. डॉ. अरुण कुमार पांडा
    सचिव, एम/ओ एमएसएमई, भारत सरकार

14. वैद्य श्री राजेश कोटेचा
    सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

15. प्रो. बलराम भार्गव
    डीजी-आईसीएमआर, भारत सरकार

16. डॉ. त्रिलोचन मोहपात्रा
    डीजी-आईसीएआर, भारत सरकार

17. डॉ. शेखर सी. मंडे
    डीजी-सीएसआईआर, भारत सरकार

18. श्री अनिल मुकीम
    मुख्य सचिव, गुजरात सरकार

19. श्री बी. आनंद
    वित्तीय सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार

सदस्य - सचिव, पदेन

20. डॉ. विपिन कुमार
    मुख्य नवाचार अधिकारी / निदेशक, रानप्र

वित्त समिति

अध्यक्ष

1. डॉ. पी.एस. गोयल
   पूर्व सचिव, पृथ्वी मंत्रालय
   विज्ञान (MoES)

सदस्य

2. प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे
   अध्यक्ष, एआईसीटीई, नई दिल्ली

3. प्रो. सत्यजीत मजूमदार
   टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई

4. डॉ. संजीव सक्सेना सहायक महानिदेशक (बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन)
   आईसीएआर, नई दिल्ली

5. श्री बी. आनंद
   वित्तीय सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार

सदस्य सचिव

6. डॉ. विपिन कुमार
   निदेशक / मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी, रानप्र

सांगठनिक रूपरेखा

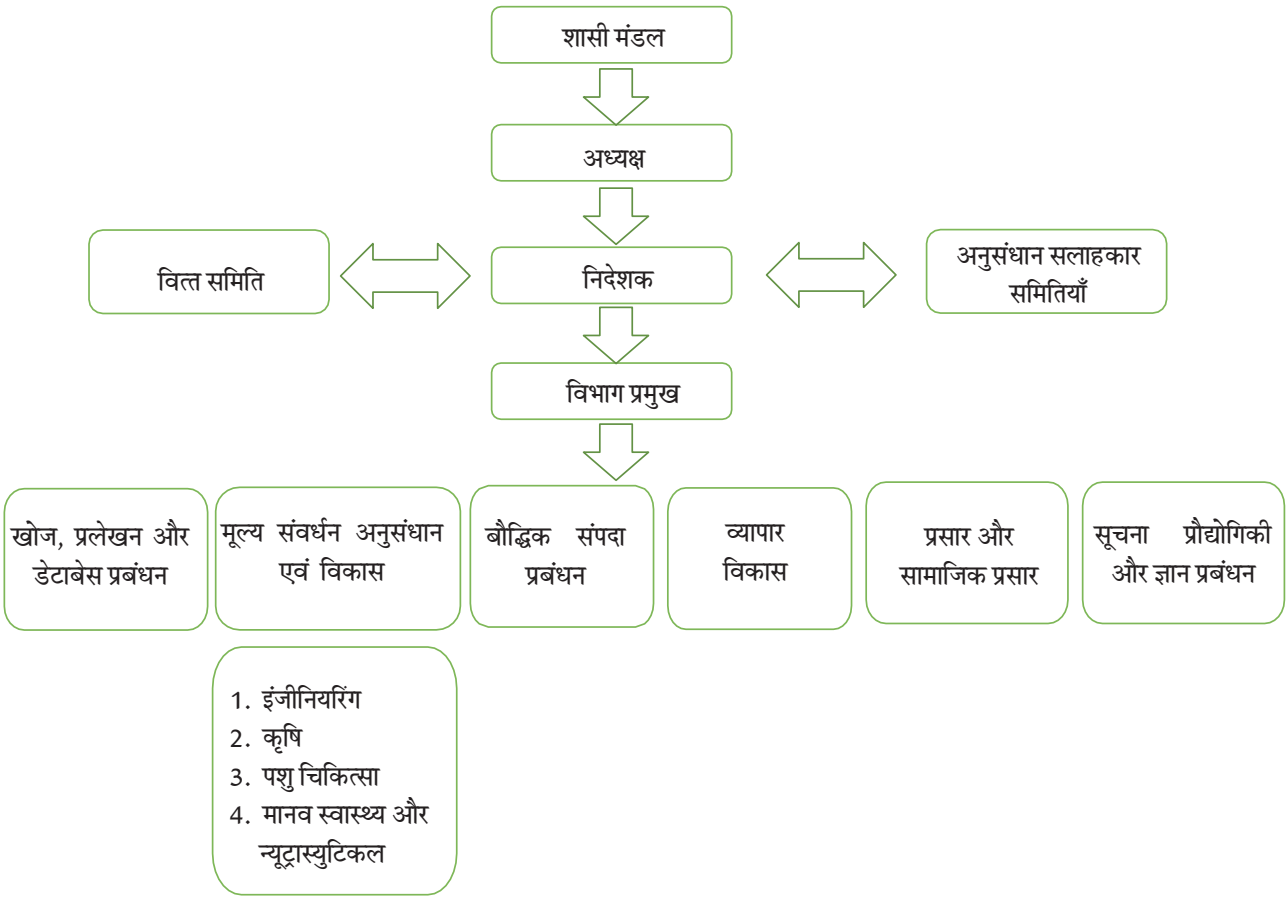
शासी मंडल
अध्यक्ष
वित्त समिति
निदेशक
अनुसंधान सलाहकार समितियाँ
विभाग प्रमुख
खोज, प्रलेखन और डेटाबेस प्रबंधन
मूल्य संवर्धन अनुसंधान एवं विकास
बौद्धिक संपदा प्रबंधन
व्यापार विकास
प्रसार और सामाजिक प्रसार
सूचना प्रौद्योगिकी और ज्ञान प्रबंधन
1. इंजीनियरिंग
2. कृषि
3. पशु चिकित्सा
4. मानव स्वास्थ्य और न्यूट्रास्युटिकल

आगे बढ़ते कदम

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत (रानप्र) ने वर्ष 2019-20 में अपना स्वर्णिम 20 वर्ष पूरा किया। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी संस्थान ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार की गतिविधियां संचालित की। रानप्र ने नए तृणमूल नवप्रवर्तनों की पहचान, मूल्य संवर्धन, बौद्धिक संपदा प्रबंधन, व्यवसायीकरण के साथ ही छात्र नवप्रवर्तकों को काफी कम उम्र में पहचान और सम्मान दिलाया। समकालीन दुनिया में प्रगतिशील देशों की जीवन शक्ति लगातार नवप्रवर्तनों का उत्पादन, इन्क्यूबेशन है जो कि हमारे राष्ट्र के लिए भी सबसे बेहतर मार्ग है।

रानप्र द्वारा वर्ष में कुल 114 पेटेंट के लिए आवेदन किया गया जो की "मेकिंग इंडिया इनोवेटिव" का प्रतिबिम्ब है और हमेशा रानप्र के लिए मुख्य केंद्रबिंदु बना हुआ है। इसका अर्थ है की रानप्र में वर्ष के हर तीसरे दिन एक संभावित नवप्रवर्तन को देश के सामने रखने की क्षमता रखता है। विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष भी हमारे कदम आगे बढ़ते रहे और कुल 60 पेटेंट प्राप्त किए है। इसे इस तथ्य में भी तब्दील किया जा सकता है कि औसतन प्रति सप्ताह रानप्र की सहायता से देश के तृणमूल नवप्रवर्तकों ने एक पेटेंट प्राप्त किया है। यह न केवल देश के आम लोगों के रचनात्मक योग्यता प्रदर्शित करता है , बल्कि यह भी दिखता है कि संस्था भारत की नवप्रवर्तकों की बौद्धिक संपदा अधिकारों को सुरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मानव स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा के लिए कई अभिनव हर्बल लीड्स उत्पादों में तब्दील हो सकते हैं, जो उद्योग भागीदारों और कुछ मामलों में उन्हें पहली पीढ़ी का उद्यमी बना सकता है। यह देश के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए रानप्र की प्रतिबद्धता के साथ जुड़ा हुआ है, जिसमें उद्यमिता एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

नवप्रवर्तनों को उद्भवन और भारत के उद्यमियों को वैश्विक मंच प्रदान करना भी वर्ष का एक महत्वपूर्ण कार्य था। रानप्र ने भारत सिंगापुर नेक्स्ट फेज जैसे वैश्विक कार्यक्रमों का समन्वय किया, जहां स्वास्थ्य - बायोटेक, एआई, साइबरस्पेस, डिजिटल - फिनटेक, सामाजिक प्रभाव का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्यमियों को अपने उद्यम को बढ़ावा देने का अवसर मिला। फिलीपींस में आयोजित दूसरे आसियान इंडिया ग्रासरूट इनोवेशन फोरम के दौरान हमारे विद्यार्थियों और तृणमूल नवप्रवर्तकों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवप्रवर्तन और उद्यमिता के क्षेत्र में भारत के समग्र नेतृत्व का प्रतिनिधित्व किया।

इस वर्ष वार्षिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया। इसके तहत विगत 12 वर्षों (2008-2019) में रानप्र ने राष्ट्रीय स्तर पर 385 छात्रों को पुरस्कार और पहचान प्रदान किया और उनके नाम पर पेटेंट भी दायर किए। उनके विचारों को मॉडल/प्रोटोटाइप में परिवर्तित किया। इसके साथ ही कई नवप्रवर्तनों को बाजार से भी जोड़ा। उनमें से कुछ सामाजिक और वाणिज्यिक रूप से सफलतापूर्वक चल रहे हैं। इनमें से कई पुरस्कार विजेता समाज के वंचित वर्ग जैसे आदिवासी, पिछड़े और दूर-दराज

राजस्थान के बाड़मेर जिले में पैदा होने वाली सुलखानिया बाजरा की 2.5 फीट लंबी बाली

के क्षेत्रों से थे। उन्होंने अपनी स्थानीय समस्याओं को सरलता से हल किया। रानप्र का दृढ़ता से मानना है कि नवप्रवर्तन के बारे में विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में जागरूकता फैलाना आवश्यक है। वहां लोगों के मन नवप्रवर्तन का बीज बोना आवश्यक है और इस तथ्य को समझाना है कि एक नवप्रवर्तक होने के लिए पेशे से वैज्ञानिक होना आवश्यक नहीं है। देशभर में लोगों की समावेशिता के लिए कई पहल किये गए हैं। इसी क्रम में पहली बार रानप्र ने मिजोरम और अरुणांचल प्रदेश में राज्य स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन किया, जो विभिन्न क्षेत्रों से शोधकर्ताओं को सामने ला रही है।

इस वर्ष भी इंस्पायर अवार्ड्स-मानक कार्यक्रम के तहत देशभर में जागरूकता लाने के लिए कार्यशालाओं समेत कई प्रयास किये गए। विभिन्न प्रकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 3.92 लाख विचारों एवं नवप्रवर्तनों के आवेदन प्राप्त किये गए। यह प्रदर्शित करता है कि देश में नवीन विचारों की कोई कमी नहीं है और हम सभी को उसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यह विचार देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी श्रेणियों (निजी, केंद्र सरकार, राज्य सरकार हो या स्थानीय) के स्कूलों से प्राप्त हुए। यह समावेशी नवप्रवर्तन दृष्टिकोण से अच्छी तरह से जुड़ा है। रानप्र इसके साथ खड़ा है और इसका प्रचार -प्रसार कर रहा है। पिछले वर्ष शुरू किए गए विचारों, नवप्रवर्तनों और पारंपरिक ज्ञान के डेटाबेस से जुड़े ऑनलाइन पोर्टल पर हजारों अन्य नए नवाचारों को रखा जा सकता है। यह समय की आवश्यकता है कि आम लोगों को नवाचारों के माध्यम से देश की जरूरतों को हल करना चाहिए और देश के लोगों को उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

गुजरात के गांधीनगर में रानप्र द्वारा आयोजित मेंटरिंग कार्यशाला में भाग लेते वाले युवा नवप्रवर्तक छात्र।

अनुभागीय गतिविधियां

खोज, प्रलेखन और डेटाबेस प्रबंधन

राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता

एक अप्रैल 2019 से 12वीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता शुरू हुई, जिसमें 31 मार्च 2020 तक 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 8,500 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। बारहवीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2021 है। इससे पहले तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान के लिए आयोजित 11वीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता 31 मार्च, 2019 को संपन्न हुई, जिसमें 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 15,000 तृणमूल नवप्रवर्तनों और पारंपरिक ज्ञान की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई।

रानप्र के सहयोग से ओडिशा सरकार के कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग द्वारा नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों की खोज के लिए ह्लमुख्यमंत्री अभिनव कृषि जंत्रपति सम्मानह्व प्रतियोगिता के दूसरा संस्करण का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य उन नवाचारों / प्रौद्योगिकियों की पहचान करना है, जो किसानों के काम को आसान बनाने के साथ-साथ खेती में महिलाओं के श्रम को कम करता है। इसके लिए आवेदन को आमंत्रित करने लिए ब्लॉक, जिला और क्षेत्रीय स्तर पर कुल 26 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य व्यवस्थित खोज और नवाचारों के प्रलेखन पर प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ पिछली प्रतियोगिता के अनुभवों को साझा करना था। रानप्र ने प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए इन कार्यशालाओं के दौरान स्काउटिंग और प्रलेखन प्रक्रिया पर जीआईएफ एनिमेशन तैयार और प्रसारित किया। प्रतियोगिता अवधि के दौरान ओडिशा के सभी 30 जिलों से लगभग 2500 आवेदन प्राप्त हुए।

पूर्व खासी हिल्स मेघालय में खोज और प्रलेखन गतिविधि के दौरान अपने हर्बल पद्धति में इस्तेमाल किए गए पौधे को दिखाता एक हर्बल उपचारक।

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में तृणमूल नवप्रवर्तनों के बारे में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

किसान बैठक

रानप्र ने 5-6 सितंबर 2019 को किसानों से संवाद के लिए दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल के कृषि विज्ञान केंद्र में राज्य स्तरीय नवप्रवर्तन किसान बैठक आयोजित की, जहाँ पश्चिम बंगाल के 14 जिलों के 56 किसानों ने भाग लिया और अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया। रानप्र ने 08 जनवरी, 2020 को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में अपने समर्थन से स्थापित एक सामुदायिक कार्यशाला में लगभग 50 नवप्रवर्तकों, यांत्रिकी और कारीगरों की एक बैठक का आयोजन किया। प्रतिभागियों ने स्थानीय समस्याओं के सामाजिक समाधान विकसित करने के लिए सामुदायिक कार्यशाला में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के तरीकों पर चर्चा की।

रानप्र द्वारा खरीफ 2018 के दौरान किसानों को प्रदान की गई विकसित किस्मों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए 21 मई 2019 को केवीके, खोरधा और सीआईएफए भुवनेश्वर के सहयोग से एक बैठक आयोजित की, जिसमें पांच किसानों ने अपने खेतों में किस्मों के प्रदर्शन के बारे में अपने अनुभव साझा किए। धान की किस्म कुदरत 5 ने अच्छा प्रदर्शन किया और कुछ किसान अगले सत्र के लिए बीज सामग्री का उत्पादन करने में सक्षम थे। किस्म की उपज स्थानीय रूप से व्यावसायिक रूप से खेती की जाने वाली किस्मों यानी पूजा और स्वर्ण के बराबर पाई गई और पिसाई के बाद स्वाद में बेहतर एवं स्वास्थ्यवर्धक होने के कारण यह किस्म किसानों को पसंद आई। यह किस्म कम अवधि में पक कर तैयार हो गई और रोगों व कीट (ब्राउन प्लांट हॉपर) के प्रति प्रतिरोधी थी।

कार्यशालाएं और बैठकें

पारंपरिक ज्ञान धारकों के साथ संबंध स्थापित करने के लिए देश भर में कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस तरह की कार्यशालाएं अल्मोड़ा (उत्तराखंड) में 16 अप्रैल, 2019 को, देहरादून (उत्तराखंड) में, 29 अप्रैल, 2019 को, अपर सियांग (अरुणाचल प्रदेश) में 13 अगस्त, 2019 को और 8 नवंबर, 2019 को महराजगंज (उत्तर प्रदेश), 4-6 दिसंबर 2019 और 10-11 दिसंबर 2019, 12,जनवरी 2020 को राजनांदगांव (छत्तीसगढ़), 16 फरवरी 2020 को कोरापुट (ओडिशा) में आयोजित की गईं। इनमें 400 से अधिक हर्बल उपचारकर्ताओं ने भाग लिया। सीतामढ़ी (बिहार), कोरबा (छत्तीसगढ़), बनासकाठा (गुजरात) में हर्बल उपचारकों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जहाँ लगभग 150 उपचारकों और किसानों ने भाग लिया। कार्यशालाओं का उद्देश्य ज्ञान धारकों के बीच अपने अतीत से सीखने को बढ़ावा देना और तृणमूल नवप्रवर्तकों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इन कार्यशालाओं के दौरान, कृषि, पशु चिकित्सा और मानव स्वास्थ्य से संबंधित लगभग 800 हर्बल पद्धतियों का दस्तावेजीकरण किया गया।

रानप्र ने कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT),टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर (TBI)के सहयोग से 19-21 फरवरी 2020 के दौरान दुर्ग (छत्तीसगढ़) में स्वयं सहायता समूह के साथ एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें 60 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। रानप्र की विभिन्न गतिविधियों के साथ नवप्रवर्तनों और पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण के बारे में प्रस्तुति दी गई। माजरा, सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) में 26 अप्रैल, 2019 को एक खोज एवं प्रलेखन शिविर का भी आयोजन किया गया। आईटीआई कॉलेज, बीजापुर (छत्तीसगढ़) के छात्रों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन13 मई, 2019 को किया गया, जिसमें 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तृणमूल नवप्रवर्तन और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान के खोज एवं प्रलेखन पर छात्रों को जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे खोज में सहायता कर सकें और साथ ही साथ अपने विचारों और नवप्रवर्तनों को प्रस्तुत कर सकें।

डेटाबेस प्रबंधन के दौरान 2300 तृणमूल नवप्रवर्तनों और 11 वीं प्रतियोगिता के पद्धतियों का डिजिटलीकरण किया गया। इसके साथ डेटाबेस से जुड़े 1900 हरबेरियम नमूनों का भी डिजिटलीकरण किया गया। सामान्य जनों के लिए तृणमूल नवप्रवर्तनों का एक डेटाबेस विकसित किया जा रहा है जहां रानप्र डेटाबेस से नवप्रवर्तनों और पारंपरिक पद्धतियों को रखा जा रहा है। एक बार विकसित होने के बाद यह ऑनलाइन

मणिपुर राज्य में कम सर्द इलाके में पैदा होने वाले सेब के किस्म का फलोत्पादन।

जी-विलास पसंदः श्री राम विलास मौर्य द्वारा विकसित की गई वर्ष भर उत्पादन वाले बड़े आकार के उन्नत किस्म के अमरूद।

डेटाबेस जनता के लिए जारी किया जाएगा ताकि समाज देश के सामान्य व्यक्तियों के नवप्रवर्तनों का लाभ उठा सके।

मूल्य संवर्धन, अनुसंधान एवं विकास

अभियांत्रिकी

रानप्र-भारत की इंजीनियरिंग टीम ने देश भर के नवप्रवर्तकों के साथ समन्वय स्थापित किया ताकि अपेक्षित नवप्रवर्तनों की पूरी तकनीकी जानकारी प्राप्त की जा सके। टीम ने फैब लैब में 14 तृणमूल प्रौद्योगिकियों के मॉडल विकसित किए। विशेषज्ञों की मदद से उन्हें विपणन योग्य उत्पादों में बदलने के लिए तीन तकनीकियों पर आगे काम किया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय सरकार द्वारा शुरू की गई मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी बसों के लिए तीन प्रौद्योगिकियों (प्रत्येक प्रौद्योगिकी के पच्चीस मॉडल) के 75 मॉडल भी विकसित किए गए । भारत के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (ओडिशा, जम्मू और कश्मीर, मणिपुर, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, मिजोरम, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश) के 25 नवप्रवर्तकों को वित्तीय और तकनीकी सहायता दी गई। अपने नवप्रवर्तनों के मूल्य वर्धित मॉडल को विकसित करने के लिए 15 नवप्रवर्तकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड्स 2019 में मान्यता के लिए चुने गए पंद्रह विचारों के प्रोटोटाइप फैब लैब में विकसित किए गए। रानप्र ने मध्य प्रदेश, असम और नागालैंड में नवप्रवर्तकों को सुविधा प्रदान करने के लिए परिसर में तीन सामुदायिक कार्यशालाओं की स्थापना की। इंजीनियरिंग टीम और नवप्रवर्तकों के कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन 27-3 मई 2019 के दौरान इंडो जर्मन टूल रूम (IGTR) अहमदाबाद में किया गया था। कार्यशाला के दौरान डिजिटल निर्माण के लिए प्रशिक्षण, नवप्रवर्तनों में परिशुद्धता के साथ नवप्रवर्तकों के निर्माण कौशल को मजबूत करना था।

कृषि

पादप प्रजातियां

कुल 22 पादप किस्मों (चावल, गेहूं, केस्यूरिना, फ्रेंच बीन, सेम, फूलगोभी और अमरूद) को सात अलग-अलग कृषि अनुसंधान संस्थानों (यूएएस बैंगलोर, यूएएस धारवाड़, आरपीसीएयू बिहार, जीबीपीयूएटी उत्तराखंड, टीएनएयू कोयंबटूर, सीएयू इंफाल और आईसीएआर-सीआईएसएच लखनऊ) में विधिमान्य किया गया था।

उत्तर प्रदेश की कुदरत -1 और कुदरत-5 चावल की किस्में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय बिहार द्वारा किए गए परीक्षणों में सभी जाँच की गई किस्मों से बेहतर पाई गई, जबकि अन्य पारंपरिक प्रजातियों की तुलना में अंदानुर-सन्ना और सिंदुरा-मधु साले किस्मों की पैदावार बेहतर पाई गईं। कर्नाटक राज्य में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय धारवाड़ कर्नाटक द्वारा तीन स्थानों पर परीक्षण किए गए तथा यूएएस-बैंगलोर द्वारा भी इनका परीक्षण किया गया। मणिपुर में धान की छः किस्मों का मूल्यांकन सीएयू इंफाल में किया गया। जहां केशो- फोउ चावल किस्म अन्य सभी किस्मों से बेहतर पाई गई और इसकी पैदावार भी अन्य की तुलना में सबसे अच्छी थी। इसी प्रकार राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान जयपुर में मूल्यांकन के समय गेहूं की किस्म बीएलके-बालाजी को सबसे बेहतर पाया गया।

रानप्र ने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय कोयंबटूर में लगातार तीन वर्षों तक किसान की कैस्युरिना किस्मों मोदी-1 और एम आईक्यू (MOD1 & MIQ) का परीक्षण किया और यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ गया कि दोनों किस्में श्रेष्ठ हैं और उच्च विकास दर प्रदर्शित करती हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय बिहार द्वारा दो स्थानों पर किसानों की फसलों की पैदावार और अन्य गुणों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सेम की किस्म मनियारी और जल्द तैयार होने वाली फूलगोभी किस्म सोनाली-45 भी अन्य किस्मों से बेहतर पाई गई।

राजस्थान के बाड़मेर जिले में श्री हनुमानाराम झुरिया (चूरू) की सुलखानिया बाजरा किस्म का प्रदर्शन परीक्षण

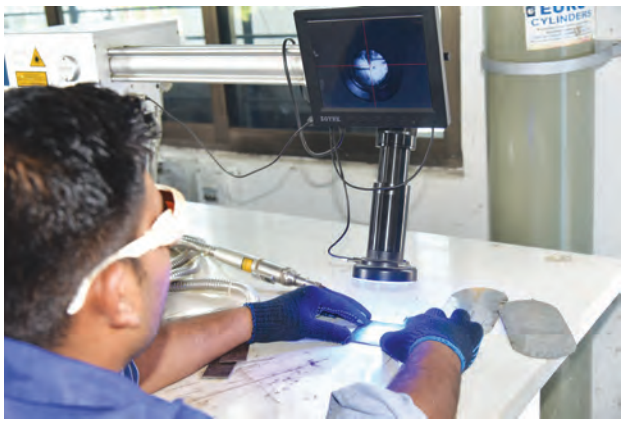

नवाचारों के मूल्य संवर्धन के उद्देश्य से रानप्र की फैब लैब टीम ने लेजर वेल्डिग मशीन (बाएं) और मिलिंग मशीन (दाएं) का उपयोग करते हुए।

रानप्र की फैब लैब टीम खराद मशीन टॉरफाइन पर अभिनव प्रौद्योगकी पर मूल्यसंवर्धन के लिए काम करती हुई।

अहमदाबाद में रानप्र द्वारा समर्थित तृणमूल नवप्रवर्तक इंडो जर्मन टूल रूम (IG-TR)में 3D प्रिंटर के उपयोग करते हुए।

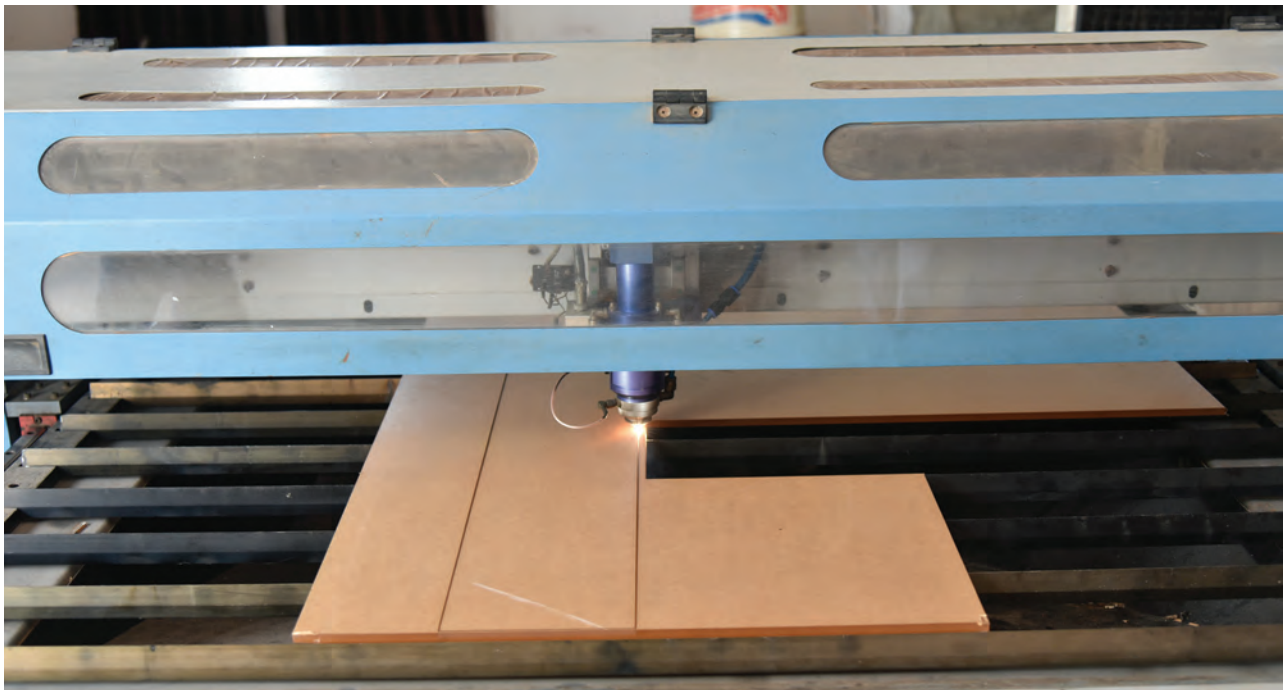

रानप्र की फैब लैब में लेजर कटिंग मशीन से तृणमूल नवाचारों के मॉडलों में सुधार के लिए सटीक कटौती।

अमरूद की किस्म का क्षेत्रीय मूल्यांकन, आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर (सीआईएसएच), लखनऊ द्वारा किया गया और यह बताया गया कि जी- विलास पसंद किस्म अपने रूपात्मक लक्षणों और मौसम के असर के लिए अद्वितीय थी। काजू के मल्टी रूटिंग सिस्टम के नवीन और पर्यावरण के अनुकूल अभ्यास से मिलने वाली उच्च उपज और कीट-सहिष्णु काजू की फसल की क्षेत्रीय जांच आईसीएआर- काजू अनुसंधान निदेशालय और केरल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा करवाई गई। दोनों संस्थानों ने इस अभ्यास की विशिष्टता और नवीनता की पुष्टि की।

आईसीएआर में ऑल इंडिया को-ऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोग्राम के तहत मल्टी-लोकेशन टेस्टिंग के लिए भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान और भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में सब्जी की फसलों की छः किस्में और चार अन्य फसलों की किस्में जमा की गई।

रानप्र के आंतरिक परीक्षणों में रानप्र अनुसंधान फार्म में 11 धान की किस्मों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। किसानों की किस्मों (कुदरत -5 और कुदरत -3) से सबसे अधिक उपज मिली, जबकि अंदानुर सन्ना और डीआरके को बेहतर अनाज की गुणवत्ता के कारण उच्चतम विक्रय मूल्य मिला। रानप्र के अनुसंधान फार्म में प्याज और गेहूं के 12 पौधों की किस्मों का परीक्षण व मूल्यांकन भी किया गया। किसानों की प्याज की किस्मों में बलवान प्याज तथा उसके पश्चात संदीप प्याज और सोना -40 से सबसे अधिक उपज प्राप्त हुई, जबकि गेहूं की किस्मों में बाली की अधिकतम लंबाई और अनाज की मात्रा (बलियों मे) कुदरत -17 और एचजेडजी -30 से प्राप्त हुई, जबकि जीडब्ल्यू 451 और कुदरत -17 में बेहतर उपज दर्ज की गई।

रानप्र अनुसंधान फार्म में पाँच पेटेंटों से संबंधित जानकारी जुटाने करने के लिए पांच जैव-प्रभावकारिता परीक्षण किए गए। कपास, कपास, सेम और मटर में बीज के अंकुरण के प्रभाव को जानने के लिए तीन परीक्षण किये गए। जबकि एक परीक्षण रेड फ्लोर बीटल और भिंडी को चूसने वाले कीटों के प्रति और सहक्रियात्मक प्रभावों का अध्ययन करने के लिए आयोजित किए गया था। सभी फ़ोर्मुलेशनों को एकल और संयोजित अवस्था में प्रभावी पाया गया।

पौध – संरक्षण

बीएचयू, वाराणसी में सब्जियों की फसलों में कीटों के खिलाफ जैव-प्रभावकारिता के लिए 13 हर्बल फार्मूलेशनों की जांच

लैब प्रयोग के लिए राजस्थान के बाड़मेर जिले के कृषि क्षेत्रों से एकत्र की जा रही रेगिस्तानी टिड्डी ।

की गई। इनमें से चार फ्रूट और शूट-बोरर के खिलाफ और तीन लीफ-हॉपर्स के खिलाफ प्रभावी पाए गए जबकि एक को व्हाइटफ्लाय के नियंत्रण के लिए सबसे प्रभावी पाया गया। सभी हर्बल फार्मूलेशनों ने बैंगन की फसल की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रदर्शन किया।

अगस्त-सितंबर 2019 के दौरान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के DPPQS तथा टिड्डी चेतावनी संगठन (LWO) के समन्वय में क्षेत्र तथा लैब में रेगिस्तानी टिड्डे के खिलाफ एक पॉलीहर्बल फ़ोर्मुलेशन का परीक्षण किया गया था। इस हर्बल मिश्रण जैव- प्रभावकारिता, इसके डोज़ पर आधारित पाई गईक उच्च डोज़ में टिड्डियों के निंफ के खिलाफ प्रभावी पाया गया था, जबकि इसके कम-डोज़ से एंटीफीडेंट और आईजीआर प्रभाव उत्पन्न होता है जिसके परिणामस्वरूप मॉल्टिंग में विकृति पाई गई , जो प्रयोगशाला की स्थिति के तहत मृत्यु का कारण बनती है।

पशुचिकित्सा

विभिन्न पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों में उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सक विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (मथुरा), महाराष्ट्र पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (नागपुर), छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्व विद्यालय (दुर्ग), श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (तिरुपति), नानाजी देशम तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (चेन्नई) के साथ-साथ पशु चिकित्सा संस्थान जैसे पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज सीएसके, एचपीकेवी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश और कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (भुवनेश्वर, ओडिशा) आईसीएआर राष्ट्रीय डेयरी संस्थान (करनाल, हरियाणा), पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय और पशुपालन, जम्मू में इस अवधि के दौरान नैदानिक परीक्षण किये गए।

ये परीक्षण 57 अद्वितीय पशुचिकित्सा से संबंधित थे जैसे; ब्लोट, एनेस्ट्रस, रीटेंशन ऑफ प्लेसेंटा, एक्टोपारासाइट, एंडो पारासाइट, अल्पकालिक बुखार, मस्टाइटिस और पोल्ट्री से संबंधित थे। स्टैफिलोकोकस एसपी.इ. के खिलाफ एक मूल्य वर्धित अंतर्क्रिया का परीक्षण किया गया। कोली प्रभावित नैदानिक स्थिति और प्रारंभिक परिणाम नागपुर वेटरनरी कॉलेज, नागपुर में उत्साहजनक पाए गए।

पशु चिकित्सा महाविद्यालय, मथुरा में टिक संक्रमण के

वर्मविट पाउडर एक प्रौद्योगिकी है, जिसका व्यवसाय राकेश फार्मास्यूटिकल्स के माध्यम से किया जाता है।

विभिन्न चरणों को नियंत्रित करने में इसकी भूमिका के लिए रानप्र के पोलिहर्बलएक्रीसाइड का परीक्षण किया गया और पाया कि इस दवा ने तीन उपचारों के बाद पांचवें दिन सभी लार्वा को मार दिया और बिना उपचार नियंत्रण समूहों की तुलना में मादा टिक्कों में काफी कम अंडे का उत्पादन हुआ। यह दवा 23 जुलाई, 2019 को पशुधन किसानों के लाभ के लिए छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्व विद्यालय दुर्ग के सहयोग से शुरू की गई थी।

ऑन-फार्म प्रयोग और स्वदेशी पशु चिकित्सा दवाओं का प्रसार : हिमाचल प्रदेश के पशु चिकित्सा विज्ञान सीएसके, एचपीकेवी पालमपुर कॉलेज में 8 मई, 2019 को एक कार्यशाला आयोजित की गई। रानप्र द्वारा विकसित और राज्य भर में लोकप्रिय होने वाली एक एंटी-टिक दवा को संवर्धन प्रदान करने के लिए कॉलेज के पशुपालन विभाग/संकायों के पशु चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया। इस ओपन-सोर्स तकनीक को 19 जून, 2019 को कृषि विज्ञान केंद्र कलसमुथिरम, तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा विल्लुपुरम जिले, तमिलनाडु में किसानों के बीच उपयोग करने के लिए रखा गया है। गुजरात के बनासकांठा जिले के दांता में 13 जून, 2019 को 'उपचारक बैठक' के दौरान पशु चिकित्सा पद्धतियों के विस्तृत प्रलेखन, फील्ड सत्यापन का कार्य किया गया।

मानव स्वास्थ्य

इस दौरान रानप्र के विशेषज्ञों द्वारा उपचारकर्ताओं के दावों के

सत्यापन के लिए कई गतिविधियां शुरू कीं, जिसमें पद्धतियों का सत्यापन, लघु सूचीकरण, विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया प्राप्त करना और उनके सत्यापन / परीक्षण के लिए संस्थानों के साथ समन्वय करना शामिल है। पूर्वनैदानिक प्रामाणिक अध्ययन के लिए नौ नए प्रोजेक्ट्स (नैदानिक परीक्षण सहित) चार अलग-अलग संस्थानों/ सीआरओ; डाबर रिसर्च फाउंडेशन (DRF),गजियाबाद केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर एंथम बायोसाइंसेज प्रा. लि. बेंगलुरु और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में शुरू की गईं। इसके अलावा 45 हर्बल पद्धतियों को मान्य करने के लिए 16 रोगों जैसे कैंसर, उच्च रक्तचाप, ऑस्टियोपोरोसिस, हेपाटो-प्रोटेक्शन, मोटापा, मलेरिया, गठिया, टाइफाइड, अस्थमा, मिर्गी, सूजन, मोतियाबिंद, मसूड़े की सूजन, डायरिया, यूरोलिथियासिस और तपेदिक पर विभिन्न प्रोजेक्ट्स पूर्व नैदानिक और नैदानिक सत्यापन के विभिन्न चरणों में हैं।

मानव विषयों में यादच्छिक नियंत्रित, सिंगल ब्लाइंड नैदानिक परीक्षणों के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में ऑस्टियोआर्थराइटिस, ऑस्टियोपोरोसिस और मोटापे के लिए नैदानिक सत्यापन अध्ययन के लिए तीन परियोजनाएं भी शुरू की गईं। भुवनेश्वर के केआईआईटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में कैंसर प्रतिरोधी 26 हर्बल पद्धतियों के दावों को मान्य किया गया। अधिकांश पद्धतियों ने प्रसार और ट्यूमर के विकास को दबाने के साथ ही महत्वपूर्ण साइटोटोक्सिक गतिविधि को दिखाया। इसके अगले चरण में इन-विवो सत्यापन और उत्पाद विकास के लिए कई पद्धतियों का चयन किया गया। हेपेटोप्रोटेक्शन के लिए आठ हर्बल पद्धतियों के दावों को एंथम बायोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर में तीन अलग-अलग प्रोजेक्ट के तहत मान्य किया गया था। तीन अलग-अलग प्रकार यकृत चोट से सम्बंधित 8 हर्बल पद्धतियों की अलग-अलग खुराक को मान्य किया गया। कुल आठ पद्धतियों में से, छह को जिगर की सुरक्षा के लिए आगे ले जाने के लिए बहुत प्रभावी पाया गया।

पी.फाल्सीपेरम उपभेदों और पी. बरगही संक्रमित माउस मॉडल के खिलाफ, इन्फेक्शन बायोलॉजी लैब, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, केआईआईटी, भुवनेश्वर में पाँच हर्बल पद्धतियों की मलेरिया-रोधी गतिविधि का मूल्यांकन किया गया। कुल चार हर्बल पद्धतियों में मानक दवा आर्टेमिसिनिन के समान कार्रवाई का तंत्र पाया गया जो प्रोटोजोआ को पूरी तरह से मारता है। उत्पाद विकास के बाद इन पद्धतियों का उनके फाइटोकेमिकल्स और विषाक्तता के लिए और अधिक मूल्यांकन किया जाएगा। डीआरएफ में तीन-हर्बल अर्क का एंटी-गठिया गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया था जहां प्रोस्टाग्लैंडीन (PGE2- जो रुमेटीइड गठिया के रोगजनन की ओर जाता है) का महत्वपूर्ण निषेध देखा गया था। इन्हें आगे अलग-अलग संस्थानों में फिर से सत्यापन के लिए लिया जाएगा।

बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)

रानप्र ने इंजीनियरिंग से संबंधित नवप्रवर्तनों के मामले में नवप्रवर्तकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों को हासिल करने के लिए इस वर्ष 89 पेटेंट आवेदन दायर किए। फर्स्ट एग्जामिनेशन रिपोर्ट की प्रतिक्रियाओं को 127 मामलों में दायर किया गया और साथ ही इंजीनियरिंग नवप्रवर्तनों से संबंधित सात पेटेंट प्राप्त हुए। डिजाइन पंजीकरण के लिए भी एक आवेदन दायर किया गया और एक प्राप्त किया गया।

रानप्र ने हर्बल हीलर के नाम पर मानव स्वास्थ्य संबंधी हर्बल पद्धतियों के अध्ययन के लिए 25 पेटेंट के आवेदन दायर किए और साथ ही 58 एफईआर के लिए प्रतिक्रियाएं भी दर्ज कराई गई। इस वर्ष हर्बल मानव स्वास्थ्य संबंधी पद्धतियों पर आठ पेटेंट प्राप्त हुए। पशु चिकित्सा पद्धतियों के मामलों में 29, जबकि कृषि के मामलों में 13 एफईआर की प्रतिक्रिया दर्ज की गई। हर्बल कृषि मिश्रणों पर दो पेटेंट वर्ष में और तीन अन्य पशु चिकित्सा में प्राप्त हुए। इसके साथ ही 14 नवप्रवर्तनों के लिए पाँच कृषि हर्बल पद्धतियों, 11 मानव स्वास्थ्य संबंधी पद्धतियों और चौदह पशुचिकित्सा पद्धतियों सहित कुल 44 मामलों में पेटेंट कार्यालय सुनवाई भी हुई थी। रानप्र ने पीपीवी एंड एफआर प्राधिकरण नई दिल्ली में पादप विविधता पंजीकरण के लिए तीन आवेदन दायर किए। जनन्द्रव पंजीकरण के लिए किसानों की किस्मों के नौ आवेदन एनबीपीजीआर,नई दिल्ली को प्रस्तुत किए गए हैं। वर्ष के दौरान कुल 114 पेटेंट दायर किए गए जिनमें 60 प्राप्त प्राप्त किये गए।

रानप्र ने विशेष रूप से जमीनी स्तर पर आईपीआर के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यशालाओं, बैठकों और व्याख्यान आयोजित किए। पारंपरिक ज्ञान धारकों और तृणमूल नवप्रवर्तकों के लिए चार कार्यशाला सह जागरूकता शिविरों का आयोजन पूर्वोत्तर के राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में मई - जून 2019 के दौरान किया गया था, जहाँ लगभग 100 नवप्रवर्तकों और पारंपरिक ज्ञान धारकों ने भाग लिया था। विशेषज्ञों के लिए एक दिवसीय आईपीआर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 3 अगस्त, 2019 को चंद्रपुर, महाराष्ट्र में किया गया, जहाँ लगभग 40

पारंपरिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, एनआईएफटी, गांधीनगर के छात्रों के लिए ऐसी ही एक अन्य कार्यशाला 25 सितंबर, 2019 को रानप्र गांधीनगर में आयोजित की गई। 19 सितंबर 2019 को पारुल विश्वविद्यालय वडोदरा के छात्रों के लिए रानप्र गांधीनगर में दो आईपीआर संबंधित व्याख्यान भी दिए गए और 22 अक्टूबर, 2019 को अहमदाबाद में ग्लोबल बायोनेस्ट रोड शो किया।

व्यापार विकास

रानप्र ने इस अवधि के दौरान प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग के लिए उद्योग भागीदारों तक पहुंचने का प्रयास किया और तृणमूल नवप्रवर्तनों की दृश्यता बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रमों में भाग लिया। 'विस्को ड्यूरा स्टेप वॉकर', इग्नाइट प्रतियोगिता में मान्यता प्राप्त एक विचार के आधार पर रानप्र द्वारा प्रवर्तित एक तकनीक है, जिसे भारत के प्रमुख आर्थोपेडिक उत्पाद निर्माता कंपनी विस्को डिवेलपमेंट एड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फरवरी 2020 में लॉन्च किया गया था और यह ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है।

यादाश्त को बढ़ाने वाला "अखरोट केक" लकी इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड का एक नया उत्पाद है, जिसे रानप्र की एक हर्बल तकनीक का उपयोग करके विकसित किया गया है। इससे पहले, पांच मानव स्वास्थ्य संबंधी हर्बल तकनीकों (मच्छर से बचाने वाली हर्बलक्रीम, आंत स्वास्थ्य, जोड़ों के दर्द से राहत, मुख की सफाई और गैलेक्टोगोग) को नागपुर स्थित शाश्वत ग्रीन्स प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस दिया गया। इनमें से हर्बल मच्छर से बचाने वाली दवा- MOSTHWAK व्यावसायिक लांच के लिए तैयार है। चार प्रौद्योगिकियों; हेपेटोप्रोटेक्शन, ऑस्टियोपोरोसिस, मधुमेह प्रबंधन और वजन नियंत्रण से सम्बंधित प्रौद्योगिकियों को पुणे स्थित बायनूट्रा इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस प्रदान किया गया। रानप्र ने मस्टाइटिस, पशुधन को प्रभावित करने बीमारी के उपचार के लिए एक स्वदेशी तकनीक का मानकीकरण और वैज्ञानिक रूप से मूल्यांकन किया। इस तकनीक को एक वाणिज्यिक उत्पाद के रूप में राकेश फार्मास्युटिकल्स गांधीनगर, गुजरात के माध्यम से 'मस्टीरक' बाजार में लॉन्च किया गया। इसके बाद, पशुधन के बीच एंडोपरैसाइट संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एक पेटेंट हर्बल पशु चिकित्सा दवा को एक व्यावसायिक उत्पाद 'वर्मविट' में विकसित किया गया। एस्ट्रोन नाम से पशुओं में प्रजनन क्षमता को बेहतर बनाने के लिए उत्पाद को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लांच किया गया।

रानप्र ने स्थानीय / क्षेत्रीय स्तर पर कई प्रदर्शनी अवसरों का

रानप्र ने कृषि और किसान सशक्तीकरण विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा 20 से 24 जनवरी, 2020 तक जनता मैदान, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित कृषि ओडिशा 2020 के दौरान कई जमीनी तृणमूल नवप्रवर्तनों का प्रदर्शन किया।

रानप्र ने 31 जनवरी से 4 फरवरी, 2020 के दौरान कामरूप ग्रामीण, सूलकुची में असम साहित्य सभा के 75 वें सम्मेलन के दौरान आयोजित नवाचार प्रदर्शनी ।

लाभ उठाया, जिसमें आईआईटी, दिल्ली 10-12 अगस्त 2019 के दौरान आयोजित सेवा एक्सपो 2019 को सभी डीएसटी स्वायत्त संस्थानों के लिए रानप्र द्वारा समन्वयन किया गया । इसके साथ इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑयलसीड रिसर्च एंड आईसीएआर द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑयलसीड रिसर्च, हैदराबाद में उत्पादकता, लाभप्रदता और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए तिलहन फसलों में तकनीकी नवाचार पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी,बंगाल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट फाउंडेशन में भाग लिया। कोलकाता द्वारा 7वीं भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेला 2019 का आयोजन किया गया और 20 -24 जनवरी 2020 को भुवनेश्वर में कषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री अभिनव कृषि जनत्रपति सम्मान के तहत संभावित कृषि नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।

प्रसार और सामाजिक-प्रसार

देश भर में नवप्रवर्तनों को बढ़ावा देने के लिए रानप्र ने प्रदर्शनियों के आयोजन के साथ स्थानीय साझेदारों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में नवप्रवर्तनों को प्रस्तुत करके उनके बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया है। इस संदर्भ में रानप्र द्वारा इस अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई।

नवप्रवर्तनों का प्रसार

रानप्र ने तुएनसांग (एलुथेरोस क्रिश्चियन सोसाइटी के साथ) और कोहिमा में (फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया - नागालैंड चैप्टर) में 7-13 अगस्त, 2019 के दौरान सेनेटरी नैपकिन पैड निर्माण इकाइयों की स्थापना की सुविधा प्रदान की। सैनेटरी नैपकिन पैड बनाने के साथ रूरल एग इन्क्युबेटर के इस्तेमाल पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5-7 नवंबर, 2019 को सिक्किम साइंस सेंटर, गंगटोक (डिपार्टमेंट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड क्लाइमेट चेंज, गवर्नमेंट ऑफ सिक्किम) में किया गया। सिक्किम के सभी चार जिलों के प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। सिक्किम विज्ञान केंद्र में श्री कर्मा लोदी भूटिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री सिक्किम सरकार, द्वारा 19 जुलाई, 2019 को सेनेटरी नैपकिन बनाने

कृषि अभियांत्रिकी, बीजापुर, छत्तीसगढ़ में सैनिटरी नैपकिन मशीन का उपयोग के जरिए उत्पादन के लिए कई स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 30 से अधिक महिलाओं को 12 मई, 2019 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

की मशीन और रूरल एग इन्क्युबेटरों में से चार इकाइयों को लाभार्थियों के बीच प्रसारित किया गया। स्थानीय प्रशासन की सहायता से छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक नई सैनिटरी नैपकिन बनाने की इकाई स्थापित की गई और 12-13 मई, 2019 को महिला एसएचजी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। असम और मेघालय के 12 प्रशिक्षकों को 8-9 जुलाई 2019 के दौरान बहुउद्देशीय प्रसंस्करण मशीन के बारे में एनआईआरडी और पीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी में प्रशिक्षण दिया गया।

तापी, गुजरात में महिला समूहों के बीच कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रसार।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग, धमतरी और रायगढ़ जिलों में किसानों की चावल की किस्मों (डीआरके और कुदरत -5) का प्रदर्शन परीक्षण।

विगत वर्ष अप्रैल - जुलाई 2019 के दौरान प्राकृतिक जल कूलर और स्वच्छता गाड़ी का प्रसार आदिवासी और दूर-दराज के इलाके जैसे झारखंड के कुंती, दुमका, साहेबगंज, रांची जिलों, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बस्तर, बीजापुर, जगदलपुर, ओडिशा के खोरदा, मलकानगिरि, गंजाम, कालाहांडी, कंधमाल, मयूरभंज, नबरंगपुर जिले, पश्चिम बंगाल के बीरभूम, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, जिले, बिहार के नवादा जिले और सिक्किम में दक्षिण सिक्किम जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किया गया। जम्मू और कश्मीर के छह जिलों के 28 गांवों में सिर का भार कम करने वाले यंत्र, धान की भूसी से चलने वाला पोर्टेबल स्टोव, गोबर से पॉट बनाने की मशीन और सेनेटरी नैपकिन बनाने की मशीन जैसे नवप्रवर्तनों का प्रदर्शन किया गया। इसी तर्ज पर स्थानीय स्व-सहायता समूह की मदद से नुब्रा घाटी, लेह (जम्मू और कश्मीर) के चरसा गाँव में बहुउद्देशीय प्रसंस्करण मशीन पर आधारित एक खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित की गई। उपयोगकर्ता परीक्षण और प्रतिक्रिया के लिए नवंबर-दिसंबर 2019 के दौरान त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, असम में कई मल्टी-ट्री क्लाइम्बिंग मशीन, सिर का भार कम करने वाले यंत्र और टैपिओका स्लाइसर्स का भी प्रसार किया गया।

रानप्र ने मेघालय के छह कुम्हारों को प्रशिक्षित करने के लिए 20-30 जनवरी, 2020 के दौरान पुरस्कार प्राप्त तृणमूल नवप्रवर्तक मनसुखभाई प्रजापति (मिट्टी के उत्पादों की मिट्टीकूल श्रेणी), वांकानेर गुजरात को नियुक्त किया। इससे पहले कुम्हारों द्वारा इस्तेमाल की जा रही तकनीक के स्तर को समझने के लिए मेघालय में मनसुखभाई की एक यात्रा निर्धारित की गई, जिसमें उत्पाद बनाने के लिए उपलब्ध मिट्टी / मिट्टी की गुणवत्ता और कुम्हारों के कौशल का पता लगाया गया था। मिट्टी के नमूने का परीक्षण गुजरात में किया गया। अगला कदम मेघालय में कुम्हारों को बुनियादी लेकिन उपयोगी मशीनों (तकनीकी जानकारी के साथ, ताकि स्थानीय स्तर पर इनका निर्माण किया जा सके) को पेश किया जाएगा ताकि वे गुजरात में सीखी गई तकनीकों के माध्यम से विभिन्न उत्पादों को विकसित करने के लिए उपयोग कर सकें। तृणमूल नवप्रवर्तनों रोलिंग मशीन के साथ गाय के गोबर के पॉट बनाने की मशीन और अगरबत्ती बनाने की मशीन के लिए एक कार्यक्रम 20 फरवरी, 2020 को बीजापुर, छत्तीसगढ़ में शुरू किया गया, जिसमें 50 से अधिक महिला एसएचजी सदस्यों को मशीनों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदर्शन / क्षेत्र-परीक्षण

किसानों की फसलों की विभिन्न किस्मों के संवर्धन और प्रसार के लिए 35 किस्मों का क्षेत्र-परीक्षण रबी 2018- 2019 और

राजसमंद, राजस्थान में आईटीके आधारित पद्धतियों के माध्यम से मक्का में फॉल आर्मीवॉर्म के प्रबंधन पर किसान फील्ड स्कूल का आयोजन।

खरीफ़ 2019 के दौरान 17 राज्यों के 1043 स्थानों पर किया गया। किसानों की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन अच्छा पाया गया और नए क्षेत्रों में सफलतापूर्वक प्रचारित और अपनाया गया।

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 20 किसानों के खेतों में किसानों की छह किस्मों (चावल, मटर और फूलगोभी) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। फूलगोभी की एक किस्म (संजीव चयन) ने जल्द पकने और हल्के-सफ़ेद व सघन कर्ड होने के कारण बेहतर विक्रय-मूल्य प्राप्त किया, जबकि चावल और मटर की किस्मों को भी उत्पादकों द्वारा पसंद किया गया। किसानों की प्याज किस्मों का क्षेत्र-परीक्षण तिरुवन्नामलाई तमिलनाडु, बागलकोट कर्णाटक, मेरठ और सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश में किया गया, जबकि सरसों और चावल क़िस्मों का परीक्षण व प्रसार गुजरात के मेहसाना और गांधीनगर क्षेत्र मे किया गया। इनमें प्याज की किस्म सोना-40 उपज में श्रेष्ठ पाई गई, जबकि चावल किस्म कुदरत -5 व कुदरत -3 ने क्रमशः अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जबकि अंदानुर-सन्ना ने अधिकतम विक्रय-मूल्य प्राप्त किया। मेहसाना में सरसों की किस्म सितारा श्रृंगार ने वहाँ की अन्य लोकल प्रजातियों की तुलना मे बेहतर प्रदर्शन किया क गुजरात के नर्मदा जिले के एक आदिवासी गांव धुमकल को तृणमूल -नवप्रवर्तनों के प्रसार के लिए अपनाया गया था, जिसमें पहले चरण में 35 सेब के पौधे (HRMN-99) किसानों के खेतों में लगाये गए।

कुदरत-5 और डीआरके धान की किस्मों के प्रसार का अध्ययन छत्तीसगढ़ के दुर्ग, धमतरी और रायगढ़ क्षेत्रों में किया गया। यह पाया गया कि किस्मों को अधिक उपज और चावल की गुणवत्ता के लिए अधिमानित किया गया। अनाज की गुणवत्ता, बेहतर स्वाद और उच्च उत्पादन के कारण किस्मों में एक उच्च प्रसार क्षमता पाई गई। इन किस्मों को अब कई किसानों द्वारा अपने घरेलू और वाणिज्यिक चावल उत्पादन व्यवसाय के लिए पसंद और अपनाया जा रहा है। खरीफ 2019 के दौरान छत्तीसगढ़ में 500 से अधिक किसानों ने लगभग 178.5 हेक्टेयर क्षेत्र में चावल की इन किस्मों की खेती की है। खरीफ 2019 के दौरान चावल की किस्मों (कुदरत 5 और कुदरत 1) को पंजाब के फाजिल्का और अबोहर क्षेत्रों में लाभदायक खेती के लिए भी उपयुक्त पाया गया। किसानों की फसलों की दो किस्मों (गाजर – लक्ष्मणगढ़-चयन और दुर्गा-4, सरसों झ्र सितारा-सिंगार) का प्रसार आठ पूर्वोत्तर राज्यों के 29 जिलों में किया गया था, जिसके अंतर्गत नवंबर - दिसंबर 2019 के दौरान 30 किसानों और 12 संस्थानों को इनका बीज प्रदान किया गया। गेहूं की प्रजातियों (बीएलके बालाजी तथा मोहित-गोल्ड) के प्रसार के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे बेलगाम (कर्णाटक), गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) तथा अबोहर (पंजाब) मे इनका क्षेत्र-परीक्षण आयोजित किया गया कबिहार के सीतामढ़ी, पूर्वी चपारण और नवादा जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विविधता में वृद्धि के लिए प्रसार कार्य किया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न किस्में जैसे की गेहूं (कुदरत -9, बीएलके बालाजी), फूलगोभी (संजीव चयन, सोनाली -45, वैशाली), सरसों (सितारा श्रृंगार), धान (हेमंत, डीआरके, कुदरत -5) और

पंजाब राज्य में किसानों की फसल की किस्मों और पौधों की सुरक्षा पद्धतियों का प्रसार

सेम (जेके-1,मनियारी) को वितरित किया गया।

इसी प्रकार गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु में बेहतर अनाज और गुणवत्ता वाले पशुओं के चारे के उत्पादन के लिए सुलखानिया बाजरा की किस्म का प्रसार किया गया।

जैविक खेती (सजीव खेती) को बढ़ावा देने के लिए धान के कीटों और मक्का में स्पोडोप्टेरा फ्रुजीपर्डा (फॉल आर्मीवॉर्म) के नियंत्रण हेतु मूल्य-वर्धित हर्बल फार्म्युलेशन का क्षेत्र परीक्षण गुजरात के 2 जिलों में 50 किसानों के खेतों में किया गया। इसी प्रकार पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसानों के खेतों में खरीफ सीजन 2019 के दौरान व्हाइटफ्लाई, हॉपर और बोरर्स जैसे कीटों के प्रबंधन के लिए एक पॉलीहर्बल फार्म्युलेशन का परीक्षण 115 खेतों मे किया गया।

गुजरात के एक आकांक्षी जिले दाहोद में महिला समूहों के लिए रानप्र की गतिविधियों पर सोसाइटी आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन।

छत्तीसगढ़ के जिला दुर्ग के गवर्नमेंट हाई स्कूल में आयोजित बच्चों की रचनात्मकता कार्यशाला और तृणमूल नवाचार की मोबाइल प्रदर्शनी।

रानप्र द्वारा अनुसंधान फार्म की गौशाला, गांधीनगर, गुजरात में 13 मार्च, 2020 को कृषि प्रौद्योगिकियों जैसे की पौधों की किस्मों, पौधों और पशुधन कीट प्रबंधन, कृषि मशीनरी से संबंधित हर्बल पद्धतियों के प्रदर्शन और उपयोग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नजदीक के छह गांवों के 18 से 65 वर्ष के बीच के लगभग 75 किसानों ने भाग लिया। किसानों को विभिन्न पौधों की किस्मों, मशीनरी, तृणमूल नवप्रवर्तकों और किसानों द्वारा विकसित स्प्रे पंपों से परिचित करवाया गया और मास्क के साथ संलग्न संशोधित स्प्रेयर (छिड़काव करने वाला यन्त्र) का प्रदर्शन भी किया गया। किसानों को हर्बल-कीटनाशक के गुणों के साथ स्थानीय रूप से उपलब्ध उपयोगी पौधों की पहचान करने और फसलों के साथ-साथ पशुधन में कीटों के नियंत्रण के लिए हर्बल तैयार और उपयोग करने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया ।

फार्मर्स फील्ड्स स्कूल

समूह आधारित शिक्षा कार्यक्रम के तहत पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से विभिन्न फसलों में हर्बल पद्धतियों के जरिये कीट प्रबंधन पर गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में कुल 30 फार्मर्स फील्ड्स स्कूल (FFS) का आयोजन किया गया, जिसमें 1000 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल खेती की लागत को कम करना था, बल्कि कीट प्रबंधन के लिए सुरक्षित विकल्पों का उपयोग करके रासायनिक कीटनाशकों के भार को कम करने में मदद करना था।

सोसाइटल-आउटरीच कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तराखंड और राजस्थान में प्रगतिशील किसानों, राज्य के अधिकारियों और छात्रों की मदद से तृणमूल नवप्रवर्तकों के

मणिपुर के काकचिंग, बिष्णुपुर, सेनापति, चुरचंदपुर, इम्फाल पूर्व और टेंग्नू-पाल जिलों में सेब की किस्म का प्रसार।

प्रसार और बच्चों में रचनात्मकता के बारे में जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के आठ जिलों (दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, सुरगुजा, कोरबा, रायगढ़, रायपुर और राजनांदगांव) के 1200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान फसल की 20 किस्मों, 10 इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों और दो हर्बल फार्म्युलेशन का प्रदर्शन व प्रसार किया गया। किसानों और महिला समूहों को खेती में रासायनिक भार और खेती की लागत को कम करने के लिए उपलब्ध जैव संसाधनों का उपयोग करके पॉलीहर्बल-घोल तैयार करने के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया। पांच प्रगतिशील महिला समूहों को स्थानीय सामुदायिक बीज बैंक बनाकर बीज विविधता के संरक्षण के लिए भी प्रशिक्षित किया गया।

उत्तराखंड के जिला अल्मोड़ा में तीन खंडों और गुजरात के नर्मदा और तापी जिलों के चार ब्लॉकों में 600 से अधिक किसानों (महिलाओं और पुरुषों) ने नवप्रवर्तन की शुरूआत और संवेदीकरण कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रमों के दौरान, ग्रामीणों और अन्य प्रतिभागियों के लिए तृणमूल नवप्रवर्तकों की छोटी-छोटी प्रदर्शनीयां भी लगाई गईं। 22 मई, 2019 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में किसानों की एक कार्यशाला का आयोजन किसानों की किस्मों और आईटीके आधारित कीट प्रबंधन पद्धतियों, सिर का भार कम करने वाला उपकरण आदि को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से किया गया था, जिसमें 23 गांवों के 130 किसानों ने भाग लिया।

रानप्र द्वारा मार्च 2020 के दौरान सीआईएफएमसी (CIFMC) जयपुर और कृषि विभाग, भारत सरकार के समन्वय में दो दिवसीय सोसाइटल-आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के बूंदी और कोटा जिलों से सौ से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में फसलों की किस्मों तथा कार्यशालाओं के माध्यम से फसलों और पशुधन में कीट प्रबंधन के लिए किसानों को प्रशिक्षण देने के अलावा इन क्षेत्रों में फसल की किस्मों, उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान और मशीनरी सहित उपयुक्त तृणमूल प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता और प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस वर्ष मिजोरम में फसलों को फॉल आर्मीवॉर्म के प्रकोप का सामना करना पड़ा और राज्य में परीक्षण के लिए मिज़ोरम सरकार के कृषि निदेशालय को एक आउटरीच-सामग्री प्रदान की गई। आउटरीच-सामग्री की पद्धतियों में मिजोरम में उपलब्ध पौधों को शामिल करके तैयार किया गया था, जिसका उपयोग स्थानीय रूप से हर्बल तैयार करने के लिए किया जा सकता है।

नवप्रवर्तक-किसानों को सहयोग

छः राज्यों के चौदह पुरस्कृत नवप्रवर्तक-किसानों को, उनके द्वारा विकसित 18 प्रजातियों के व्यापक और नए क्षेत्रों में प्रसार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

प्रदर्शनियां - प्रौद्योगिकी संस्थान (IoT) कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में 29 अप्रैल 2019 को एक तृणमूल नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें जम्मू-कश्मीर के तृणमूल नवप्रवर्तकों द्वारा विकसित नवप्रवर्तनों को दिखाया गया है। कलिम्पोंग विज्ञान केंद्र कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल में 5-6 जून के दौरानएक नवप्रवर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया था, जहां रानप्र ने आठ तृणमूल और छात्र नवप्रवर्तकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की। कलिम्पोंग के 18 स्कूलों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें दो दिनों में 3000 से अधिक लोग आए। रानप्र ने 25 सितंबर, 2019 को ऐजावल, मिजोरम में पहली राज्य-स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी आयोजित की जो पचुंगा विश्वविद्यालय कॉलेज में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों के 20 नवप्रवर्तकों ने भाग लिया। रानप्र ने जलपाईगुड़ी सदर उपखंड कृषि मेले में 22-24 दिसंबर, 2019 के दौरान और क्षेत्रीय कृषि मेला, उत्तर बंग कृषि विद्यालय में 14 से 16 जनवरी, 2020 के दौरान भी भाग लिया। आईसीएआर-केवीके व्यारा, तापी, गुजरात में एक दिवसीय प्रगतिशील किसान बैठक और नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी का आयोजन 31, 2019 दिसम्बर को किया गया था, जहां नवप्रवर्तकों, महिला समूहों, किसानों, छात्रों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया। रानप्र ने 20-22 जनवरी, 2020 के दौरान उत्तर बंगाल विज्ञान केंद्र, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल और फिर 25-26 जनवरी, 2020 के दौरान अरुणाचल प्रदेश विज्ञान केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, 8-9 फरवरी, 2020 के दौरान क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी के साथ में एक नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन किया। रानप्र ने सभी तीन नवप्रवर्तन प्रदर्शनियों में सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के नवप्रवर्तकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

द्वितीय आसियान इंडिया ग्रासरूट इनोवेशन फोरम

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन-भारत (रानप्र) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीओएसटी) फिलीपींस ने द्वितीय सात प्रमुख देशों भारत, फिलीपींस, कंबोडिया, वियतनाम, लाओ पीडीआर, थाईलैंड और म्यांमार के प्रतिनिधियों द्वारा पैनल चर्चा मंच का प्रमुख आकर्षण था। इस दौरान तीन दिवसीय फोरम के एक भाग के रूप में नवप्रवर्तनों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी। पैनल चर्चा में पैनलिस्ट

द्वितीय आसियान-भारत ग्रासरूट इनोवेशन फोरम का आयोजन 20-22 अप्रैल 2019 के दौरान एसएमएक्स कन्वेंशन सेंटर, दावो सिटी, फिलीपींस में किया गया।

इंडिया ग्रासरूट इनोवेशन फोरम 2019 का आयोजन दावो सिटी, फ़िलीपींस में 20-22 नवंबर, 2019 के दौरान किया। तृणमूल नवप्रवर्तन और छात्र नवप्रवर्तन प्रतियोगिता के साथ ने समकालीन महत्व के तीन अलग-अलग विषयों छात्र नवाचारों के इन्क्यूबेशन, तृणमूल नवप्रवर्तन और तृणमूल नवप्रवर्तन इको-सिस्टम के सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों पर चर्चा की।

फिलीपींस में दूसरे आसियान-भारत ग्रासरूट इनोवेशन फोरम के दौरान विभिन्न आसियान सदस्य देशों (एएमएस) के छात्र और तृणमूल नवप्रवर्तक।

थिरुपति नानम और प्रांजल श्रीवास्तव ने तृणमूल नवप्रवर्तन प्रतियोगिता और छात्र नवप्रवर्तन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। रानप्र द्वारा पुरस्कृत थिरुपति ने एक 'पोल क्लाइंबर 'विकसित किया था जबकि इंस्पायर- मानक से पुरस्कृत प्रांजल ने 'थर्मोइलेक्ट्रिक स्टोव जनरेटर' का निर्माण किया था। तृणमूल नवप्रवर्तन प्रतियोगिता में भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, लाओ पीडीआर, और कंबोडिया सहित 6 देशों के 27 प्रतिभागी थे, जबकि छात्र नवप्रवर्तन प्रतियोगिता में 7 देशों के 40 प्रतिभागी थे, जो भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, लाओ पीडीआर, कंबोडिया और म्यांमार से थे। विजेताओं को प्रत्येक दो श्रेणियों में ट्राफी और 1500 अमेरिकी डॉलर (प्रथम), 1000 अमेरिकी डॉलर (द्वितीय) और 500 अमेरिकी डॉलर (तृतीय) का पुरस्कार मिला।

सिंगापुर नेक्स्ट फेज़ - ए बिज़नेस एंड इनोवेशन समिट एंड इनसप्रेनर 3.0: स्टार्ट-अप फोरम

सिंगापुर:

सिंगापुर नेक्स्ट फेज़ - ए बिज़नेस एंड इनोवेशन समिट एंड इनसप्रेनर का आयोजन सिंगापुर स्थित भारत के उच्चायोग और सिंगापुर की सरकारों की एजेंसियों, वाणिज्य मंडलों, व्यावसायिक संघों और नवप्रवर्तन प्रयोगशालाओं की साझेदारी में किया गया। इस दौरान दो अंतर-संबंधित कार्यक्रमों पहला; एक बिजनेस समिट जो भारत - सिंगापुर साझेदारी को आगे बढ़ाने और दूसरा भारत- सिंगापुर नवप्रवर्तन और स्टार्ट-अप प्लेटफॉर्म InSperiaur 3.0 के तीसरे संस्करण पर केंद्रित था। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) को इस शिखर सम्मेलन और फोरम का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया

भारत के छात्र नवप्रवर्तक हर्षा अरबिंदो सत्पथी ने फिलीपींस में दूसरे आसियान-भारत ग्रासरूट इनोवेशन फोरम में एक प्रदर्शनी के दौरान शरीर के "हाइड्रेशन सुनिश्चित करने के लिए पहनने योग्य संकेतक" का प्रदर्शन किया।

गया था, जिसमें देश में उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दस स्टार्ट-अप जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर स्पेस , फिनटेक, हेल्थकेयर, इनोवेशन एंड सोशल इम्पैक्ट (एनर्जी) शामिल था। रानप्र ने देश में नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई अपनी प्रौद्योगिकियों और विभिन्न कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। विभिन्न प्रदर्शकों में रानप्र द्वारा मानव स्वास्थ्य से संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए इन्क्यूबेशन किये जा रहे बायो न्यूट्रा इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चेकओबेसिटी, मधुमेह, लिवर और हड्डियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए हर्बल अर्क के साथ समृद्ध स्वस्थ कुकीज़ और चॉकलेट का प्रदर्शन किया गया।

दक्षिण अफ्रीका - जमीनी स्तर नवप्रवर्तन कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन योजना

रानप्र और विज्ञान एवं नवाचार विभाग (डीएसआई), दक्षिण अफ्रीका ने तृणमूल नवप्रवर्तन कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन योजना को अंतिम रूप दिया, जिसे दोनों देशों के बीच एक संयुक्त समिति की बैठक के बाद 19 फरवरी, 2020 को दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में हस्ताक्षरित किया गया। यह दोनों देशों के नागरिकों के भोजन, पोषण, स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए किफायती तृणमूल तकनीकों को विकसित करने या लागू करने के लिए स्पष्ट रणनीति प्रदान करता है।

रानप्र और विज्ञान एवं नवाचार विभाग (डीएसआई) दक्षिण अफ्रीका ने तृणमूल नवप्रवर्तन कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन योजना को अंतिम रूप दिया, जिसे दोनों देशों के बीच एक संयुक्त समिति की बैठक के बाद 19 फरवरी, 2020 को दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में हस्ताक्षरित किया गया।

नई पहल और साझेदारी

ओडिशा में चक्रवात फानी से प्रभावित लोगों की सहायता

सुपर साइक्लोन ''फानी'' ने अप्रैल-मई 2019 के दौरान ओडिशा के कई जिलों को तबाह कर दिया था। इससे प्रभावित क्षेत्रों में रानप्र ने अधिक शेल्फ जीवन वाले पौष्टिक खाद्य प्रौद्योगिकियों का प्रसार करके लोगों विशेष रूप से महिलाओं की क्षमता को मजबूत कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया और विभिन्न बीमारियों के लिए पशु चिकित्सा प्रदान किया। यह खाद्य प्रौद्योगिकियों उन्हें आपदाओं से बचने में मदद कर सकती हैं, इसके बाद वह सामान्य स्थिति की बहाली के लिए अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस विचार के साथ, रानप्र ने प्रभावित लोगों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में कार्य किया, जो कम से कम एक महीने तक चल सकता है। पुरी जिले के नुआ गाँव-सनसाही, नुआ गाँव- बादशाही, बुधियारा और गोरा गाँव को अपेक्षित सहायता प्रदान की गई। स्थानीय सामग्रियों का उपयोग करते हुए, लंबी शैल्फ जीवन के साथ एक खाद्य पदार्थ तैयार किया गया था और लोगों को दिया गया था और जहां भी संभव हो सका वहाँ उनके सुझाव मांगे गए थे। रानप्र ने खाद्य उत्पादों के तकनीकी ज्ञान को भी साझा किया, जिसे एक महीने तक संग्रहीत किया जा सकता है। नुस्खा के पोषण संबंधी पहलू और उनके घरों पर उसी की तैयारी के बारे में 550 से अधिक परिवारों को बताया गया। महिलाओं को स्वतंत्र रूप से या समूह के रूप में तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

कई क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति के कारण पानी की आपूर्ति में व्यवधान हो गया था। रानप्र ने प्रभावित क्षेत्रों जगतसिंहपुर जिले के बसन्धरा, गोकुलपुर, ओलराह गाँव, खोरधा जिले के नुआपाड़ा, नारनगढ़, गंभीरमुंडा गाँव, देउलीपाड़ा, केंद्रपाड़ा जिले के डियान राजगढ़ गाँव और पुरी जिले के कनास, डेलंग, बिसवांथपुर, रेन्च गाँव में शुद्धि सुविधा वाले प्राकृतिक वाटर कूलर (गैर-इलेक्ट्रिक) लगाने की पहल की। चक्रवात प्रभावित गाँवों नूबलिया, नुआ गाँव और खोरधा पुरी और पंडुआ साही जिले में पशु चिकित्सकों की मदद की। इन गाँवों में प्रभावित पशुओं की जाँच पशुपालन विभाग, ओडिशा सरकार के सहयोग से की गई। यह पाया गया कि इन जानवरों में से अधिकांश भूख, पाचन समस्या, लैक्रिमेशन और टिक

मई 2019 के दौरान जब चक्रवात फानी ने ओडिशा राज्य को प्रभावित किया, तो रानप्र ने तकनीकी जानकारी साझा की और कटक और भुवनेश्वर में खाखरा का प्रसार किया।

मई 2019 को राज्य में चक्रवात फानी के बाद ओडिशा के पुरी जिले में एक्टोपैरासाइट दवा का प्रदर्शन।

इन्फेक्शन से प्रभावित थे। रानप्र टीम ने 250 से अधिक प्रभावित जानवरों की पहचान की और विभिन्न बीमारियों के लिए दवाएं प्रदान की। यह देखा गया कि उपचार के तीसरे दिन के भीतर लगभग 69 प्रभावित जानवरों को एंडोपारासाइट संक्रमण से ठीक किया गया। इसी तरह लगभग 188 जानवर जिन्हें टिक संक्रमण के लिए पुष्टि की गई थी, उन्हें एंटीटिक दवा दी गई थी। इन सभी दवा को प्रभावी पाया गया था, क्योंकि इस पॉलीहर्बल दवा लगाए गए जानवर दूसरे दिन तक कम संख्या में कड़ी टिक से प्रभावित पाए गए। किसानों को दवा तैयार करने का विवरण भी प्रदान किया गया था ताकि वे बाद में कभी भी इस दवा का उपयोग कर सकें।

खोरदा जिलों के राजस, काजीपुर, नगापुर, टंकोल, और रायगुरुबसुदीपुर गाँव और पुरी के नुआगाँव-सनासाही,

रानप्र भुवनेश्वर शाखा द्वारा पुरी जिले के विभिन्न गाँवों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न प्रासंगिक नवीन तकनीकों पर जानकारी साझा की।

ओडिशा के चक्रवात से प्रभावित खुर्दा जिले में खेत की निशानदेही और प्रतिक्रिया के लिए किसानों को बीज का प्रसार।

नुआगाँव- बादशाही, नूबालिया, गोरा गाँव के लगभग 450 किसानों को खरीफ सीजन में रोपण के लिए संग्रहीत धान के बीज की हानि को कम करने के लिए कुदरत -5, कुदरत -1 और डीआरके धान की किस्म के लगभग 650 किलोग्राम बीज का प्रसार किया गया। कुदरत -3 और ऋचा 2000 मटर की किस्में भी उन्हें सीमा फसल के रूप में लगाने के लिए दी गई। इन किस्मों ने किसानों के खेतों में कृषि के परीक्षण में अच्छे परिणाम दिखाए।

कोविड-19 चुनौती प्रतियोगिता

वित्त वर्ष 2019-20 के अंत तक कोविड-19 महामारी से देश और बाकी दुनिया बुरी तरह प्रभावित हो चुकी थी। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के महत्व को समझते हुए, 31 मार्च, 2020 को रानप्र ने देश के आम लोगों को अपने रचनात्मक विचारों और नवप्रवर्तनों को संबोधित करते हुए ''चैलेंज उडश्क्ऊ 19 प्रतियोगिता (C3)'' में भाग लेने के लिए विभिन्न श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किये।

1. पोषण के लिए स्वस्थ भोजन और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में ।
2. कोरोना वायरस के फैलाव को कम करने।
3. जहाँ आवश्यक हो व्यक्ति के हाथ, शरीर, घरेलू सामान और घर, सार्वजनिक स्थानों को सैनिटाइज करने।
4. खासकर अकेले रहने वाले लोगों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और वितरण के संबंध में।
5. घर पर लोगों से लाभप्रद बातचीत के संबंध में
6. पीपीई (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) और स्वास्थ्य सेवा की क्षमता निर्माण के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक परीक्षण सुविधाएं।
7. कोरोना के बाद कार्यान्वयन के लिए संपर्क रहित यंत्रों की आवश्यकताओं।
8. कोविड-19 के दौरान विभिन्न भागों के लोगों की अलग-अलग जरूरतों।

भागीदारी

रानप्र और आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर वोमेन इन एग्रीकल्चर के बीच महिला नवप्रवर्तकों को ज्यादा शामिल करने, महिलाओं से संबंधित प्रौद्योगिकियों के सत्यापन और मूल्यवर्धन कार्यों को बढ़ाने, उनकी आय बढ़ाने और ग्रामीण महिलाओं को रानप्र प्रौद्योगिकियों के प्रसार और प्रसार की सुविधा प्रदान करने के लिए 30 जुलाई, 2019 को एक साझेदारी स्थापित की गई। मिजोरम विश्वविद्यालय से 25 सितंबर, 2019 को मिजोरम के नवप्रवर्तकों का समर्थन करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी इन्क्यूबेशन केंद्र में एक रानप्र मिजोरम केंद्र भी स्थापित किया गया था। रानप्र ने मिजोरम से तृणमूल नवप्रवर्तनों के सत्यापन, मान्यता, मूल्य संवर्धन और इन्क्यूबेशन के लिए 25 सितंबर 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (NIT) मिजोरम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। रानप्र ने विकास आयुक्तालय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के साथ देश में एमएसएमई के बेहतरी, विकास और समग्र कल्याण की दिशा में योगदान दे सकने वाले नवीन प्रौद्योगिकियों और व्यापार इन्क्यूबेशन गतिविधियों को मजबूत करने के लिए सहयोग स्थापित किया गया।

राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार

रानप्र को भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)द्वारा राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार 2020 के लिए मुख्य भागीदार के रूप में आमंत्रित किया गया। रानप्र के नेतृत्व में इन पुरस्कारों की स्थापना के बाद पहली बार मूल्यांकन उद्देश्य के लिए एक रूपरेखा अपनाई जा रही है जिसे ASSURED [A (अफोर्डेबल) S (स्केलेबल) S (सस्टेनेबल) U (यूनिवर्सल) R (रैपिड) E (एक्सीलेंट) D (डिस्टिंक्टिव)] के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा रानप्र एनईए 2020 के संबंध में आईटी अवसंरचना में महत्वपूर्ण सुधार कर रहा है। एनईए 2019 के संबंध में रानप्र ने ओडिशा, गोवा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों में विभिन्न आउटरीच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

नवप्रवर्तन और उद्यमिता का उत्सव 2020

नवप्रवर्तन और उद्यमिता उत्सव का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत द्वारा राष्ट्रपति भवन के तत्वाधान में किया जाता है। नवप्रवर्तन और उद्यमिता उत्सव विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तनों को बढ़ावा देने के साथ नागरिकों में उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक अद्वितीय प्रयास है। बेंगलुरू में फाइन 2020 का आयोजन 22-24 मार्च, 2020 के बीच किया जाना था, जिसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद इसका उद्घाटन करते और उन नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत करते जिन्हें इनोवेशन स्कॉलर्स -इन-रेसिडेंस प्रोग्राम 2020 का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। हालाँकि कोविड-19 महामारी के कारण इसका आयोजन तब तक के लिए टाल दिया गया ,जब तक कि सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती है।

पिछले वर्षों के समान इस वर्ष भी फाइन के दौरान तृणमूल नवप्रवर्तनों और इंस्पायर अवार्डस-मानक की प्रदर्शनी के अलावा स्टार्ट अप्स, एस एंड टी भारतीय कृषि, धन सृजन की क्षमता को उजागर करना, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और पोषण, समावेशी विकास और ऊर्जा, पर्यावरण को व्यवस्थित करना आदि जैसे समकालीन प्रासंगिकता के विषयों पर राउंड-टेबल का आयोजन होना था। आगंतुकों, युवाओं के लाभ के लिए स्टार्ट-अप और स्टार्ट-अप संस्कृति के लिए खुले सत्र और एक नवोन्मेषक उद्योग पर बातचीत के अलावा पोषण की योजना बनाई गई थी।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2019

माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा 30 नवंबर, 2019 को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2019 के दौरान 21 विद्यार्थियों (नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों) को उनके18 तकनीकी विचारों/नवप्रवर्तनों के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में सभी पुरस्कार विजेता विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता के दौरान (1 सितंबर 2018 से 31 अगस्त 2019 तक) भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित पर भी बात की, जो देश के लगभग90 प्रतिशत जिलों के बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। गुजरात के माननीय राज्यपाल ने भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट 2019 पुरस्कार पुस्तक की पहली प्रति भेंट की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने भारत के नवप्रवर्तकों के पास मौजूद क्षमता की सराहना की और इस क्षमता को अवसरों के साथ जोड़ने की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी

गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट 2019 पुरस्कार पुस्तक की पहली प्रति भेंट की।

प्रदेशों के 544 जिलों के 60,000 से अधिक स्कूली छात्रों के तकनीकी विचार प्राप्त हुए थे।

डॉ. पीएस गोयल, अध्यक्ष, रानप्र ने अपने स्वागत भाषण में इस देश में बच्चों की रचनात्मकता को पहचानने के लिए रानप्र की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने युवाओं व बच्चों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति और गुजरात के माननीय राज्यपाल और के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने 2008 में शुरू हुए इग्नाइट पुरस्कारों की यात्रा के माध्यम से बड़े पैमाने पर दुनिया को बदलने में योगदान देने वाले लोगों के विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया और खुशी व्यक्त की कि भारत के युवा नवप्रवर्तनों के मामले में दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ तालमेल बनाए हुए हैं।

माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने नवप्रवर्तनों का उत्सव (ऋड्डक्ठ) जैसी पहल को याद किया, जिसने देश के नवप्रवर्तकों को एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। उन्हें भारत के गौरवशाली इतिहास को याद किया गया, जिसमें

त्रिपुरा राज्य में फोहोर स्कूल जैसे दूरस्थ स्थानों पर आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2019 के दौरान भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को गुजरात के गांधीनगर की एक यूकेजी छात्र विश्वा गोस्वामी अपने अभिनव विचार से बनाई गई 'अलग किया जा सकने वाला प्लेट से जुड़ा हुआ ग्लास' को दिखाती हुई।

विश्वविद्यालयों और सामाजिक नवाचारों के विकास पर जोर दिया गया। उन्होंने हमारे देश में नवप्रवर्तकों की क्षमता को स्वीकार किया, जो हमेशा से समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हैं। उन्होंने देश में नवप्रवर्तकों को बढ़ावा देने के लिए रानप्र के प्रयासों की सराहना की और कुछ क्षेत्रों जैसे गरीबी उन्मूलन, ग्रामीण संचार, कृषि, पशुपालन, पवन ऊर्जा और जो जलवायु परिवर्तन की समस्याओं साझा किया, जहां वह आशा करते हैं कि आने वाले दिनों में और अधिक नवप्रवर्तन सामने आएंगे। उन्होंने भारत के लिए 3 आई का मंत्र भी दिया - पहला आई अधीर होने, दूसरा आई नवाचार के लिए और तीसरा आई समावेशी होने के सन्दर्भ में था। उन्होंने देश के नवोन्मेषियों से आग्रह किया कि वे तब तक प्रयास करते रहें जब तक कि सफलता प्राप्त न हो जाए। पुरस्कार समारोह का समापन रानप्र के निदेशक डॉ. विपिन कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

लद्दाख की सईदा बानो को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया।

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक 2019-20

वर्ष 2016-17 में एक महत्वपूर्ण सुधार के बाद से इंस्पायर अवार्ड्स-मानक योजना (कक्षा 6 से 10 वीं तक के छात्रों के लिए) धीरे-धीरे बड़ी संख्या में स्कूलों तक पहुँच बनाने में सफल हुई है, जिनमें देश के पिछड़े और सुदूर क्षेत्र भी शामिल हैं। यह योजना को लोकप्रिय बनाने के लिए किए गए व्यापक आउटरीच प्रयासों का परिणाम है। वर्ष 2019-20 में देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 3,92,486 विचार और नवप्रवर्तन प्राप्त हुए, जिनमें 44,066 नामांकन के साथ कर्नाटक पहले स्थान पर रहा, उसके बाद आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ था। सभी 3,92,486 नामांकन की समीक्षा (प्रत्येक नामांकन की तीन स्वतंत्र समीक्षाएं) एक सुरक्षित वेब इंटरफ़ेस के माध्यम से ऑनलाइन किया गया, जिसमें 150 से अधिक विशेषज्ञ शामिल थे। कुल नामांकन के लगभग 10 प्रतिशत यानी 42,143 परियोजनाओं को देश भर में जिला स्तरीय प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (DLEPC)में भाग लेने के लिए चुना गया। उसके बाद 167 जिला स्तरीय प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (DLEPC)और 27 राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। तीन राज्यों और दो केंद्र प्रशासित प्रदेशों (गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, दादरा एवं नगर हवेली दमन और दीउ) के राष्ट्रीय स्तर पर चुने गए प्रतिभागियों के लिए मेंटरिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस सत्र के दौरान 1 मई, 2019 से 2 जुलाई, 2019 के दौरान लगभग 1000 प्रतिभागियों के लिए 23 राज्य स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें 31 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों (दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, महाराष्ट्र, मिजोरम, चंडीगढ़, केरल, सिक्किम, कर्नाटक, राजस्थान, गुजरात, गोवा, दादरा और नगर हवेली, दमन दीव, ओडिशा, तेलंगाना, बिहार, उत्तर प्रदेश, नागालैंड, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश) के जिला नोडल अधिकारी, स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षकों ने भाग लिया। इसके बाद दिल्ली में 5 जुलाई, 2019 को राज्य नोडल अधिकारियों की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हुई, जिसमें 29 राज्यों ने भाग लिया। देश के 7 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, केरल, गोवा, हरियाणा, चंडीगढ़ राज्य / संघ राज्य क्षेत्र के प्राधिकरणों के समन्वय के साथ शिक्षकों के प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं, जहाँ विभिन्न जिलों के शिक्षकों ने भाग लिया।

इंस्पायर अवार्ड्स- मानक 2019-20 के कार्यान्वयन के लिए राज्य-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 29 मई 2019 को भुवनेश्वर में किया गया था, जहाँ जिला नोडल अधिकारियों, जिला विज्ञान पर्यवेक्षकों और ओडिशा के सभी जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विधिवत प्रचार अभियान आरंभ किया गया, जिसमें हिंदी सिनेमा के जाने-माने फिल्म अभिनेता रितिक रोशन (रिलायंस

रानप्र में इंस्पायर अवार्ड्स- मानक मेंटरिंग कार्यशाला के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ ने युवा छात्र को सलाह देते हुए।

एंटरटेनमेंट के माध्यम से), टाइगर श्रॉफ, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया (धर्मा प्रोडक्शन) शामिल हुए। हरीश भीमनी जैसे प्रसिद्ध रेडियो कलाकारों की सहायता से ऑडियो स्पॉट विकसित किए गए। इन प्रचार वीडियो / ऑडियो को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, ट्विटर, एसएमएस और ईमेल आदि के माध्यम से प्रसारित किया गया। इंस्पायर योजना का प्रदर्शित करने वाली हिंदी और अंग्रेजी भाषाओ में सैंड आर्ट एनीमेशन तैयार किया गया। इसके साथ ही प्रिंट मीडिया के लिए 12 भाषाओं में विज्ञापन तैयार किया गया। शिक्षकों को लिए इंस्पायर वेबपोर्टल पर नामांकन सम्बंधित प्रक्रिया को समझने के लिए चरण-दर-चरण निर्देशों के साथ एक वीडियो हिंदी और अंग्रेजी में तैयार किया गया था। ऑनलाइन ई-एमआईएएस (इंस्पायर अवार्ड योजना के ई-प्रबंधन) में यू-डीआईएसई कोड (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) के कार्यान्वयन के लिए लगभग 7 लाख स्कूलों का यू-डीआईएसई डेटा बेस (कक्षा 6 से 10) इकट्ठा किया गया।

इंस्पायर अवार्ड्स- मानक 2019-20 के आवेदन के लिए आयोजित एक जागरूकता अभियान ।

सांस्थानिक भाषा नीति

रानप्र ने सरकार की भाषा नीति को लागू करने के लिए ने कई पहल किये हैं। चूंकि रानप्र के कर्मी विभिन्न राज्यों के हैं उनमें हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए परिसर में एक व्हाइटबोर्ड पर प्रमुखता से बोला जाने वाला एक हिंदी शब्द रोज लिखा जाता है। कर्मचारियों की आसानी के लिए हिंदी शब्द के ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन और इसके अर्थ को अंग्रेजी में भी लिखा जाता है। रानप्र के सभी पोस्टर और प्रसार सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध हैं। हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी अन्य सभी प्रकाशनों के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त रानप्र क्षेत्रीय भाषाओं को भी बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास करता है। स्थानीय भाषाओं में रानप्र को प्राप्त सभी पत्रों को उसी भाषा में उत्तर दिया जाता है। इसके लिए अनुवादकों की सेवाएं ली जाती हैं। रानप्र पांच क्षेत्रीय समाचार पत्रों उड़िया, तेलुगु, तमिल, मलयालम और गुजराती के प्रकाशन में भी सहयोग करता है। इसके अलावा रानप्र नवप्रवर्तकों से उन्ही के स्थानीय भाषा में संवाद करता है ताकि उनके लिए आवश्यक जानकारी उपयुक्त तरीके से दी जा सके।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड बुक 2019 (हिंदी और अंग्रेजी)
2. सेब की यात्रा - सेब की किस्म के प्रसार की कहानी (अंग्रेजी)
3. असम इनोवेट्स (नवप्रवर्तन 2.0) (असमिया और अंग्रेजी)

पुस्तिकाएं

1. किसानों द्वारा सब्जी की फसल की किस्मों में सुधार (अंग्रेजी)
2. राजस्थानी कृषकों के नवप्रवर्तन (हिंदी), भारतीय केवीके, सीकर (राजस्थान) के सहयोग से प्रकाशित
3. तमिलनाडु के फार्म इनोवेटर्स (तमिल), केवीके, थेनी (तमिलनाडु) के सहयोग से प्रकाशित
4. तृणमूल नवप्रवर्तन (मिजोरम), राज्य नवप्रवर्तन प्रदर्शनी के लिए प्रकाशित (अंग्रेजी)

आर्टिकल

Maurya, N. & Kumar, V. (2019, Sep 30 - Oct 6). *Gandhian thought for grassroots innovation*. University News, Association of Indian Universities, 57(9).

सम्मेलन की कार्यवाही में शोध पत्र

Ravikumar, R.K., Patel, K., Krishna, B. & Agarwal, P. (2019). *Examining Characteristics of Indigenous Medications for low or no cost livestock health care*. In Thakur et al. (Eds.), Model Training Course on Innovative Entrepreneurial Approaches in Hill farming system for doubling farmer's income (pp. 28-31). Palampur: CSK Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya.

Ravikumar, R.K. (2019). *Societal Knowledge as an assured framework in livestock heath care: Specific Reference to NIF's Anti-tick Medication*. In Thakur et al. (Eds.), Model Training Course on Innovative Entrepreneurial Approaches in Hill farming system for doubling farmer's income (pp. 88-93). Palampur: CSK Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya.

Sharma, MK. And Maheshwari, R.(2019, December 15-18). Grassroot Project Management Using An Integer Programming Approach. 52nd Annual Convention of ORSI and International Conference, Indian Institute of Management Ahmedabad.

कांफ्रेंस सार

Singh, S. & Choudhary, H. (2019, Nov 10-14). *Farmer field school on outstanding traditional knowledge based insect pest management-a single means with many ends*. [Abstract]. XIX International Plant Protection Congress: IPPC2019, ICRISAT, Hyderabad, 1 (O39-8): 221.

Mihir, L., Kadam, R., Maheshwari, R., Upadhyaya, D., Dahiya, R., & Patel, R. (2019, Nov 21-22). *Performance Evaluation of Downdraft Gasifier for Refuse Derived Fuel*. [Abstract]. 7th Nirma University International Conference on Engineering: Technologies for sustainable development, Ahmedabad, (pp 120).

पुस्तिकाएं

1. स्वदेशी पारंपरिक ज्ञान आधारित चावल में कीट प्रबंधन (हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती)
2. स्पोडोप्टेरा फ्रुगुइपर (फॉल आर्मीवॉर्म) का पारंपरिक ज्ञान आधारित प्रबंधन (हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती)
3. पशुओं में बाहा परजीव (किलनी / टिक्क) का हर्बल उपचार (हिंदी)

वर्ष 2019-20 के लिए वार्षिक लेखा

Joy Baxi
& ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

603-604, "Shalin", Plot No.-24,
Opp. Petrol Pump, Sector-11,
Gandhinagar-382011.
Gujarat, India.
☎ : +91 79 232 41940
E-mail : info@jbaca.in
Website : www.jbaca.in

Independent Auditor's Report

TO THE MEMBERS OF THE GOVERNING BODY OF NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA

A Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1095, Regn. No. F/7412/Ahmedabad.
A Society registered under the Societies Registration Act, 1860, Regn. No. –GUJ/7567Ahmedabad.

Report on the Financial Statements

We have audited the financial statements of **"NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA** ("the Trust" or "the Society"),which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2020 and the Statement of Income & Expenditure Account for the year ended and the Receipts and Payments for the year ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management is responsible for preparation of these Financial Statements in accordance with Bombay Public Trust Act, 1950, the Societies registration Act, 1860 and guidelines Prescribed for preparation and presentation of financial statement for central Autonomous Body issued by Ministry of finance, Government of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with standards on auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Organizations preparation and fair Presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

a) In the case of Balance sheet of the state of affairs of the Trust as at 31st March, 2020.
b) In the case of Statement of Income and Expenditure Account, of the excess of income over expenditure for the year ended on 31st March, 2020.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

As required under Section 33(2) of the Bombay Public Trust Act, 1950, we further report that-

a) The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the Rules.
b) The Income and Expenditure are properly and correctly shown in accounts.
c) The cash balance and vouchers in the custody of the authorized person on the date of audit were in agreement with the accounts.
d) Books, Deed, Accounts Vouchers and other documents and records required by us were produced before us.
e) A register of movable properties of the trust duly certified by the trustee has been properly maintained.
f) There are no defect and inaccuracies mentioned in the previous audit report which need to be complied with.
g) The manager/trustee appeared before us and furnished necessary information required by us.
h) No properties of funds were applied for any object or purpose other than object or purpose of trust.
i) We have not come across any case of alienations of immovable property contrary to the provisions of the section 36 of the Act.

Pursuant to the section 12-E of the Societies Registration Act, 1860 we further report that we have not come across any case of irregular, illegal or improper expenditure or failure or omission to recover monies or other property belonging to the society or of loss or waste of money or other property thereof on the part of governing body or any person.

Accrued liability in respect of Gratuity and Leave Encashment in conformity with the Accounting Standard – 15 (Accounting for retirement benefits) issued by the Institute of Chartered Accountants of India is being recorded on payment basis.

For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W

S. S. Somani

CA Snehal Somani
Partner
Membership No.127087
UDIN: 20127087AAAABZ6422
Place: Gandhinagar
Date: 17/08/2020

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2020 को तुलनपत्र

(राशि रुपये)

विवरण	अनुसूची	31.03.2020	31.03.2019
क: धरोहर /पूँजीगत कोष एवं दायित्व			
धरोहर /पूँजीगत कोष	1	1081,70,422	1109,67,165
भंडार और अधिशेष	2	75,96,295	531,88,626
अर्जित / अंतराल कोष	3	1665,24,591	609,57,855
सुरक्षित ऋण और उधारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधारी	5	-	-
आस्थगित ऋण	6	-	-
वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान	7	157,30,962	160,59,649
कुल (क)		**2980,22,270**	**2411,73,295**
ख: परिसम्पत्तियां			
अचल परिसम्पत्तियां	8	233,36,704	242,02,691
निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	9	-	
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियां	11	2746,85,565	2169,70,604
विविध व्यय (जिसको लिखा या समायोजित नहीं किया गया है)			
कुल (ख)		**2980,22,270**	**2411,73,295**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा सम्बन्धित टिप्पणियां

समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार
कृते जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी सं. 115785W

(स्नेहल एस. सोमानी)
साझीदार
सदस्यता सं. 127087
यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611
स्थान : गांधीनगर
दिनांक : 19-08-2020

कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(डॉ. विपिन कुमार)
मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय खाता

(राशि रुपये)

विवरण	अनुसूची	2019-20	2018-19
क: आय			
बिक्री / सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान / अनुवृत्ति	13	1480,99,331	1881,32,689
शुल्क / सदस्यता	14	-	-
निवेश से आय (निर्धारित / अक्षयनिधि कोष से निवेश पर आय को कोष में स्थानांतरित कर दिया गया है)	15	-	-
राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	19,76,878	62,64,824
अन्य आय	18	60,865	4,95,777
निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	-	-
कुल (क)		**1501,37,074**	**1948,93,290**
ख: व्यय			
स्थापना व्यय	20	561,16,407	455,95,129
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	742,40,713	1297,90,388
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय,	22	-	-
ब्याज	23	-	99,66,647
कुल (ख)		**1303,57,120**	**1853,52,164**
तुलन पत्र को स्थांतरित आय के ऊपर व्यय की अधिकता (क-ख)		**197,79,954**	**95,41,126**
			-
मूल्यह्रास वर्ष के अंत में कुल (पहले की अवधि का समायोजन)		50,84,002	54,33,955
शेष जो कि अधिक/(घाटा), जिसे की धरोहर /पूँजीगत कोष ले जाया गया		**146,95,952**	**41,07,171**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा सम्बन्धित टिप्पणियां

समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार
कृते जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी सं. 115785W

(स्नेहल एस. सोमानी)
साझीदार
सदस्यता सं. 127087
यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611
स्थान : गांधीनगर
दिनांक : 19-08-2020

JOY BAXI & ASSO... Chartered Accountants F.R.N. 115785W GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA, AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA, GANDHINAGAR

कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(डॉ. विपिन कुमार)
मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची : 1 - आधारभूत/पूँजीगत कोष :	**जैसा कि 31.03.2020 को**	**जैसा कि 31.03.2019 को**
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	1109,67,165	1558,84,682
घटाएं : ब्याज सहित अनुदान वापसी	-	(415,24,688)
घटाएं : अतिरिक्त/ लाभार्थ सहभाजन को हस्तांतरण	(174,92,695)	(75,00,000)
जोड़े/(घटाएं) : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	146,95,952	41,07,171
साल के अंत में शेष	1081,70,422	1109,67,165

(राशि रुपये)

अनुसूची : 2 - आरक्षित और अधिशेष	**जैसा कि 31.03.2020 को**	**जैसा कि 31.03.2019 को**
विशेष संचय		
अंतिम खाते के अनुसार	531,88,626	448,14,315
वर्ष के दौरान वृद्धि	43,07,365	83,74,311
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	498,99,696	-
कुल	**75,96,295**	**531,88,626**

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.03.2020 को		जैसा कि 31.03.2019 को	
1	**सेवाओं पर चौथी ग्लोबल प्रदर्शनी**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		28,80,380
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		28,80,380	
	कुल व्यय		-		28,80,380
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
2	**एआईएसटीडी- आसियान विज्ञान सप्ताह**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		(352)
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग	-			
	i. पूंजीगत व्यय	-			
	ii. राजस्व व्यय		-	(352)	
	कुल व्यय		-		(352)
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
3	**आसियान- भारत आधारभूत नवाचार गोष्ठी (आईजीआईएफ)**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		18,96,715		-
	ख प्राप्त अनुदान		124,04,112		120,68,700
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	75,41,080		51,71,985	
	कुल व्यय		75,41,080		51,71,985
	घ अव्ययित अनुदान वापस दिया गया		18,96,715		50,00,000
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		48,63,032		18,96,715
4	**आसियान- भारत विज्ञान और तकनीकी विकास कोष (आईएसटीडीएफ)**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		218,37,689		229,00,000
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	-
	ii. राजस्व व्यय	37,94,869		10,62,311	
	कुल व्यय		37,94,869		10,62,311
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		180,42,820		218,37,689
5	**आसियान इनो टेक समिट**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		(1,92,305)		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग		1,92,305		
	i. पूंजीगत व्यय				
	ii. राजस्व व्यय	-		-	
		-		1,92,305	
	कुल व्यय		-		1,92,305
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		(1,92,305)
6	**प्रत्यक्ष लाभ अंतरण: नैनो तकनीक सबसे अच्छा हर्बल नुस्खा**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		27,69,800		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		28,69,800
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	17,55,000		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		1,00,000	
	कुल व्यय		17,55,000		1,00,000
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		10,14,800		27,69,800
7	**डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर_आईआईएससी**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		22,00,000		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		22,00,000
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	5,61,290		-	
	कुल व्यय		5,61,290		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		16,38,710		22,00,000
8	**डिजाइन इनोवेशन सेंटर आईआईटी बॉम्बे**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		4,87,591		73,04,350
	ख प्राप्त अनुदान		5,00,000		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		17,39,000	
	ii. राजस्व व्यय	9,87,591		50,77,759	
	कुल व्यय		9,87,591		68,16,759
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		4,87,591

JOY BAXI & ASSOCIATES Chartered Accountants F.R.N. 115785W GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.03.2020 को		जैसा कि 31.03.2019 को	
9	**विज्ञान और प्रौदयोगिकी विभाग परियोजना**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		(89,200)		(89,200)
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		-	
	कुल व्यय		-		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		(89,200)		(89,200)
10	**विज्ञान और प्रौदयोगिकी विभाग परियोजना-जनजातीय क्षेत्रों में मोबाइल प्रदर्शनी**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		76,91,452
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		73,71,822	
	ii. राजस्व व्यय	-		3,19,630	
	कुल व्यय		-		76,91,452
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
11	**विज्ञान और प्रौदयोगिकी विभाग परियोजना - पशु चिकित्सा**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		(1,09,268)		(1,09,268)
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		-	
	कुल व्यय		-		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		(1,09,268)		(1,09,268)
12	**विज्ञान और प्रौदयोगिकी विभाग परियोजना- जनजातीय समुदायों का कल्याण**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		9,62,395
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		9,62,395	
	कुल व्यय		-		9,62,395
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
13	**हरिओम आश्रम**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		107,25,873		97,43,317
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	खा अन्य रसीदें / समायोजन		6,28,531		13,92,556
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	80,000		4,10,000	
	कुल व्यय		80,000		4,10,000
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		112,74,404		107,25,873
14	**भारतीय दक्षिण अफ्रीका विज्ञान और प्रौदयोगिकी विभाग**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		(212)
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		(212)	
	कुल व्यय		-		(212)
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
15	**भारत-दक्षिण अफ्रीका दविपक्षीय विशेषज्ञ बैठक**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		(3,000)
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		(3,000)	
	कुल व्यय		-		(3,000)
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
16	**नवप्रवर्तन कोष**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		227,05,536
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		224,18,272	
	ii. राजस्व व्यय	-		-	
	कुल व्यय		-		224,18,272
	घ ओवरहेड में हस्तांतरण और लाभ साझा करना		-	2,87,264	2,87,264
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.03.2020 को		जैसा कि 31.03.2019 को	
17	**इस्पायर**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		60,52,001		780,94,763
	ख प्राप्त अनुदान		1123,00,000		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		12,54,618	
	ii. राजस्व व्यय	325,00,096		707,88,144	
	कुल व्यय		325,00,096		720,42,762
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		858,51,905		60,52,001
18	**दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधिमंडल के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		(354)
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		(354)	
	कुल व्यय		-		(354)
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
19	**मुख्यमंत्री अभिनव कृषि जन्त्रपति सम्मान योजना**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		4,47,907		-
	ख प्राप्त अनुदान		14,50,000		11,00,000
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	10,42,923		6,52,093	
	कुल व्यय		10,42,923		6,52,093
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		8,54,984		4,47,907
20	**सूक्ष्म उदयम नवप्रवर्तन कोष खाता**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		75,382		4,07,242
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	(57,05,833)		3,31,860	
	कुल व्यय		(57,05,833)		3,31,860
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		57,81,215		75,382
21	**आसियान - एसईसी विज्ञान और प्रौदयोगिकी**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय			-	
	ii. राजस्व व्यय	2,47,789		-	
	कुल व्यय		2,47,789		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		(2,47,789)		-
22	**राष्ट्रीय उदयमिता पुरस्कार**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		(2,19,605)		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		13,00,000
	खा अन्य रसीदें / समायोजन		2,19,605		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		15,19,605	
	कुल व्यय		-		15,19,605
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		(2,19,605)
23	**राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और परियोजना प्रतियोगिता**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		(39,98,575)		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		300,00,000
	खा अन्य रसीदें / समायोजन		51,97,527		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	2,29,500		339,98,575	
	कुल व्यय		2,29,500		339,98,575
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		9,69,452		(39,98,575)
24	**वनस्पति कीटनाशकों के निर्वाह पर कार्यशाला**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		(1,50,000)
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	खा अन्य रसीदें / समायोजन		-		1,50,000
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		-	
	कुल व्यय		-		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-

JOY BAXI & ASSOCIATES ☆ Chartered Accountants F.R.N. 115785W ☆ GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

	अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड	जैसा कि 31.03.2020 को		जैसा कि 31.03.2019 को	
25	**7 वा भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेला 2019**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ख i अन्य रसीदें / समायोजन		9,00,000		
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-			
	ii. राजस्व व्यय	9,00,000			
	कुल व्यय		9,00,000		
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		
26	**उन्नत भारत टेक आउटरीच - कार्यशाला और एक्सपो- अनुदान**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		9,00,000		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		9,00,000
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	9,00,000		-	
	कुल व्यय		9,00,000		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		9,00,000
27	**वेट कॉलेज**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		5,36,250
	ख प्राप्त अनुदान		-		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	-		5,36,250	
	कुल व्यय		-		5,36,250
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
28	**व्यापार और नवप्रवर्तन सम्मेलन**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		-
	ख प्राप्त अनुदान		10,45,000		-
	ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग / वापसी				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii. राजस्व व्यय	781149		-	
	कुल व्यय		7,81,149		-
	घ अप्रभावित अनुदान वापस लौट आया		2,63,851		-
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		-		-
29	**उपरिव्यय / साझा लाभ**				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		181,73,849		-
	ख प्राप्त अनुदान		-		
	ग साझा लाभ		214,42,030		187,77,767
	घ घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	-		-	
	ii.राजस्व व्यय	29,36,353		6,03,918	
	कुल व्यय		29,36,353		6,03,918
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		366,79,526		181,73,849
	कुल राशि				
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		609,57,854		1499,92,918
	ख प्राप्त अनुदान		1276,99,112		533,18,880
	खi अन्य प्राप्तियां / समायोजन		71,37,968		15,42,556
	ग साझा लाभ		214,42,030		187,77,767
	घ घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
	i. पूंजीगत व्यय	17,55,000		327,83,712	
	ii. राजस्व व्यय	467,96,807		1246,03,292	
	कुल व्यय		485,51,807		1573,87,004
	e घटाएं : उपरिव्यय और हितलाभ सहभाजन के लिए हस्तांतरण		-		2,87,264
	अव्ययित अनुदान वापस दिया गया		21,60,566		50,00,000
	साल के आखिर में कुल शेष [क+ख-ग]		**1665,24,591**		**609,57,854**

JOY BAXI & ASSOCIATES ☆ Chartered Accountants F.R.N. 115785W ☆ GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण और उधारी	**जैसा कि 31.03.2020 को**	**जैसा कि 31.03.2019 को**
सुरक्षित ऋण और उधारी	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधारी	**जैसा कि 31.03.2020 को**	**जैसा कि 31.03.2019 को**
असुरक्षित ऋण और उधारी	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 6 - आस्थगित ऋण	**जैसा कि 31.03.2020 को**	**जैसा कि 31.03.2019 को**
आस्थगित ऋण	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 7 -वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**जैसा कि 31.03.2020 को**	**जैसा कि 31.03.2019 को**
क. वर्तमान देनदारियां		
1. विविध लेनदार		
क) सामान के लिये		
ख) अन्य	10,57,062	2,69,576
2. अग्रिम प्राप्त हुए	-	-
3. ब्याज उपार्जित किया गया, लेकिन देय नहीं	-	-
	-	-
4. वैधानिक देयताएं		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	5,62,621	9,59,582
5. अन्य मौजूदा देनदारियां / ईएमडी	36,74,807	44,06,288
कुल (क)	52,94,490	56,35,446
ख. प्रावधान		
1. देय ब्याज	104,36,472	104,24,203
कुल (ख)	104,36,472	104,24,203
कुल (क+ख)	**157,30,962**	**160,59,649**

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची : 8- अचल परिसंपत्तियाँ :	सकल एकमुश्त				मूल्यह्रास				31-03-2020
विवरण	01-04-2019 को शेष	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	31-03-2020 को सकल एकमुश्त	01-04-2019 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	2019-20 का मूल्यह्रास	2019-20 तक कुल मूल्यह्रास	को शुद्ध कुल संपत्तियां
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
कंप्यूटर एवं सहायक परिसंपत्तियाँ									
कंप्यूटर	156,45,471	2,11,954	-	158,57,425	142,56,301	-	9,27,328	151,83,629	6,73,796
नेटवर्किंग उपकरण	11,76,491	75,942	-	12,52,433	11,73,463	-	47,382	12,20,845	31,588
स्कैनर	3,93,980	1,38,000	-	5,31,980	3,72,655	-	95,595	4,68,250	63,730
सॉफ्टवेयर	45,42,417	-	-	45,42,417	38,72,127	-	4,02,174	42,74,301	2,68,116
कार्ड प्रिंटर	45,138	-	-	45,138	42,249	-	1,733	43,982	1,156
फर्नीचर एवं जुड़नार तथा बेकार माल									
फर्नीचर एवं जुड़नार	54,70,847	10,92,987	-	65,63,834	22,53,460	-	4,27,974	26,81,434	38,82,400
विद्युत संस्थापन	1,82,410	-	-	1,82,410	62,527	-	11,988	74,515	1,07,895
रोलर पर्दे	-	84,565	-	84,565	-	-	8,457	8,457	76,108
				-				-	
कार्यालय उपकरण				-				-	
				-				-	
एयरकूलर	18,32,356	2,39,883	-	20,72,239	6,22,118	-	2,17,518	8,39,636	12,32,603
बैलून	35,438	-	-	35,438	29,953	-	823	30,776	4,662
बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली	25,150	-	-	25,150	12,023	-	1,969	13,992	11,158
कैमरा	17,92,985	-	-	17,92,985	10,97,206	-	1,04,367	12,01,573	5,91,412
डीजी सेट	7,55,294	-	-	7,55,294	1,75,848	-	86,917	2,62,765	4,92,529
ईपीएबीएक्स सिस्टम	2,11,760	-	-	2,11,760	1,45,504	-	9,938	1,55,442	56,318
उपकरण	59,95,460	37,226	-	60,32,686	32,70,204	-	4,12,910	36,83,114	23,49,572
फैब लैब उपकरण	153,02,241	21,29,883	-	174,32,124	52,08,575	-	17,56,981	69,65,556	104,66,568
फैक्स मशीन	36,907	-	-	36,907	33,109	-	570	33,679	3,228
अग्निशामक यंत्र	18,505	-	-	18,505	15,415	-	464	15,879	2,626
हॉट एयर ओवन मशीन	48,825	-	-	48,825	18,840	-	4,498	23,338	25,487
फोटोकॉपी मशीन	3,51,000	-	-	3,51,000	1,69,352	-	27,247	1,96,599	1,54,401
पब्लिक एड्रेस सिस्टम	82,317	-	-	82,317	55,131	-	4,078	59,209	23,108
प्रोजेक्टर	1,12,770	-	-	1,12,770	43,515	-	10,388	53,903	58,867
पल्वराईज़र मशीन	39,000	-	-	39,000	15,050	-	3,593	18,643	20,357
रेफ्रीजरेटर	1,22,710	-	-	1,22,710	44,292	-	11,763	56,055	66,655
सोनी एलसीडी	4,71,048	-	-	4,71,048	1,77,704	-	44,002	2,21,706	2,49,342
टेप रिकॉर्डर	36,427	-	-	36,427	31,898	-	679	32,577	3,850

JOY BAXI & ASSOCIATES ☆ GANDHINAGAR ☆ Chartered Accountants F.R.N. 115785W

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची : 8- अचल परिसंपत्तियाँ :	सकल एकमुश्त				मूल्यह्रास				31-03-2020
विवरण	01-04-2019 को शेष	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	31-03-2020 को सकल एकमुश्त	01-04-2019 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	2019-20 का मूल्यह्रास	2019-20 तक कुल मूल्यह्रास	को शुद्ध कुल संपत्तियां
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
टेलीफोन/मोबाइल उपकरण	11,40,124	6,300	1,05,116	10,41,308	6,51,477	15,768	80,471	7,16,180	3,25,128
वाटर कूलर	23,000	26,850	-	49,850	10,995	-	5,829	16,824	33,026
सोनी एलइडी टीवी	1,26,453	-	-	1,26,453	42,426	-	12,604	55,030	71,423
सोनी स्टेबलाइजर	1,01,515	2,34,415	-	3,35,930	33,671	-	10,177	43,848	2,92,082
पंखा	-	29,360	-	29,360	-	-	2,925	2,925	26,435
सोनी ऑडियो रिकॉर्डर	27,200	-	-	27,200	10,496	-	2,506	13,002	14,198
किताबें	4,20,390		-	4,20,390	3,15,060	-	63,198	3,78,258	42,132
वाहन									
एक्टिवा होंडा	44,168	-	-	44,168	38,357	-	872	39,229	4,939
बजाज पल्सर	68,289	-	-	68,289	59,305	-	1,348	60,653	7,636
होंडा सिटी	10,37,399	-	-	10,37,399	7,75,919	-	39,222	8,15,141	2,22,258
टाटा सफारी	13,11,519	-	-	13,11,519	9,80,946	-	49,586	10,30,532	2,80,987
टाटा इंडिका	5,45,341	-	-	5,45,341	3,96,741	-	22,290	4,19,031	1,26,310
मोबाइल प्रदर्शनी वैन	27,09,873	-	-	27,09,873	19,04,457	-	1,20,812	20,25,269	6,84,604
हीरो एच एफ डीलक्स	52,547	-	-	52,547	27,175	-	3,806	30,981	21,566
ट्रैक्टर (जॉन डियर)	5,51,117	-	-	5,51,117	2,63,430		43,153	3,06,583	2,44,534
टीवीएस वेगो	58,105	-	-	58,105	32,324		3,867	36,191	21,914
कुल (क)	**629,43,987**	**43,07,365**	**1,05,116**	**671,46,236**	**387,41,298**	**15,768**	**50,84,002**	**438,09,532**	**233,36,704**
पंजीगत संपत्ति के लिए प्रतिबदध व्यय									
उपकरण				-					-
कुल (ख)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क+ख)	**629,43,987**	**43,07,365**	**1,05,116**	**671,46,236**	**387,41,298**	**15,768**	**50,84,002**	**438,09,532**	**233,36,704**
पिछले वर्ष में	**545,69,676**	**83,74,311**	**-**	**629,43,987**	**333,07,343**	**-**	**54,33,955**	**387,41,298**	**242,02,689**

JOY BAXI & ASSOCIATES Chartered Accountants F.R.N. 115785W GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2020 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 9 - निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	**जैसा कि 31.03.2020 को**		**जैसा कि 31.03.2019 को**	
निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	-	-	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 10 -निवेश - अन्य	**जैसा कि 31.03.2020 को**		**जैसा कि 31.03.2019 को**	
निवेश - अन्य	-	-	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ :	**जैसा कि 31.03.2020 को**		**जैसा कि 31.03.2019 को**	
क.चालू संपत्तियाँ :				
1. रोकड़ शेष (चेक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	-	-	-	
2. बैंकों में शेष				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ				
i) चालू खातों में				
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 1548	-		47,603	
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 8099-एमवीआईएफ	-		23,32,784	
- सिडबी खाता सं. 12001	-	-	55,31,072	79,11,459
ii) सावधि जमा खाते में (मार्जिन मनी के साथ)				
- रानप्र निधियों से	1388,35,142		1612,51,308	
- एमवाईआईएफ निधियों से	-		97,57,874	
		1388,35,142		1710,09,182
iii) बचत खातों में				
-यूनियन बैंक खाता सं.606802010000724 (स्वैप बैलेंस के साथ)	218,62,245		20,31,229	
- यूनियन बैंक खाता सं. 359302010108753 (स्वैप बैलेंस के साथ)	774,19,953		-	
-यूनियन एनआईएफ-भुबनेश्वर- 606802050000090	-		-	
-यूनियन एनआईएफ-देहरादून 606802050000088	-		35,335	
-यूनियन एनआईएफ-गुवाहाटी - 606802050000089	-		2,51,214	
			3,87,785	
		992,82,198		27,05,563
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ:	-			
3. डाकघर-बचत खाता				
4. अन्य अग्रिम				
'- स्टाफ और एमवीआईएफ को अग्रिम	333,77,241		326,66,988	
- उपार्जित ब्याज	-		-	
- टीडीएस प्राप्य	19,01,095		18,63,757	
- प्रतिभूति जमा	3,91,975		6,82,307	
5. पूर्वदत्त व्यय	8,97,915		1,31,348	
		365,68,226		353,44,400
कुल		**2746,85,565**		**2169,70,604**

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2020 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

		(राशि रुपये)
अनुसूची 12 -बिक्री / सेवाओं से आय	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
बिक्री / सेवाओं से आय	-	-

		(राशि रुपये)
अनुसूची 13-अनुदान / सब्सिडी	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
(अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त हुई)		
1) भारत सरकार	1025,07,000	1965,07,000
घटाएं : विज्ञान प्रौद्योगिकी, भारत सरकार अनुदान को हस्तांतरित राशि, अचल परिसम्पतियां के लिए (अनावर्ती वस्तुएं पर व्यय को प्रदर्शित करता है)	43,07,365	(83,74,311)
जोड़े : विज्ञान प्रौद्योगिकी अनुदान की अनपेक्षित राशि हस्तांतरित	498,99,696	
		-
2) राज्य सरकारों से	-	-
कुल	**1480,99,331**	**1881,32,689**

		(राशि रुपये)
अनुसूची 14 -शुल्क / सदस्यता	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
शुल्क / सदस्यता	-	-

		(राशि रुपये)
अनुसूची 15 - निवेश से आय	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
निवेश से आय	-	-

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 16 - राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 17- अर्जित ब्याज	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
1) सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	15,48,405	59,95,448
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) संस्थानों के साथ	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	2,90,249	1,72,493
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर		
क) कर्मचारियों	1,38,224	7,643
ख) अन्य	-	-
4) देनदार / अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	-	-
5) कर वापसी पर ब्याज	-	89,240
कुल	**19,76,878**	**62,64,824**

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 18 - अन्य आय	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए
1) विविध आय / निविदा शुल्क / अवशिष्ट	60,865	4,95,777
2) अन्य सहायता आय	-	-
कुल	**60,865**	**4,95,777**

(राशि रुपये)

अनुसूची 19 - निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 20-स्थापना खर्च	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए
क) वेतन और मजदूरी	123,61,817	94,56,582
ख) भत्ते और बोनस	37,91,428	25,63,963
ग) भविष्य निधि में योगदान	-	-
घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट करें)	-	-
i) नियोक्ता के एनपीएस योगदान	18,35,114	11,48,053
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर खर्च	-	-
छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	409,52,737	492,55,558
i) चिकित्सा प्रतिपूर्ति / चिकित्सा उपचार खर्च	4,09,743	3,68,082
घटाएं : फैलोशिप के तहत वसूली और परियोजना के तहत संविदात्मक भुगतान	(32,34,432)	(171,97,109)
कुल	**561,16,407**	**455,95,129**

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए
भाग क - आवर्ती व्यय		
व्यापार विकास		
मानदण्ड और बाजार अनुसंधान	-	49,982
ऑनलाइन कैटलॉग	-	81,233
व्यावसायिक योजनाओं के लिए छात्रों की भागीदारी	71,466	7,47,853
यात्रा (व्यापार विकास)	56,929	6,25,901
उप-जोड़	**1,28,395**	**15,04,969**
सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार		
नवप्रवर्तन प्रदर्शनी	-	-
प्रदर्शन (सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार)	28,83,935	108,94,713
किसानों / मीडिया / केवीके के माध्यम से पद्धतियों का प्रसार	3,09,653	42,95,200
प्रदर्शनी और अभिनव प्रदर्शनी	(1,69,020)	34,11,402
नवप्रवर्तन प्रसार	-	1,77,400
मुद्रण और प्रकाशन (सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार)	25,075	29,189
यात्रा (प्रसार)	17,42,063	39,901
यात्रा (प्रसार) एसटी	-	-
प्रसार - 11वीं द्विवार्षिक	-	39,310
कार्यशाला / बैठकें (प्रसार)	32,267	2,67,516
उप-जोड़	**48,23,973**	**191,54,631**
बौद्धिक संपदा अधिकार और विधि		
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए	43,93,715	46,61,999
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए-अन्तर्राष्ट्रीय	-	-
व्यापार चिह्न और भौगोलिक अनुप्रयोगों के लिए आवेदन	25,000	23,500
बौद्धिक संपदा अधिकार सदस्यता	1,599	2,65,915
यात्रा (बौद्धिक संपदा अधिकार)	52,989	4,191
उप-जोड़	**44,73,303**	**49,55,605**
सूचना प्रौद्योगिकी और डाटाबेस		
कंप्यूटर रखरखाव और उन्नयन	6,74,010	9,89,114
डाटाबेस और सॉफ्टवेयर विकास, प्रूफ रीडिंग	4,21,376	11,43,327
इन्टरनेट	2,53,015	8,61,444
संचार प्रौद्योगिकी	1,100	-
उप-जोड़	**13,49,501**	**29,93,885**

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए
खोज एवं दस्तावेजीकरण		
विज्ञापन- क्षेत्रीय और राष्ट्रीय	57,47,248	47,32,699
सहयोगियों	30,000	61,09,287
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (एस एंड डी)	57,500	37,193
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार	21,88,994	34,15,954
निवास	10,58,126	20,24,493
छपाई और लेखन सामग्री	9,18,093	18,24,980
नमूना / प्रोटोटाइप संग्रह और पहचान	-	14,78,740
यात्रा (एस एंड डी)	20,14,489	33,74,891
सत्यापन / विस्तृत दस्तावेज़ीकरण	57,690	5,77,479
कार्यशालाएं और प्रकाशन	6,47,730	26,77,160
उप-जोड़	**127,19,870**	**262,52,876**
मूल्य संवर्धन और शोध एवं विकास (वार्ड)		
प्रशासनिक व्यय - वार्ड	48,09,282	24,87,847
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (वार्ड)	9,02,321	21,704
प्रायर आर्ट सर्च, नवाचारों का सत्यापन	18,22,000	192,12,334
प्रोटोटाइप / उत्पादों का परीक्षण	46,21,475	126,52,209
यात्रा (वार्ड)	53,85,039	47,03,977
मूल्य संवर्धन और उत्पाद विकास	116,03,897	98,28,519
उप-जोड़	**291,44,014**	**489,06,590**
नवप्रवर्तन उत्सव 2017 /फाइन 2018		
निवास	2,240	22,47,814
खानपान	-	39,684
प्रसार	86,754	24,000
प्रदर्शनी और अन्य खर्चे	112,10,000	6,129
पुरस्कार	-	60,50,000
प्रारूप विकास	94,842	56,954
यात्रा और परिवहन	3,97,571	35,06,696
ट्रॉफी	-	-
छपाई और लेखन सामग्री	-	1,09,441
फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी फाइन 2018 में	-	-
अन्य खर्चे	346	7,95,484
उप-जोड़	**117,91,753**	**128,36,202**
कुल (क)	**644,30,809**	**1166,04,758**

JOY BAXI & ASSOCIATES Chartered Accountants F.R.N. 115785W GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2020 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए
भाग ख - अन्य प्रशासनिक व्यय: -		
आंतरिक और समवर्ती लेखापरीक्षा शुल्क	59,000	72,690
अन्य प्रमाणीकरण शुल्क	40	4,842
बैठक और सम्मेलन	3,06,198	4,23,793
बैंक प्रभार	6,744	12,296
बिजली और पॉवर	10,15,283	10,32,228
ब्याज और जुर्माना	12,561	20,852
बीमा व्यय	2,69,675	1,22,634
कानूनी शुल्क	-	5,500
कार्यालय-ख़र्च	25,20,551	39,12,326
डाक व्यय	10,70,175	4,50,482
प्रोफेशनल शुल्क	55,909	1,84,914
भर्ती खर्च	-	-
किराया, दर और कर	8,31,773	14,72,753
किराया (भुवनेश्वर)	5,40,000	4,05,000
किराया (देहरादून)	3,37,080	3,22,770
सुरक्षा खर्च	16,40,804	19,65,472
दूरभाष और संचार शुल्क	1,95,301	1,33,341
यात्रा व्यय	4,59,809	22,19,253
वाहन चलाना और रखरखाव	4,89,001	4,24,484
सदस्यता शुल्क	-	-
कुल (ख)	**98,09,904**	**131,85,630**
कुल (क+ख)	**742,40,713**	**1297,90,388**

(राशि रुपये)

अनुसूची 22 - अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**-**	**-**

(राशि रुपये)

अनुसूची 23 -ब्याज	**31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए**	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए**
भारत के समेकित कोष में ब्याज	-	99,66,647

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2020 को खत्म हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
I. प्रारम्भिक शेष			**I. स्थापना व्यय**	577,58,904	717,80,837
1) रोकड़ शेष	-	-	**II. प्रशासनिक व्यय**	423,78,424	862,65,350
2)बैंकों में शेष			**III. स्थायी संपत्तियां(परिवर्धन)**	16,07,358	28,72,701
क. एक्सिस बैंक चालू खाता-8099	23,32,784	1,18,842	**IV. क) भेजी गई रकम/ वापसी इत्यादि,**		
ख. सिडबी खाता सं. 12001	55,31,072	-	क] बयाना राशि और प्रतिभूति जमा और लेनदार	490,53,901	1063,65,493
ग. एक्सिस बैंक चालू खाता 1548 (NIF)	47,603	230,61,818	**ख) भेजी गई राशि / धन वापसी आदि.,**		
घ.यूनियन बैंक खाता सं.606802010000724 (स्वैप बैलेंस के साथ)	20,31,229	114,05,324	क] राष्ट्रीय पेंशन योजना, कर्मचारियों से कटौती	14,61,080	11,48,053
च. यूनियन बैंक - भुवनेश्वर- 606802050000090	35,335	1,85,832	ख] प्राप्य	3,15,150	14,55,198
छ.यूनियन बैंक - देहरादून 606802050000088	2,51,214	2,36,354	ग] कर्मचारी, ठेकेदार, किराए और पेशेवर कर से आयकर कटौती	53,00,854	48,08,448
g. यूनियन बैंक - गुवाहाटी - 606802050000089	3,87,785	2,37,931	घ] कर्मचारी और अन्य लोगों को अग्रिम	270,68,674	198,59,596
ज. यूनियन बैंक - आरओबीबीएन	-	-	च] ब्याज के साथ धरोहर वापसी	-	415,24,688
i. यूनियन बैंक - आरओजीयूडब्लू	-	-	छ] राष्ट्रीय पेंशन योजना देय	18,35,114	11,48,053
			ज] पूर्वदात व्यय	3,45,251	-
II. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान	1025,07,000	1965,07,000	झ] प्रावधान और ओ / एस	111,65,055	100,64,157
III. अर्जित ब्याज			ट] अन्य कटौती	1,53,000	2,16,000
क) बचत खाता और ऑटो स्वीप पर	2,90,249	1,72,493	**V. निवेश**		
ख) सावधि / मीयाद जमा पर	40,47,525	27,08,427	सावधि / मीयाद जमा और मार्जिन राशि		
IV. अन्य आय			**VI. निर्धारित परियोजना व्यय**	324,78,173	807,92,093
क) अन्य ब्याज	14,774	96,883	**VIII. शेष राशि**		
ख) विविध प्राप्तियां	33,302	17,15,277	**1) रोकड़ शेष**	-	-
V. अन्य वसूलियां आदि			**2) बैंक शेष**		
क) बयाना जमा और प्रतिभूति जमा, और लेनदार	14,84,674	58,27,317	क. एक्सिस बैंक चालू खाता-8099	-	23,32,784
ख) निवेश	97,57,874	580,23,997	ख. सिडबी खाता सं. 12001	-	55,31,072
ग) ii] कर्मचारी, ठेकेदार, किराए और पेशेवर कर से आयकर कटौती	33,78,091	38,84,406	ग. एक्सिस बैंक खाता सं 1548 (NIF)	-	47,603
iii] आपूर्तिकर्ता / अन्य आदि को अग्रिम	1,08,757	2,37,500	घ. यूनियन बैंक खाता सं.606802010000724 (स्वैप बैलेंस के साथ)	218,62,245	20,31,229
iv] कर्मचारी अग्रिम पुन:प्राप्ति	96,27,646	99,73,137	च. यूनियन एनआईएफ-भुबनेश्वर- 606802050000090	-	35,335
v] राष्ट्रीय पेंशन योजना कटौती	14,31,155	11,77,978	छ. यूनियन एनआईएफ-देहरादून 606802050000088	-	2,51,214
vi] स्रोत पर कर कटौती प्राप्य	-	8,42,010	ज. यूनियन एनआईएफ-गुवाहाटी - 606802050000089	-	3,87,785
vii] अन्य कटौती	1,48,000	2,20,000	झ. यूनियन बैंक खाता सं. 359302010108753	774,19,954	
घ) i] स्थापना प्राप्तियां	5,05,018	4,30,328	(स्वैप बैलेंस के साथ)		
ii] अन्य प्रशासनिक प्राप्तियां	22,78,053	74,68,230			
VI. बैंक के पास जमा					
क) सावधि / मीयाद जमा परिपक्व	311,91,820	596,37,832			
VII. अनुदान / वित्तीय सहायता प्राप्त की निर्धारित प्रोजेक्ट के लिए	1527,82,176	547,48,774			
	3302,03,136	4389,17,690		3302,03,136	4389,17,690

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा सम्बन्धित टिप्पणियां

समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार
कृते जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी सं. 115785W

(स्नेहल एस. सोमानी)
साझीदार
सदस्यता सं. 127087
यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611
स्थान : गांधीनगर
दिनांक : 19-08-2020

कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(डॉ. विपिन कुमार)
मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक, रानप्र

Annual Report
2019-2020

National Innovation Foundation

Preface

Dr. P. S. Goel
Chairperson
National Innovation Foundation – India

The 20th year of National Innovation Foundation – India (NIF) was a year of initiatives and challenges. The year was started with a challenging note with NIF assuming the responsibility of helping the people affected by the super cyclone 'Fani' in Odisha. Working in a mission mode, NIF undertook concerted efforts to alleviate the sufferings of people by executing much needed interventions like awareness on nutritional food with higher shelf-life, dissemination of related innovation based technologies like natural water cooler with purifier, improved plant variety seeds to farmers and herbal veterinary medications for the cattle in the regions affected by the cyclone. It is very satisfying to note that the team NIF continues to rise to the occasion and provide solutions when there is a need before the country. Similarly, when the 'Covid-19' pandemic struck the country in Feb/March 2020, NIF instituted a "Challenge Covid -19 Competition (C3)" inviting ideas and innovations from the citizens. NIF is taking forward the most innovative ideas forward for product development, validation and dissemination. For instance, the foot-operated height adjustable hands - free sanitizer dispenser stand has been widely disseminated through a large number of individuals and small ventures who have undertaken production and made it available across the country. It is also commercialized through Vissco Rehabilitation Aids Pvt. Ltd, a Mumbai based medical devices company. Similarly, an innovative tractor-mounted sanitization sprayer by Shri Rajendra Jadhav from Satana village of Nashik, Maharashtra has already been deployed in states of Gujarat, Maharashtra and Rajasthan for sanitization of public places. Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi in his 65th "Mann Ki Baat" on 31st May, 2020 praised the efforts of Shri Rajendra Jadhav for coming up with the innovation for sanitization.

In a new initiative during the year, NIF started to think of larger out reach of innovations in its kitty. It stared preparing a data base of all innovations it has come across in the last twenty years and signed an MoUs with Indian National Academy of Engineering to convert some of innovations to products. A lot happened with the conventional activities, be it grant of sixty patents towards Intellectual Property Rights protection of innovators, or developing improved prototypes of fourteen innovation based technologies in house at Fab Lab or extensive value addition and dissemination being undertaken in different parts of the country. Year on year, the work undertaken by NIF is becoming a reflection of country's inclusivity as innovations get scouted, mentored and incubated from all States and UT's of the country, including tribal areas, aspirational districts, difficult areas and covering even the last mile and remote locations. NIF continue to grow its earlier initiative of an online database of ideas, innovations and traditional knowledge as well.

The efforts of NIF are very well augmented by the creativity of student and grassroots innovators in the country. A reflection of this fact was evident during 2nd ASEAN India Grassroots Innovation forum in Philippines, where Indian innovators made the country proud by winning first prize in all categories, performing better than 65 other participants representing six other nationalities. It clearly establishes that given an opportunity, the innovators of India can also be the torchbearers of India's growing leadership in Science, Technology and Innovation globally. It also bears testimony to robust evaluation mechanisms in place at NIF, which ensures that no deserving innovation remains unattended and high quality mentoring that NIF offers to its incubated technologies, which empower innovators to deliver at independent reputed global platforms.

The mantra for NIF, for its way ahead, is to make efforts by way of connecting all potential innovations with enterprises for commercialisation or route it through social channels for dissemination.

Reiterating the commitment of NIF to serve needs of the country through innovative solutions emanating from the ingenious minds of the country, I wish a transformation of India as an innovating society.

P S Goel

Director's Message

Dr. Vipin Kumar
Director and Chief Innovation Officer

The innovators of India have a distinctive prerogative in the sense that their innovations continue to be incubated year on year through an institutional mechanism by National Innovation Foundation – India (NIF) for two decades now. During this journey, it is heartening to witness innovators getting the love and affection of nation by virtue of their impact on our lives and in some cases their success and recognition dissolving boundaries.

NIF has observed many changes in the innovation and technological landscape of the country. The advent of internet and smart phones, especially in the last decade, has empowered people to access global knowledge at their hands. This, in turn, has resulted in diversifying the kind of innovations being received at NIF. At the same time, this has made the task to identify novel innovations tougher, as inevitably one or the other reference is located. This has effectively pushed the bar up for the innovators; to remain relevant, they need to keep their thinking caps on at all times.

NIF has taken a lead in enhancing India's Science, Technology and Innovation based relationship with other nations and steps for improving accessibility of innovative indigenous technologies across boundaries continue to be undertaken.

The creativity of girls and boys in our country surprises us for a number of reasons every time we work towards harnessing it. Not only it gives us a glimpse of unmet needs that the children notice in their own special ways but more importantly, interpretation of those needs and possible solutions that they imagine and deliver have an inherent beauty. NIF takes immense pleasure in transforming such creative solutions into products that can deliver value to our society. This involves comprehensive planning, meticulous outreach, accurate assessment, quality mentoring and overall a sense of purpose at all times where NIF gets outstanding support from the schools, teachers and other functionaries in making children creativity a differentiator and reality for our country.

In recent years, NIF has attached significant amount of attention to its dissemination activities. As a result, a number of grassroots innovations were introduced in tribal and backward regions of the country, thereby strengthening the much needed inclusivity dimension. In the times to come, diffusion and dissemination (through commercial and social channels) will continue to be a top priority for the organization so that through innovations of the common people, the country and society at large could be served.

I convey my sincere thanks to Hon'ble Union Minister of Science and Technology and Earth Sciences, Dr. Harsh Vardhan ji, for his continued support and visionary leadership. I am grateful to Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology (DST), Govt of India and other officials at DST who always considered NIF as a key driver for inclusive development of India and support our initiatives and activities at all times. The support and guidance extended by Dr. P S Goel, Chairperson, NIF and other board members is deeply valued in leading the institution to the next level. All colleagues in NIF and partner institutions are also acknowledged for their unstinted support.

I look forward to receiving your suggestions for furthering our work in the service of the society.

Vipin Kumar

Contents

Governing Board	73
Finance Committee	75
Organisational Chart	76
Moving ahead	77
Sectional Activities	79
International Cooperation	95
New initiatives and partnerships	98
Festival of Innovation and Entrepreneurship 2020	101
Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2019	102
INSPIRE Awards – MANAK 2019-20	105
Institutional Language Policy	107
Publications	107
Annual Accounts for the year 2019-20	109

Governing Board

Chairperson

1. Dr. P. S. Goel
   Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES)

Vice Chairperson - Member

2. Shri N.P. Rajive
   Executive Director, Vibha Vani, Delhi

Members

3. Prof. Anil K. Gupta
   Former Professor, IIM-Ahmedabad

4. Prof. Anil D. Sahasrabudhe
   Chairman, AICTE, New Delhi

5. Prof. Satyajit Majumdar
   Tata Institute of Social Sciences, Mumbai

6. Dr. C. Shambu Prasad
   CSEE, Institute of Rural Management, Anand

7. Dr. K. Vijaya Lakshmi
   Vice President, Development Alternatives, New Delhi

8. Ms. Anuradha Bhavnani
   Regional Head, Shell Foundation, Gurgaon

9. Ms. Lakshmi N.
   Trustee, Good Karma Foundation, Kochi

Members ex officio or his/her nominee

10. Prof. Ashutosh Sharma
    Secretary, DST, Government of India

11. Dr. Renu Swarup
    Secretary, DBT, Government of India

12. Shri Amit Khare
    Secretary, D/o School Education & Literacy, MHRD, Government of India

13. Dr. Arun Kumar Panda
    Secretary, M/o MSME, Government of India

14. Vaidya Shri Rajesh Kotecha
    Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India

15. Prof. Balram Bhargava
    DG-ICMR, Government of India

16. Dr. Trilochan Mohapatra
    DG-ICAR, Government of India

17. Dr. Shekhar C. Mande
    DG-CSIR, Government of India

18. Shri Anil Mukim
    Chief Secretary, Government of Gujarat

19. Shri B. Anand
    Financial Advisor, DST, Government of India

Member - Secretary, ex officio

20. Dr. Vipin Kumar
    Chief Innovation Officer/Director, NIF

Finance Committee

Chairperson

1. Dr. P. S. Goel
   Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES)

Members

2. Prof. Anil D. Sahasrabudhe
   Chairman, AICTE, New Delhi

3. Prof. Satyajit Majumdar
   Tata Institute of Social Sciences, Mumbai

4. Dr. Sanjeev Saxena
   Assistant Director General
   (Intellectual Property & Technology Management)
   ICAR, New Delhi

5. Shri B. Anand
   Financial Advisor, DST, Government of India

Member Secretary

6. Dr. Vipin Kumar
   Director/ Chief Innovation Officer, NIF

Organisational Chart

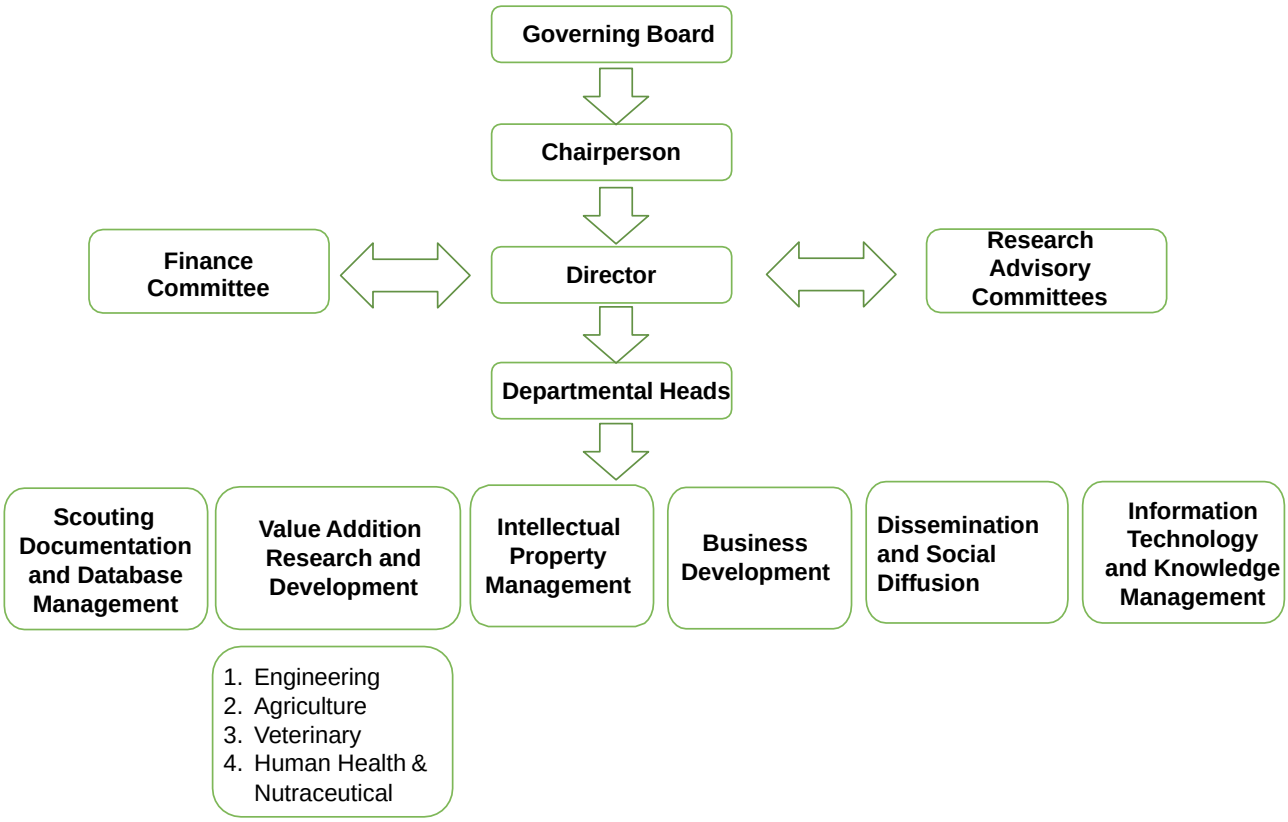

Moving ahead

The year 2019-20 marked the 20th year of National Innovation Foundation – India (NIF) and was as eventful and exciting as any of the previous years with a wide range of activities being executed in a variety of fields round the year in different parts of the country. Be it new grassroots innovations getting scouted, value added, commercialized and protected in terms of intellectual property or student innovators getting respect, recognition and reward early in their lives, innovations - the life force of progressive nations in contemporary world, continuously guided all, those producing, incubating and consuming them, together to the most productive route for our nation.

A reflection of "Making India Innovative" which have always remained the core focus area for NIF, was evident in the fact that a total of 114 patents were filed in the year. This essentially meant that on every third day of the year, the Institution could come across an innovation in depth with a potential to deliver. A step further, compared to previous years, a large number of patents, 60 to be precise, were also granted in the year. This also translates into a fact that on an average every week, there was a patent granted in the name of grassroots innovator of the country, facilitated by NIF. Not only it demonstrates the merit that creativity of common people in the country deserves, but also it highlights the important role, NIF has been playing, in securing the Intellectual Property Right(s) of India's innovators.

A number of unique herbal leads for human health and veterinary could be transformed into products followed by their commercialization through industry partners and in some cases, first generation entrepreneurs. This is aligned with NIF's commitment to strengthen the innovation eco-system of the country, of which entrepreneurship is an important pillar.

Incubation of innovations and providing global platforms to entrepreneurs from India was an important highlight of the year. NIF coordinated global events like India Singapore the Next Phase where entrepreneurs representing Health - Biotech, AI, Cybersecurity, Digital – Fintech, Social impact got an opportunity to promote their venture and offerings. During 2nd ASEAN India Grassroots Innovation forum, which was held in Philippines, our student and grassroots innovators represented India's holistic leadership in area of Science, Technology, Innovation and Entrepreneurship.

The year also brought curtains down on the annual Dr APJ Abdul Kalam IGNITE competition. Over the last twelve years (2008-2019), at the national level, NIF recognized 385 students, filed patents in their names, converted their ideas into prototypes, explored market linkages in many cases and few successfully marched on the road to social and commercial dissemination. Many award winners belonged to the disadvantageous sections of the society viz. tribal, backward and

2.5 ft long earhead of Sulkhaniya Bajra variety being grown in Barmer district of Rajasthan

far-flung areas and addressed local problems through their ingenuity.

NIF firmly believes that awareness of innovation, especially in remote regions, is necessary to seed the thought of innovation in the minds of the people and establishes the fact that one need not be a Scientist by profession to be an innovator. In addition to several initiatives across the country, so as to strengthen inclusivity, for the first time, NIF organized a state level innovation exhibition in Mizoram and also co-organised a state level innovation exhibition in Arunachal Pradesh bringing in innovators from different regions.

The year also marked a very aggressive planning and implementation of awareness workshops across the country for INSPIRE Awards - MANAK program. This was augmented with the support of several influencers, as a result of which the program managed to attract 3.92 Lakh ideas and innovations in a matter of few months from all States and UT's of the country. This can be extrapolated to arrive at a fact that there is no dearth of innovative ideas in the country, what all we need is a trigger point. What is even more important is that these ideas stem from all States and UT's of the country, and include participation from all categories of schools, be it Private, Central Government, State Government or managed at a local level. This is very well aligned with the inclusive innovation approach that NIF stands for and propagate across the country.

The development of the online portal linked to the database of ideas, innovations and traditional knowledge, initiated the previous year, could be populated with thousands of innovations. It is just a matter of time before it gets dedicated to the people of the country to make use of in solving unmet needs through innovations of common people.

Young and Innovative students participating in a mentoring workshop organized by NIF at Gandhinagar, Gujarat

Sectional Activities

Scouting, Documentation and Database Management (SDDM)

National Biennial Competition -

Effective April 1, 2019, the Twelfth National Biennial Competition started in which more than 8,500 entries had been received till March 31, 2020, from 31 States and Union Territories. The last date for receiving entries for the Twelfth National Competition is March 31, 2021**.** Prior to this, the Eleventh National Biennial Competition for unaided grassroots innovations and outstanding traditional knowledge concluded on March 31, 2019, with about 15,000 entries from grassroots innovators and traditional knowledge holders being received from 35 States and Union Territories.

Engagement with the Department of Agriculture, Government of Odisha - The Department of Agriculture and Farmers' Empowerment, Govt. of Odisha with support of NIF launched the second edition of its competition "*Mukhya Mantri Abhinav Krishi Jantrapati Samman*" for farmers and agricultural workers with innovative agricultural technologies. The aim of the competition is to identify and recognize those innovations/ technologies, which will ease the work of farmers as well as reduce the drudgery of women in farming.

Twenty-six workshops at the Block, District and Zonal levels were organised for mobilizing submissions for the same. The key objectives of the workshops were to impart training on systematic scouting and documentation of innovations, and share experiences of the previous competition. NIF prepared and circulated GIF animations on the Scouting and Documentation process during these workshops to communicate effectively in an interesting

A herbal healer showing the plant used in his herbal practice during scouting and documentation activity at East khasi Hills in Meghalaya

Awareness activities focussed on grassroots innovations were conducted in Nandurbar district of Maharashtra

manner. About 2500 applications were received from all the thirty districts of Odisha during the competition period.

Farmers' meets - NIF organised a State Level Innovative Farmers meet during Sep 5-6, 2019 at Darjeeling, West Bengal with/at Darjeeling Krishi Vigyan Kendra where 56 farmers from 14 districts of West Bengal participated and showcased their innovations. NIF also organised a meeting of about 50 innovators, mechanics and artisans at a community workshop established with its support in the Raigarh district of Chhattisgarh on January 08, 2020. The participants discussed the ways to leverage facilities available in the community workshop to develop frugal solutions for local problems.

In association with KVK, Khordha and CIFA, Bhubaneswar, a meeting was organized on May 21, 2019, to review the performance of farmers' developed varieties provided by NIF during *Kharif* 2018.Twenty-five farmers shared their experiences about the performance of farmers' varieties at their farms. The paddy variety '*Kudrat 5*' performed well in the area and few farmers were also able to produce some seed material for next season. The yield of variety was found to be equivalent to the locally commercially cultivated varieties i.e. *Pooja* and *Swarna*. This variety was liked by farmers due to its taste and recovery after milling. It was also found to mature within a short duration, was resistant to diseases and to insect (Brown Plant Hopper).

Workshops and meetings - To network with traditional knowledge holders, a number of workshops were organized across the country. Such workshops were organized in Almora (Uttarakhand) on April 16, 2019, Dehradun (Uttarakhand) on April 29, 2019, Upper Siang (Arunachal Pradesh) on August 13, 2019, and November 8, 2019, Mahrajganj (Uttar Pradesh) on December 4-6, 2019 and December 10-11, 2019, Rajnandgaon (Chhattisgarh) on January 12, 2020, Koraput (Odisha) on February 16, 2020, where more than four hundred herbal healers participated. Herbal healer workshops were also organized in Sitamarhi (Bihar), Korba (Chhattisgarh), Banaskatha (Gujarat) where about 150 healers and farmers participated. The objective of the workshops was to promote lateral learning among knowledge holders and spreading awareness about grassroots innovations. During the interactions in these workshops, about 800 herbal practices related to agriculture, veterinary medication and human health were documented.

NIF in association with KIIT (Kalinga Institute of Industrial Technology) TBI (Technology Business Incubator) organised a meeting with Self-Help Group in Durg (Chhattisgarh) during February 19-21, 2020 where more than

60 women participated. A presentation on different activities of NIF and documentation of innovations and traditional knowledge along with the unmet needs was undertaken. A scouting camp was also organized at Majra, Sirmaur (Himachal Pradesh) on April 26, 2019. An orientation program for students of ITI College, Bijapur (Chhattisgarh) was organized on May 13, 2019, where more than a hundred students participated. The objective of the program was to provide orientation to students on scouting and documentation of grassroots innovation and outstanding traditional knowledge, so they can scout and as well as can submit their ideas and innovations.

Database Management - During the period, digitization of 2300 grassroots innovations and practices of 11th competition was undertaken, which were linked to corresponding reference numbers in the database. Nineteen hundred herbarium specimens were also digitized. An open source database of grassroots innovations is being developed where innovations and traditional practices from NIF database are being added. Once developed, this online database will be released to the public so that the society could leverage the innovations of common people of the country.

Fruiting in a low chilling apple varieties in the State of Manipur

G-Vilas Pasand: New Improved Guava variety with year round production of bigger size fruits developed by Shri Ram Vilas Mourya

Value Addition, Research and Development

Engineering

The engineering team coordinated with innovators across the country seeking complete technical information of their innovations so as to be able to extend the requisite support wherever required. The team developed improved prototypes of fourteen grassroots technologies in the Fab Lab. Three technologies are being worked on further to convert them into marketable products taking the help of experts.

Seventy-five prototypes of four technologies were also developed for Mobile Science Exhibitions Buses launched by Ministry of Culture, Govt. of India. Financial and technical support was also extended to twenty-five innovators of thirteen States and Union Territories (Odisha, Jammu & Kashmir, Manipur, Gujarat, Tamil Nadu, Karnataka, Mizoram, Maharashtra, Rajasthan, Madhya Pradesh, Andhra Pradesh, West Bengal, Uttar Pradesh) for developing value-added prototypes of their innovations. Technical guidance was provided to fifteen innovators for improving their innovations.

Functional prototypes of fifteen ideas selected for recognition in Dr APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2019 were developed in the Fab Lab. NIF also facilitated the establishment of three community fabrication workshops at the premises of innovators of Madhya Pradesh, Assam and Nagaland. A capacity building workshop cum training of engineering team and innovators was organised at Indo German Tool Room (IGTR), Ahmedabad during May 27-31, 2019. During the workshop the focus was to give training on digital fabrication and strengthening fabrication skills with precision to innovators.

Agriculture

Plant Varieties - A total of twenty-two plant varieties (including rice, wheat, casuarina, French bean, hyacinth bean, cauliflower and guava) were validated at seven different Agricultural research institutes viz. UAS, Bangalore; UAS, Dharwad; RPCAU, Bihar; GBPUAT, Uttarakhand; TNAU, Coimbatore; CAU, Imphal and ICAR-CISH, Lucknow. The rice varieties Kudrat-1 and Kudrat 5 from Uttar Pradesh outperformed all the check varieties at trials conducted by Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Bihar, while *Andanur Sanna* and *Sindura Madhu Sale* rice varieties were found superior in yield as compared to other traditional landraces tested at three locations in Karnataka by University of Agricultural Science, Dharwad, Karnataka and at station trial by UAS, Bangalore. Six paddy varieties from Manipur were evaluated at CAU, Imphal; the variety *Kesho Phou* outperformed all other varieties and was found at par with the best check variety for grain yield. Similarly, the wheat variety BLK Balaji was found significantly superior to the best check variety when evaluated at Rajasthan Agriculture Research Institute, Jaipur.

NIF aided the validation of farmers' Casuarina varieties MOD1 & MIQ for three consecutive years at TNAU, Coimbatore and it was concluded that both the varieties are good and exhibit high growth rate. The farmers' hyacinth bean variety *Maniyari* and early cauliflower variety Sonali-45 also outperformed the reference varieties when evaluated for yield and other contributing traits at two locations by Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Bihar.

The on-site evaluation of guava variety was carried out by ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture, Lucknow and it was reported that the variety was unique for its morphological traits and off-season bearing. The innovative and eco-friendly farm practice of Cashew Multiple Rooting System to grow high yielding, climate resilient and insect tolerant cashew crops was validated on site by ICAR-Directorate of Cashew Research and Kerala Agriculture University. Both the institutes

Demonstration trial of Sulkhaniya bajra variety of Shri Hanumanaram Jhuriya (Churu) in Barmer district of Rajasthan

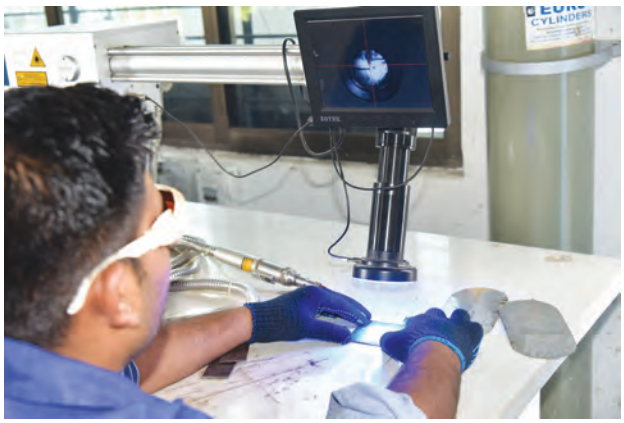

The Fab Lab team of NIF deploying laser welding machine technology (left) and milling machine (right) for the purpose of Value Addition to Innovations

The Fab Lab team of NIF working on a lathe machine to refine Innovative technologies

Grassroots innovators supported by NIF getting hands on exposure to a metal 3D printer at Indo German Tool Room (IGTR), Ahmedabad

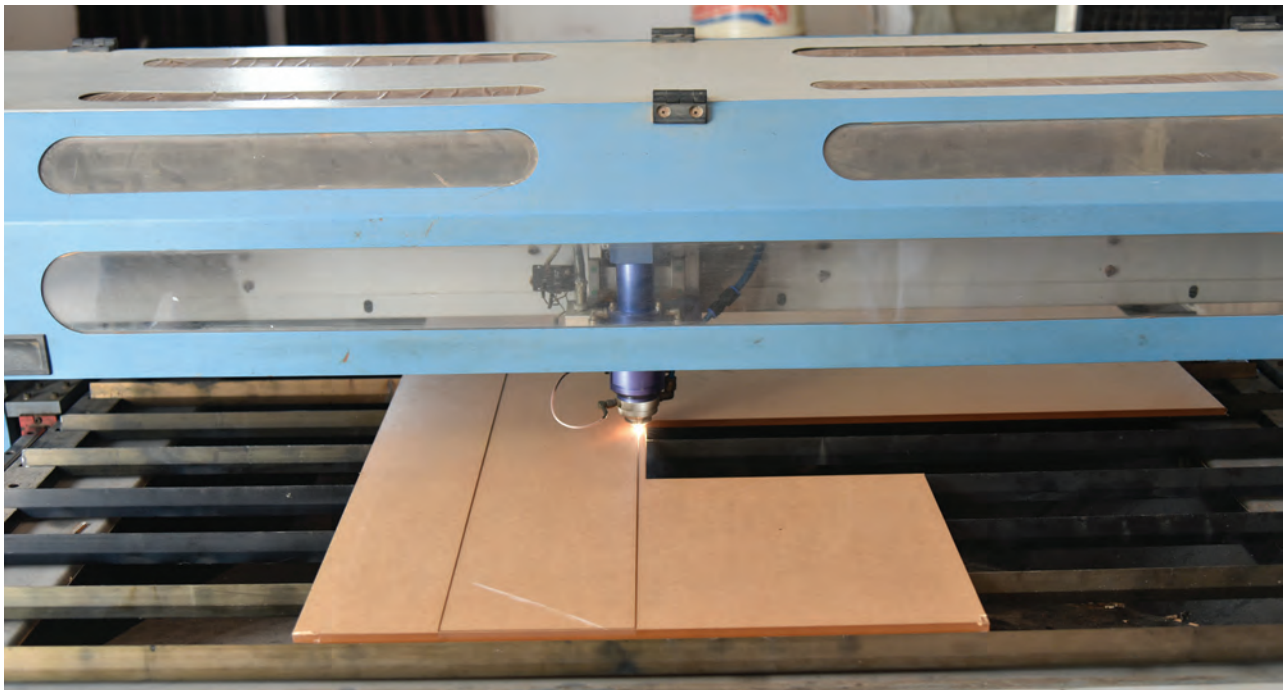

Laser cutting machine in action at Fab lab of NIF for making precision cuts to improve prototypes of grassroots innovations

confirmed the uniqueness and innovativeness of this eco-friendly farm practice.

Six varieties in vegetable crops and four varieties in field crops were submitted for multi-location testing under All India Coordinated Research Program at ICAR - Directorate of Onion and Garlic Research, ICAR -Indian institute of Rice Research, ICAR-Indian Institute of wheat and barley research and ICAR-Indian Institute of Vegetable Research respectively.

In house trials – The performance evaluation trials of eleven paddy varieties were conducted at the NIF research farm. The farmers' varieties Kudrat-5 and Kudrat-3 were found highest yielder whereas the varieties *Andanur Sana* and *DRK* fetched the highest market price due to better grain quality. Performance evaluation trials of twelve plant varieties of onion and wheat were also conducted at NIF research farm. Among farmers' onion varieties, *Balwan pyaj* showed significantly higher yield followed by *Sandip pyaj* and *Sona-40* while among the wheat varieties, maximum spike length and grains per spike was reported in *Kudrat-17* and HZG-30 while superior yield was recorded in GW-451 and *Kudrat-17*.

Five bio-efficacy trials were conducted at NIF, Research farm to construe and generate data pertaining to synergetic effects for five patents; three trials were conducted to deduce synergistic effects of herbal formulations in enhancing seed germination and growth in cotton, hyacinth bean and pigeon pea whereas one trial was conducted to study repellant property and synergistic effects against red flour beetle and bio-efficacy of herbal formulation against chewing and sucking insect pests of *okra*. All the formulations were found effective alone as well as in combination.

Plant protection - Thirteen herbal formulations were validated for bio efficacy against insect pests in vegetable crops at BHU, Varanasi. Four leads were found to be effective against Fruit and shoot borer and mites, three against Leafhoppers while one lead was found best effective against whitefly. All the leads also exhibited significant increase in yield of brinjal crop over the control.

A polyherbal formulation was tested against nymphs and adults of desert locust under lab as well as field condition in coordination with Locust Warning Organisation (LWO), DPPQS, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare during August-September 2019. The formulation showed dose

Desert Locust being collected from agriculture fields of Barmer district, Rajasthan for Lab experimentation

dependent bio-efficacy and was found to be effective against nymphs of the locusts at higher doses while lower doses produced anti-feedant and IGR effects resulting in the deformities in molting causing death due to defective molting under lab condition.

Veterinary

During the period, clinical trials were conducted at various veterinary universities viz. Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidyalaya Evam Go Anusandhan Sansthan (Mathura), Maharashtra Animal and Fishery Sciences University (Nagpur), Chhattisgarh Kamdhenu Vishwavidyalaya (Durg), Sri Venkateswara Veterinary University (Tirupati), Nanaji Deshmukh Veterinary Science University (Jabalpur), Tamil Nadu Veterinary and Animal Sciences University (Chennai) as well as veterinary institutions viz. College of Veterinary Science and Animal Husbandry (CSK HPKV, Palampur, Himachal Pradesh), C.V.Sc & AH, University of Agriculture & Technology (Bhubaneshwar, Odisha), ICAR-National Dairy Research Institute (Karnal, Haryana), and Faculty of Veterinary sciences and Animal Husbandry, Jammu.

These trials were related to 31 unique veterinary herbal practices pertaining to the treatment of bloat, anestrus, retention of placenta, ectoparasite, endoparasite, ephemeral fever, mastitis, and poultry medications. A value added intramammary infusion was tested against *Staphylococcus sp.*, *E. coli* affected clinical conditions and initial results were found to be encouraging at Nagpur Veterinary College, Nagpur. NIF's polyherbal acaricide was tested for its role in control of different stages of hard tick infestation at Veterinary College, Mathura and found that this medication killed all larvae on the fifth day after three treatments, significantly low egg output in female ticks as compared to control groups without treatment. This medication was launched on July 23, 2019, in collaboration with Chhattisgarh Kamdhenu Vishwavidyalaya, Durg for the benefit of livestock farmers.

A state level workshop on 'On-farm experimentation and Diffusion of Indigenous veterinary medications' was held on May 8, 2019, at College of Veterinary Science, CSKHPKV, Palampur, Himachal Pradesh. Veterinary officials from animal husbandry department/

Wormvit powder is a technology commercialized through Rakesh Pharmaceuticals

faculties of the college had participated to reinforce an anti-tick medication developed by NIF and being popularised across state. This open-source technology is put to use among farmers at Villupuram district, Tamil Nadu by Krishi Vigyan Kendra Kalasamuthiram, Tamil Nadu Veterinary and Animal Sciences University, Chennai on June 19, 2019. Field verification, detailed documentation of veterinary practices was undertaken by organizing 'healers meet' on June 13, 2019, at Danta, Banaskantha district, Gujarat.

Human Health

During the period, NIF undertook many activities for the validation of the claims of knowledge holders/ healers, which include verification of the practices, short listing and prioritization, obtaining expert feedback and coordination with institutions for their validation/ trials. For preclinical validation study, nine new projects (including clinical trials) were initiated at four different institutes / CROs viz. Dabur Research Foundation (DRF), Ghaziabad; KIIT University, Bhubaneshwar, Anthem Biosciences Pvt. Ltd., Bengaluru and National Institute of Ayurveda, Jaipur. This is in addition to the various ongoing projects to validate forty-five herbal practices in sixteen disease areas namely cancer, hypertension, osteoporosis, hepato–protection, obesity, malaria, arthritis, typhoid, asthma, epilepsy, inflammation, cataract, gingivitis,

diarrhea, urolithiasis and tuberculosis. are at different stages of pre-clinical and clinical validation.

Three projects for clinical validation studies for osteoarthritis, osteoporosis and obesity were also initiated for randomized controlled, single blind clinical trials in human subjects at National Institute of Ayurveda, Jaipur.

Twenty-six herbal claims against cancer were validated at KIIT School of Biotechnology, Bhubaneshwar. Most of the leads showed significant cytotoxic activity as well as suppressing proliferation and tumor growth. The promising leads were selected for *in-vivo* validation and product development in the next phase. Eight herbal claims for hepato- protection were validated at Anthem Bioscience Pvt. Ltd., Bangalore under three different projects. The different doses of eight herbal practices were validated in three different liver injury models. Out of the eight practices, six were found to be very effective to be taken further for liver protection and wellbeing. Evaluation of anti-malaria activity of five herbal practices was undertaken at Infection Biology Lab, School of Biotechnology, KIIT, Bhubaneswar, against *P. falciparum* strains and *P. berghei* infected mouse model. A total of four herbal leads were found to have mechanism of action similar to the standard drug Artemisinin that completely kills the protozoa. These practices will be further evaluated for their phytochemicals and toxicity followed by product development. The anti-inflammatory and anti-arthritic activities of three-herbal extracts were evaluated at DRF where significant inhibition of prostaglandin (PGE2- which leads to pathogenesis of rheumatoid arthritis) levels were observed. These will further be taken up for re-validation at different institutes.

Intellectual property Rights (IPR)

For securing Intellectual Property Rights of the innovators in case of engineering-related innovations, NIF filed 89 patent applications during the year. The responses to First Examination Report (FER) were filed in 127 cases. Forty seven patents related to engineering innovations were granted during the period. One application for Design registration was also filed and one was granted.

For herbal Human health-related practices, NIF filed 25 patent applications in the name of the herbal healers/ knowledge holders as well as filed responses for 58 FERs. Eight patents on herbal human health-related practices were granted during the year. In the case of veterinary practices, during the period, responses to FERs were filed in 29 cases while for agriculture practices, in 13 cases. Two patents on herbal agricultural formulations were granted in the year and another three in veterinary. For fourteen innovations, five agricultural herbal practices, eleven human health related practices and fourteen veterinary practices, in total forty-four cases, hearing was also attended at the Patent Office(s).

NIF also filed three applications for plant variety registration at PPV&FR Authority, New Delhi. Nine applications of farmers' varieties have been submitted to NBPGR, New Delhi for germplasm registration.

In total 114 patents were filed and 60 were granted during the year.
NIF also organized workshops, meetings and delivered lectures for creating awareness on IPRs issues particularly at the grassroots. Four workshop cum awareness camps for the traditional knowledge holders and grassroots innovators were organized in the North Eastern states of Assam, Arunachal Pradesh and Mizoram during May – June 2019 where about 100 innovators and traditional knowledge holders participated. A one day IPR awareness workshop was organized for knowledge holders of Chandrapur, Maharashtra on August 3, 2019 where about 40 traditional knowledge holders participated. Another such workshop for students of National Institute of Fashion Technology, NIFT, Gandhinagar was organized at NIF Gandhinagar on September 25, 2019. Two IPR related lectures were also delivered at NIF Gandhinagar for the students of Parul University, Vadodara on September 19, 2019 and during Global BioNEST Road show at Ahmedabad on October 22, 2019.

Business Development

During the period, NIF undertook efforts to reach out to industry partners for technology licensing as well participated in a number of events to increase the visibility of grassroots innovations. 'Vissco Dura Step Walker', a technology incubated by NIF based on an idea recognized in IGNITE competition was launched in Feb 2020

by Vissco Rehabilitation Aids Pvt. Ltd., India's leading Orthopedic Product Manufacturer and made available to end users through both offline and online modes.

The walnut cake fortified with memory boosting herbs is a new product by Lucky Innovations Private Limited, developed using a herbal technology of NIF. Earlier, five human health related herbal technologies viz. Herbal mosquito repellent, Gut health, Joints pain relief, Oral hygiene and Galactogogue) were licensed to Nagpur based Shashwat Greens Pvt Ltd. Amongst these, the herbal mosquito repellent-MOSTHWAK is ready for commercial launch. Four technologies were licensed to Pune based Bioneutra Innovations Pvt Ltd. viz. Liver protection- Hepatoprotection, Healthy bones – Osteoporosis, Diabetes Management and Weight control – Obesity.

NIF had standardized, formulated and scientifically evaluated an indigenous technology for the treatment of Mastitis, an economic ailment affecting livestock. This technology was launched in the market as a commercial product 'Mastirak' through Rakesh Pharmaceuticals, Gandhinagar, Gujarat to combat subclinical and clinical mastitis. Subsequently, a patented herbal veterinary medicine to control endoparasite infestation among livestock was developed into a commercial product 'Wormivet'. Pilot testing of an anestrus product (to stimulate functional activity of ovaries) was also conducted and launched under the trade name 'Estrona' to improve fertility among large ruminants.

NIF leveraged many exhibition opportunities at local/ regional level, which include among others Tech for Seva 2019 Expo at IIT, Delhi during 10-12 August, 2019, coordinated by NIF for all DST Autonomous Institutions, National Seminar on Technological Innovations in Oilseed Crops for Enhancing Productivity, Profitability and Nutritional Security, organised by Indian Society of Oilseed Research & ICAR-Indian Institute of Oilseed Research at Hyderabad, 7th Indian National Exhibition Cum-Fair 2019 organized by Bengal Human Resource Development Foundation, Kolkata and Krushi Odisha 2020 organized during January 20–24, 2020, at Bhubaneshwar by Department of Agriculture & Farmers' Empowerment, Government of Odisha where potential agricultural innovations scouted under the *Mukhya Mantri Abhinav Krishi Jantrapati Samman* were showcased.

Dissemination and Social Diffusion

In order to promote grassroots innovations across the country, NIF undertakes efforts to

NIF exhibited several grassroots innovation based technologies during the Krushi Odisha 2020 organized by Department of Agriculture & Farmers' empowerment, Government of Odisha from January 20th–24th, 2020 at Janta Maidan, Bhubaneswar, Odisha

NIF has set up an innovation exhibition during the 75th Convention of Assam Sahitya Sabha at Sualkuchi, Kamrup Rural during Jan 31-Feb 4, 2020

create awareness about them by participating in exhibitions, through media, by organizing demonstrations, and introducing innovations in different regions through local partners. In this context, the following activities were undertaken by NIF during the period.

Diffusion of innovations - NIF facilitated the establishment of Sanitary Napkin Pad manufacturing units at Tuensang (with Eleutheros Christian Society) and at Kohima (with Family Planning Association of India – Nagaland Chapter) during August 7-13, 2019. Similar training on Sanitary Napkin Pad making was organized during Nov 5-7, 2019 at Sikkim Science Centre, Gangtok (Dept. of Science, Technology and Climate Change, Govt. of Sikkim) along with training on using rural egg incubators. Participants from all four districts of Sikkim participated in the same. The four units each of sanitary napkin making machine and rural egg incubators were disseminated

amongst the beneficiaries on Dec 19, 2019, by Minister of Science and Technology, Govt. of Sikkim, Shri Karma Lodey Bhutia at Sikkim Science Centre. Another sanitary napkin making unit was set up at Bijapur, Chhattisgarh with help of local administration and training was imparted to women SHG members on May 12-13, 2019.

Twelve trainers from Assam and Meghalaya were imparted training on the multipurpose processing machine during July 8-9, 2019 at NIRD & PR-NERC, Guwahati. During April – July 2019, Natural Water Coolers and Swachhta cart – the waste pick-up and disposal cart were introduced in tribal and remotes areas of Kunti, Dumka, Sahebganj, Ranchi districts of Jharkhand, Dantewada, Bastar, Bijapur, Jagdalpur districts of Chhattisgarh, Khorda, Malkangiri, Ganjam, Kalahandi, Kandhamal, Mayurbhanj, Nabarangpur districts of Odisha, Darjeeling, Jalpaiguri, Birbhum districts of West Bengal, Nawada district of Bihar and South Sikkim District of Sikkim. In 28 villages of six districts of Jammu and Kashmir, innovations like head load reducing device, portable stove fueled by paddy husk, cow dung pot making machine and sanitary napkin making machine were demonstrated. On similar lines, a food processing unit based on the multipurpose processing machine was set up in Charasa village of Nubra valley, Leh (Jammu and Kashmir) with the help of a local

On 12th May, 2019 training to more than 30 women belonging to several SHGs was provided for producing sanitary napkins using Sanitary napkin machine at Krishi Abhiyantriki Kendra, Bijapur, Chhattisgarh

self-help group. During Nov-Dec 2019, a number of multi-tree climbers, head load reducing devices and tapioca slicers were also introduced in Tripura, Arunachal Pradesh, Manipur, Sikkim, Meghalaya, Nagaland, Mizoram, Assam for user trials and feedback.

During January 20-30, 2020 NIF facilitated training of six potters from Meghalaya at the factory of NIF awarded grassroots innovator Mansukhbhai Prajapati (Mitticool range of

Dissemination of agricultural technologies among women groups in Tapi, Gujarat

Demonstration trials of farmers rice varieties (DRK and Kudrat-5) in Durg, Dhamtari and Raigarh districts of Chhattisgarh

earthen products), Wankaner, Gujarat. Earlier a visit of Mansukhbhai was scheduled in Meghalaya to understand the level of technology being used by the potters, ascertain the quality of soil/ clay available for making products and the skill set of potters. Testing of soil sample was undertaken at Gujarat. The next step is to introduce basic but useful machines (along with technological know-how so that these could be manufactured locally) to the potters in Meghalaya so that they can use the same to develop various products through techniques learned in Gujarat. A grassroots innovations training program was undertaken at Bijapur, Chhattisgarh during January 2020 and at Ganjam, Odisha on February 20, 2020, for cow dung pot making machine and bamboo splint, incense stick making machine along with the rolling machine. In the program more than 50 women SHGs members were given hands-on training on the machines.

Demonstration/On-farm trials - For the promotion and dissemination of farmers' crop varieties, on-farm trials were conducted on 35 varieties at 1043 locations of 17 states during Rabi 2018, 2019 and *Kharif* 2019. Various farmers' varieties were found with good performance and successfully disseminated and adopted in new areas.

In Sultanpur, Uttar Pradesh, trials on six farmers' varieties (rice, pigeon pea & cauliflower) were successfully conducted at 20 farmers' fields. The cauliflower variety (Sanjeev Selection) fetched better market price due to its early maturity and off white compact curds while the rice and pigeon pea varieties were also preferred by growers. The demonstration trials on farmers' onion varieties were conducted in Tiruvannamalai (Tamil Nadu), Bagalkot (Karnataka), Meerut and Sultanpur (Uttar Pradesh), whereas mustard and rice varieties were disseminated in Mehsana and Gandhinagar districts of Gujarat. The onion variety Sona- 40 was found to be superior for yield whereas rice variety Kudrat-5 produced maximum yield followed by *Kudrat*-3 while *Andanur Sanna* fetched premium market price. *Sitara Sringar* mustard variety reported better performance over local cultivars in Mehsana Gujarat. A tribal village, Dhumkal, of aspirational district Narmada, Gujarat was adopted for the dissemination of GRIs wherein first stage 35 apple saplings (HRMN 99) were transplanted at farmers' field.

The impact of Kudrat-5 and DRK paddy varieties was studied in Durg, Dhamtari and Raigarh areas of Chhattisgarh. It was found that the varieties were preferred for higher yield and rice quality. The varieties were found to have tremendous diffusion potential due to premium grain quality, delicious taste and higher revenue generation. During *Kharif* 2019, more than 500 farmers

The Farmers Field School on management of Fall armyworm in maize through ITK based practices being conducted at Rajsamand, Rajasthan

in Chhattisgarh cultivated the rice varieties in about 178.5-hectare area, with these varieties now being preferred and adopted by many farmers for their domestic and commercial rice production business. The rice varieties (*Kudrat 5 & Kudrat 1*) were also found to be suitable for profitable cultivation in Fazilka and Abohar regions of Punjab during Kharif 2019.

The seeds of two farmers' crop varieties (carrot - *Laxmangarh* Selection and *Durga* 4, Mustard - Sitara Sringar) were disseminated during November - December 2019 to 30 farmers and 12 institutions for trials across 29 districts of the eight North-Eastern states.

The demonstration trials of wheat varieties (*BLK-Balaji* and *Mohit Gol*d) were conducted in Belgaum (Karnataka), Gorakhpur (Uttar Pradesh) and Abohar (Punjab) districts. In Sitamarhi, East Chaparan and Nawada districts of Bihar, varieties of wheat (*Kudrat-9, BLK Balaji*), cauliflower (*Sanjeev Selection*, *Sonali-45*, *Vaishali*), mustard (*Sitara Sringar*), paddy (*Hemant, DRK, Kudrat-5*) and Indian bean (*JK-1* and *Maniyari*) were disseminated for benefit of farmers and enhancement of agro-diversity in rural areas. Similarly, the variety of pearl millet (*Sulkhaniya Bajra*) was disseminated in Gujarat, Rajasthan and Tamil Nadu for better grain yield and production of quality animal fodder.

In order to promote organic farming (*Sajeev Kheti*), on-farm trials of value added herbal formulation for the management of the paddy pests and the invasive pest- *Spodoptera frugiperda* (Fall Armyworm) in maize were conducted at 50 farmers' field in 2 districts of Gujarat. Similarly 115 field demonstrations of a polyherbal formulation for the management of pests such as whitefly, hoppers and borers in cotton, tomato and rice crops were conducted at farmers' field of Punjab, Haryana and Rajasthan during *Kharif* season 2019.

A field day cum workshop on demonstration of agricultural technologies (plant varieties, herbal practices related to plant and livestock pest management, agriculture machinery) was organized on March 13, 2020, at NIF's research farm, Gandhinagar, Gujarat. About 75 farmers aged between 18 – 65 years from six neighboring villages participated in the workshop cum field day program. The farmers were acquainted with different plant varieties, machinery, spray pumps developed by grassroots innovators and farmers and the demonstration of Modified sprayer with attached mask was also done. The farmers were also trained in identification of locally available plants with insecticidal properties and preparation and usage of the herbal formulation for the control of pests in crops as well as livestock.

Farmers' Field Schools- Under a group-based learning program, a total of 30 Farmers' Field Schools (FFS) on Insect Pest Management through Outstanding Traditional Knowledge-

Dissemination of farmers crop varieties and plant protection practices in the State of Punjab

based Herbal practices in various crops were organised in Gujarat, Rajasthan, Haryana, and Punjab where over 1000 farmers participated. The objective of the program was not only to reduce the cost of cultivation but also to help minimize the load of chemical pesticides by using safe alternatives for pest management.

Societal Outreach Programs - The programs for dissemination of grassroots technologies and awareness of children's creativity were organized with the help of progressive farmers, state functionaries and students, in Chhattisgarh, Gujarat, Uttarkhand and Rajasthan. In Chhattisgarh, the program covered eight districts (Durg, Dhamtari, Bilaspur, Surguja, Korba, Raigarh, Raipur and Rajnandgaon) involving over 1200 participants. 20 crop varieties, 10 engineering technologies and two herbal formulations were exhibited/

Soceital Outreach Program on NIF's activities for women groups of Dahod, an aspirational district in Gujarat

Children creativity workshop and mobile exhibition of grassroots innovation organized at Government High School, district Durg, Chhattisgarh

disseminated during the programs. Training was also given to farmers and woman groups for preparing polyherbal formulation using available bio-resources for reducing chemical load and cost of cultivation in farming. Five progressive women groups were also trained for conserving seed diversity by making local community seed banks.

Similarly, a series of innovation outreach and sensitization programs were organized in three blocks of Almora district, Uttarakhand and four blocks of Narmada and Tapi districts of Gujarat where over 600 farmers (women & men) participated. During the programs, small exhibitions of grassroots innovations were also set up for the villagers and other participants. A one-day workshop of farmers was organized on May 22, 2019, at Pauri Garhwal, Uttarakhand, for the purpose of evaluation and popularization of grassroots technologies such as farmers' varieties and ITK based pests management practices in crop and animals, head load reducing device, improved Chulla etc. where 130 farmers from 23 villages participated.

During March 2020, a two-day societal outreach program was organized by NIF - India in coordination with CIPMC, Jaipur and Department of Agriculture, Govt. of Rajasthan bringing in over hundred twenty farmers from Bundi and Kota districts. The programmed focused on creating awareness and dissemination of suitable grassroots technologies including crop varieties, outstanding traditional knowledge and machinery in the region apart from imparting training to the farmers of the regions in pest management in crops and livestock through workshop. During the year, Mizoram faced an attack of the Fall Armyworm and an outreach material was provided to the Directorate of Agriculture, Government of Mizoram for trials

Dissemination of low chilling apple variety at Kakching, Bishnupur, Senapati, Churachandpur, Imphal East and Tengnoupal districts of Manipur

in the state. The practices in the material were updated to include the plants available in Mizoram, which could be used to prepare herbal formulation locally.

Support to farmers - Fourteen awardee farmer-innovators from six states were financially supported to scale up quality seed/ planting material production of 18 farmers' crop varieties for wider dissemination and introduction in similar agro-climatic zones and new areas as well.

Exhibitions - A permanent grassroots innovation exhibition was set up at the Institute of Technology (IoT), University of Kashmir, Srinagar on April 29, 2019. The exhibition showcases the innovations developed by grassroots innovators from J&K. An Innovation Festival was organized during June 5-6, with/at Kalimpong Science Centre, Kalimpong, West Bengal, where NIF facilitated the participation of eight grassroots and student innovators. 18 schools from Kalimpong also participated in the event which witnessed footfall of over 3000 people over the two days. NIF organised the first state-level Innovation Exhibition at Aizawl, Mizoram on September 25, 2019, at Pachunga University College where 20 innovators from different parts of the state participated. NIF also participated in the Jalpaiguri Sadar Subdivision Krishi Mela during December 22-24, 2019 and Regional Agricultural Fair, Uttar Bang Krishi Vidyalaya during Jan 14-16, 2020. A one-day Progressive Farmers Meet and an exhibition of innovation was organized on Dec 31, 2019, at ICAR-KVK Vyara, Tapi, Gujarat where innovators, women groups, farmers, students and scientists participated. NIF co-organised an innovation exhibition at/ with North Bengal Science Centre, Siliguri, West Bengal during January 20-22, 2020, then at/with Arunachal Pradesh Science Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh during January 25-26, 2020 and at/with Regional Science Centre, Guwahati during February 8-9, 2020. In all the three innovation exhibitions NIF facilitated the participation of innovators from Sikkim, West Bengal, Assam, Manipur, Arunachal Pradesh and Mizoram.

International Cooperation

The 2nd ASEAN India Grassroots Innovation Forum

The National Innovation Foundation (NIF) – India, Department of Science and Technology (DST), India and Department of Science and Technology (DOST), Philippines organized the 2nd ASEAN India Grassroots Innovation Forum 2019 at Davao City, Philippines from November 20-22, 2019.The Grassroots Innovation Competition and Student Innovation Competition were major highlights of the forum, along with panel discussions by representatives from seven nations -- India, Philippines, Cambodia, Vietnam, Lao PDR, Thailand and Myanmar.

The 2nd ASEAN -India Grassroots Innovation Forum was held at SMX Convention centre, Davao City, Philippines during 20-22 November 2019

An exhibition of innovations was also organized as a part of the three day forum. In the panel discussion, the panelists discussed three distinct themes of contemporary importance ---

Student and Grassroots Innovators from various ASEAN Member States (AMS) during the 2nd ASEAN - India Grassroots Innovation Forum in Philippines

Incubation of Student Innovations, Best practices of Grassroots Innovations and Grassroots Innovation Eco-system.

Thirupati Nannam and Pranjal Srivastava made India proud by winning 1st prize both in Grassroots Innovation Competition and Student Innovation Competition. NIF Awardee Thirupati had developed a 'Pole Climber' whereas INSPIRE MANAK Awardee Pranjal built a 'Thermoelectric Stove generator'. The Grassroots Innovation Competition had 27 participants from 6 countries including India, Indonesia, Philippines, Thailand, Lao PDR, and Cambodia while the Student Innovation Competition had 40 participants from 7 countries which are India, Indonesia, Philippines, Thailand, Lao PDR, Cambodia and Myanmar. The winners received a trophy and a prize of USD 1500 (First), USD 1000 (Second) and USD 500 (Third) in each of the two categories.

Singapore the Next Phase - A Business and Innovation Summit & InSpreneur 3.0: The Start-up Forum

Singapore: The Next Phase, a Business and Innovation summit, was organized by the High Commission of India in Singapore in partnership with agencies of Governments of India and Singapore, Chambers of commerce, professional associations and innovation labs. The summit featured two inter-related events; firstly, a Business summit focused on themes which drive India - Singapore partnership and the third edition of India – Singapore Innovation and Start-up platform InSpreneur 3.0.

The Department of Science and Technology (DST), Government of India and National Innovation Foundation (NIF) – India was invited to be part of this Summit & Forum along with ten Start-ups representing the country in emerging technology domains like Artificial Intelligence,

Harsha Aurobindo Satpathy, a student innovator from India exhibiting her innovation "Wearable indicator to ensure body hydration" during an exhibition at the 2nd ASEAN - India Grassroots Innovation Forum in Philippines

cybersecurity, fintech, healthcare, Innovation and Social Impact (Energy) amongst others. NIF also participated and highlighted its technologies and various programs designed to promote innovation in the country. Amongst the various exhibitors, Bio Neutra Innovations Pvt Ltd, an enterprise being incubated by NIF for Human Health related technologies, exhibited Healthy Cookies and Healthy Chocolates enriched with herbal extracts for keeping in check obesity, diabetes, protect liver and bone health.

South Africa - Implementation Plan for Grassroots Innovation programme

National Innovation Foundation - India (NIF) and Department of Science and Innovation (DSI), South Africa has finalized the Implementation Plan for Grassroots Innovation programme which was signed following a Joint Committee Meeting between the two countries on February 19, 2020 at Pretoria, South Africa. This provides clear strategy to develop or deploy affordable grassroots technologies to address the common challenges related to food, nutrition, health of citizens of both countries.

NIF and Department of Science and Innovation (DSI), South Africa has finalized and signed an Implementation Plan for Grassroots Innovation programme following a Joint Committee Meeting between the two countries on 19th February, 2020 at Pretoria, South Africa

New initiatives and partnerships

Support to people affected by cyclone Fani in Odisha

The super cyclone Fani devastated many districts of Odisha during April-May 2019. An initiative was undertaken to strengthen the capacity of people, especially women by making them self-sufficient during the occurrence of natural calamities like cyclone, flood etc. If people are made aware of food technologies that could help them survive calamities, they can then focus on other activities for restoration of normalcy. With this idea, NIF ventured in the cyclone affected areas in Puri to provide the affected people nutritious food that could remain fresh for at least one month. The villages namely Nua Gaon-Sanasahi, Nua Gaon- Badasahi, Budhiabara and Gora Gaon in Puri district were provided the required assistance. Using local ingredients, a food item with long shelf life, was prepared and given to the people and also their feedback was sought wherever feasible. NIF also shared the technical know-how of food products, which can be stored till up to a month. More than 550 families were informed about the nutritional aspect of the recipe and preparation of the same at their homes. The women were trained to take up the preparation of the same independently or as team/group.

In many areas, due to the disconnected electric supply, disruption of water supply was observed. NIF took initiative to install natural water coolers (non-electric) having purification facility in the affected areas viz. Basandhara, Gokulpur, Olarah villages of Jagatsinghpur district; Nuapada, Narangarh, Gambhiramunda villages of Khordha District; Deulipada, Dian Rajagarh villages of Kendrapara district; and Kanas, Delang, Biswanthpur, Rench villages of Puri District respectively.

Veterinary interventions were undertaken at cyclone affected villages viz., Nuabalia, Nua Gaon and Pandua Sahi of Puri and Khordha district. Clinical examination of affected animals in these villages was undertaken with support of Govt. officials from Animal Husbandry Department,

During May 2019 when cyclone Fani hit the state of Odisha, NIF shared the technical know-how and disseminated Multi-grain Khakhra in Cuttack and Bhubaneswar

Ectoparasite medication being demonstrated in the Puri district of Odisha after cyclone Fani hit the state in May 2019

Odisha. It was found that majority of these animals were affected with in-appetite, digestive problem, lachrymation and tick infestation. NIF team identified more than 250 affected animals and provided medications for various ailments. It was observed that about 69 clinically affected animals with endoparasite infestation were cured within the third day of treatment. Similarly about 188 animals that were confirmed for tick infestation were provided with NIF's antitick medication. The medication was found effective, as animals applied with this polyherbal medicine were found with less number of hard ticks by the 2nd day of application. Farmers were also provided the formulation preparation details so that they could make use of this medication by themselves anytime later.

Meetings at various villages in Puri district, Odisha were organized by NIF where it shared information on relevant innovative technologies

Dissemination of seeds to farmers for on-farm trial and feedback in the cyclone Fani affected Khorda district of Odisha

About 650 kg seeds of Kudrat-5, Kudrat-1 and DRK paddy variety has been disseminated to countervail the loss of stored paddy seed for planting in the *Kharif* season to about 450 farmers of Indolkusary, Tinkipada, Poijhari, Naranpur, Bhakarsahi, Danapada, Rajas, Kajipur, Nagapur, Tankol, and Raigurubasudeipur villages of Khorda districts and Nuagaon-Sanasahi, Nuagaon- Badasahi, Nuabalia, Gora villages of Puri district respectively. *Kudart-3* and *Richa 2000* pigeon pea varieties were also given to them to plant as border crop. These varieties showed good results in the on-farm trials at farmers' fields.

Challenge COVID-19 Competition

By the end of FY 2019-20, the country and rest of the world was severely impacted by COVID-19 pandemic. Realizing the importance of Science, Technology and Innovation in combating it, on 31st March, 2020 NIF took the initiative to invite common people of the country to participate in "Challenge COVID-19 Competition (C3)" by sharing their creative ideas and innovations addressing the following issues :

1. Healthy food for nutrition and boosting immunity
2. Reducing transmission of Corona virus
3. Sanitizing one's hands, body, home items and home, public places wherever required
4. Supply and distribution of essential items to people especially the elderly living alone
5. Gainful engagement of people at home
6. PPE's (Personal Protective Equipment) and Rapid Diagnostic Testing facilities for capacity building of healthcare
7. Rethinking "contactless" devices for post - Corona implementation needs
8. Varying needs of the different segment of population during COVID-19

Partnerships

A collaboration between NIF and ICAR-Central Institute for Women in Agriculture was established on July 30, 2019. This engagement is to facilitate involvement of more women innovators, the validation and value addition of women related technologies to reduce their drudgery, increase their income, facilitating dissemination and diffusion of NIF technologies to rural women. An MoU was signed with Mizoram University on September 25, 2019, to foster collaboration to support innovators from Mizoram. Under this MoU a NIF Mizoram Centre was also set up at the Technology Incubation Centre of the University. NIF also signed an MoU with National Institute of Technology (NIT) Mizoram on September 25, 2019, to set up a Grassroots Design Studio (GRIDS) at NIT for validation, value addition and incubation of grassroots innovations from Mizoram.

NIF and Development Commissionerate of Micro, Small & Medium Enterprises (DC-MSME), Ministry of MSME, Government of India entered into a Memorandum of Understanding (MoU) on February 12, 2020, with the purpose of strengthening the innovative technologies and Business incubation activities which could contribute towards growth, development and overall well-being of MSME's in the country. Consequently, joint Research & Development activities leading to product development and incubation of innovations will be undertaken by DC-MSME and NIF.

National Entrepreneurship Awards

NIF was invited to be the lead partner for National Entrepreneurship Awards 2020 by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE), Government of India. Under NIF's leadership, for the first time since inception of these awards, a framework is being adopted for evaluation purpose which is referred to as ASSURED [A (Affordable) S (Scalable) S (Sustainable) U (Universal) R (Rapid)E (Excellent) D (Distinctive)] framework. Besides, NIF is taking a lead in significant IT infrastructure improvements with respect to NEA 2020. With respect to NEA 2019, NIF has organized various outreach workshops in the States of Odisha, Goa, Himachal Pradesh and Uttarakhand.

Festival of Innovation and Entrepreneurship 2020

Organized by Department of Science and Technology (DST) and the National Innovation Foundation – India under the aegis of Rashtrapati Bhavan, the Festival of Innovation and Entrepreneurship [FINE] is unique effort in the sense that it promotes Science, Technology and Innovation and will bring cultural shift amongst citizens for interest in Entrepreneurship.

FINE 2020 was scheduled to be organized at Bangalore during March 22-24, 2020, with the Hon'ble President of India, Shri Ram Nath Kovind kindly consenting to inaugurate it and interacting with the Innovators who were invited to be part of the Innovation Scholars-in-Residence programme 2020. However, due to COVID-19 pandemic, FINE 2020 was deferred until the normalcy is restored.

During the FINE, in addition to exhibition of innovations by grassroots, INSPIRE Awardees, Start Ups, similar to previous years, round-tables on topics of contemporary relevance like S&T led Innovations for Scaling up and commercialization of innovations, Unleashing potential of Indian Agriculture, Wealth creation and employment, Healthcare and Nutrition, Inclusive development and Energy and Environment were to be organized. For the benefit of visitors, open sessions for youth and start-ups and start-ups culture and nurturing were planned apart from an Innovator – Industry interaction.

Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2019

On November 30, 2019, the Hon'ble former President of India Bharat Ratna Shri Pranab Mukherjee gave away the Dr APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2019 to 21 creative and innovative children (of nine States and Union Territories) for their 18 unique ideas and innovations in presence of Shri Acharya Devvrat, the Hon'ble Governor of Gujarat. An exhibition to showcase all the award-winning ideas by the young, creative minds of the nation was also organized on this occasion.

the Hon'ble Governor of Gujarat for gracing the occasion and encouraging the children. He also talked upon the journey of IGNITE awards beginning 2008 which could encourage children from about ninety per cent districts of the country to participate in the competition year after year.

The Hon'ble Governor of Gujarat presented the first copy of Dr APJ Abdul Kalam IGNITE 2019 National Award book to the Hon'ble former President of India. Speaking on the occasion, Shri

Hon'ble Governor of Gujarat Shri Acharya Devvrat presented the first copy of Dr APJ Abdul Kalam IGNITE 2019 National Award book to the Hon'ble former President of India Shri Pranab Mukherjee

In the 2019 edition of the national competition of technological ideas of school students, over 60,000 submissions of students from 544 districts of all the States & Union Territories of India were received during the competition period viz. September 1, 2018, to August 31, 2019.

Dr. PS Goel, Chairperson, NIF in his welcome address reiterated the commitment of NIF towards recognizing children creativity in this country. He expressed his gratitude towards the Hon'ble former President of India for constantly motivating young innovative minds and towards

Acharya Devvrat appreciated the potential that innovators of India possessed and highlighted an ever increasing need to connect this potential with opportunities. He cited various examples of people who contributed to transformation of the world at large through Science and Technology and expressed happiness that the youth of India was keeping pace with rest of the world in terms of innovations.

The Hon'ble former President Shri Pranab Mukherjee recollected the initiatives like Festival of Innovation (FOIN) during this Presidency,

An idea competition was organized at remote locations like at POHOR School in the State of Tripura

Vishwa Goswami, a UKG student from Gandhinagar, Gujarat exhibiting her innovative idea - Plate with inbuilt detachable glass to Hon'ble former President of India Shri Pranab Mukherjee during Dr APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2019

which provided an excellent platform to the innovators of the country. He remembered India's glorious history characterized by the emphasis on education through Universities and evolution of social innovations since time immemorial. He acknowledged the potential of innovators in our country who always keep the needs of the society at the forefront. He appreciated the efforts of NIF in promotion of innovation in the country and shared few areas where he would anticipate more innovations will emerge in the coming days viz. poverty eradication, rural communications, agriculture, animal husbandry, wind energy and those which would help address the Climate Change problems. He also gave a mantra of 3 I's for India - The first "I" being Impatient, second "I" being Innovations and the third "I" being Inclusive. He urged the innovative minds of the country to keep trying till one achieves success. The award function ended with the Vote of Thanks being proposed by Dr. Vipin Kumar, Director, NIF.

Sayeeda Banoo from Ladakh was conferred with Dr APJ Abdul Kalam IGNITE 2019 award for her innovative idea Perspiration absorbing shoe

INSPIRE Awards – MANAK 2019-20

Ever since a significant revamp in the year 2016-17, the INSPIRE Awards - MANAK scheme (for students studying from class 6 to 10 and age between 10 to 15 years) has been gradually able to reach to a large number of schools including those in backward and remote regions of the country. This is an outcome of comprehensive outreach efforts made to popularize the scheme.

For 2019-20, a total of 3,92,486 ideas and innovations were received from all States and UT's of the country. With 44,066 nominations Karnataka stood at first place, followed by Andhra Pradesh and Chhattisgarh. The review (three independent reviews of each nomination) of all 3,92,486 nominations was facilitated online through a secure web interface involving over 150 external experts. About 10 per cent of the total nominations i.e. 42,143 projects were shortlisted to participate in District Level Exhibition and Project Competition (DLEPC) across the country. Accordingly, 167 DLEPC's and for those shortlisted further, 27 State Level Exhibition and Project Competition (SLEPC) were organized all over the country. Four mentoring workshops were also organized for students selected for the National level from three States and two Union Territories (Gujarat, Arunachal Pradesh, Nagaland, Dadara & Nagar Haveli Daman & Diu, Andaman & Nicobar Islands).

To achieve this, during May 1, 2019, to July 2, 2019, twenty three state level workshops for nearly 1000 participants were organized involving District Nodal Officers, School Principals, teachers and other stakeholders of 31 States/ Union Territories (Delhi, Haryana, Chandigarh, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Tripura, Meghalaya, Maharashtra, Mizoram, Chandigarh, Kerala, Sikkim, Karnataka, Rajasthan, Gujarat, Goa, Dadara & Nagar Haveli, Daman & Diu, Odisha, Telangana, Bihar, Uttar Pradesh, Nagaland, Madhya Pradesh, Tamil Nadu, Puducherry, Assam, Manipur, Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh). This was followed up with a one day National workshop of all State Nodal Officers organized on July 5, 2019 at Delhi which saw participation from 29 states. Teachers' training cum awareness workshops were also organized in 7 States/UT's of the country viz. Nagaland, Sikkim, Tripura, Kerala, Goa, Haryana, Chandigarh with coordination of State / UT's Authorities, where teachers from different districts participated.

State-level workshop for implementation of INSPIRE Awards – MANAK 2019-20 was organized at Bhubaneswar on 29th May 2019, where District Nodal Officers, (DNOs), District Science Supervisors and representatives from all Districts of Odisha had participated

A diversified outreach campaign to create awareness for the INSPIRE Awards - MANAK was undertaken that included *pro-bono* endorsement by well-known film actors of Hindi cinema namely Hrithik Roshan (through Reliance Entertainment), Tiger Shroff, Ananya Pandey and Tara Sutaria (through Dharma

Young and Innovative students being mentored by technical experts at NIF during INSPIRE Awards - MANAK mentoring workshops

Productions). Audio spots were developed with the assistance of renowned radio artists like Harish Bhimani. These promotional videos/ audio were disseminated through various social media platforms like Facebook, YouTube, Instagram, WhatsApp, Twitter and through Bulk SMS, Bulk Email etc. A script describing the INSPIRE scheme was developed for production of a sand art animation in Hindi & English. The scheme advertisement, in twelve languages, was prepared for print media. Further, to make teachers understand the operational aspect of the E-MIAS a video with step-by-step instructions was prepared in Hindi and English. For the implementation of U-DISE Code (Unified District Information System for Education) in the online E-MIAS (E-management of the Inspire Award scheme) portal, U-DISE data base of about 7 lakh schools (class 6 to 10) of the country was also collated.

An awareness campaign was organized for mobilization of INSPIRE Awards-MANAK 2019-20

Institutional Language Policy

For implementing the language policy of the Government, NIF has taken quite a few initiatives. As NIF staff comprises professionals from many states speaking different languages, in order to popularize Hindi among them, a Hindi word is written everyday on a whiteboard displayed prominently at the premises. Phonetic transcription of the Hindi word and its meaning is also written in English for the ease of the staff.

All posters and dissemination material of NIF are available in both Hindi and English. Efforts are being undertaken to have all other publications in Hindi as well as in other regional languages.

Additionally, NIF makes concerted efforts to promote regional languages as well. All letters received by NIF in local languages are replied in the same language. For this, the services of translators are taken. NIF also supports the publication of newsletters in five regional newsletters viz. Oriya, Telugu, Tamil, Malayalam and Gujarati for wider dissemination.

In addition, NIF communicates with innovators in their own language so that it is easy for them to request the necessary support which can be suitably extended to them.

Publications

Books

1. Dr APJ Abdul Kalam National Award Book 2019 (Hindi and English)
2. An apple travels – story of diffusion of apple variety (English)
3. Assam Innovates 2.0 (Assamese and English)

Booklets

1. Farmers' Developed Improved Vegetable Crop Varieties (English)
2. Innovations of Rajasthani farmers (Hindi), published in collaboration with Bhartiya KVK, Sikar (Rajasthan)
3. 'Farm Innovators of Tamil Nadu' (Tamil), published in collaboration with KVK, Theni (Tamil Nadu)
4. Grassroots Innovations (Mizoram), published for Mizoram State Innovation Exhibition (English)

Articles

Maurya, N. & Kumar, V. (2019, Sep 30 - Oct 6). *Gandhian thought for grassroots innovation*. University News, Association of Indian Universities, 57(9).

Research papers in conference proceedings

Ravikumar, R.K., Patel, K., Krishna, B. & Agarwal, P. (2019). *Examining Characteristics of Indigenous Medications for low or no cost livestock health care*. In Thakur et al. (Eds.), Model Training Course on Innovative Entrepreneurial Approaches in Hill farming system for doubling farmer's income (pp. 28-31). Palampur: CSK Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya.

Ravikumar, R.K. (2019). *Societal Knowledge as an assured framework in livestock heath care: Specific Reference to NIF's Anti-tick Medication*. In Thakur et al. (Eds.), Model Training Course on Innovative Entrepreneurial Approaches in Hill farming system for doubling farmer's income (pp. 88-93). Palampur: CSK Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya.

Sharma, MK. And Maheshwari, R.(2019, December 15-18). Grassroot Project Management Using An Integer Programming Approach. 52nd Annual Convention of ORSI and International Conference, Indian Institute of Management Ahmedabad.

Conference Abstract

Singh, S. & Choudhary, H. (2019, Nov 10-14). *Farmer field school on outstanding traditional knowledge based insect pest management-a single means with many ends*. [Abstract]. XIX International Plant Protection Congress: IPPC2019, ICRISAT, Hyderabad, 1 (O39-8): 221.

Mihir, L., Kadam, R., Maheshwari, R., Upadhyaya, D., Dahiya, R., & Patel, R. (2019, Nov 21-22). *Performance Evaluation of Downdraft Gasifier for Refuse Derived Fuel*. [Abstract]. 7th Nirma University International Conference on Engineering: Technologies for sustainable development, Ahmedabad, (pp 120).

Leaflets

1. Indigenous Traditional Knowledge based Insect Pest Management in Rice (Hindi, English and Gujarati)
2. Traditional Knowledge based Management of *Spodoptera frugiperda* (Fall Armyworm) (Hindi, English and Gujarati)
3. ITK based Herbal Medication for Ectoparasite in Cattle (Hindi)

Annual Accounts for the year 2019-20

Joy Baxi
& ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

603-604, "Shalin", Plot No.-24,
Opp. Petrol Pump, Sector-11,
Gandhinagar-382011.
Gujarat, India.
☎ : +91 79 232 41940
E-mail : info@jbaca.in
Website : www.jbaca.in

Independent Auditor's Report

TO THE MEMBERS OF THE GOVERNING BODY OF NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA

A Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1095, Regn. No. F/7412/Ahmedabad.
A Society registered under the Societies Registration Act, 1860, Regn. No. –GUJ/7567Ahmedabad.

Report on the Financial Statements

We have audited the financial statements of **"NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA** ("the Trust" or "the Society"),which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2020 and the Statement of Income & Expenditure Account for the year ended and the Receipts and Payments for the year ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management is responsible for preparation of these Financial Statements in accordance with Bombay Public Trust Act, 1950, the Societies registration Act, 1860 and guidelines Prescribed for preparation and presentation of financial statement for central Autonomous Body issued by Ministry of finance, Government of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with standards on auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Organizations preparation and fair Presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
GANDHINAGAR

a) In the case of Balance sheet of the state of affairs of the Trust as at 31st March, 2020.
b) In the case of Statement of Income and Expenditure Account, of the excess of income over expenditure for the year ended on 31st March, 2020.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

As required under Section 33(2) of the Bombay Public Trust Act, 1950, we further report that-

a) The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the Rules.
b) The Income and Expenditure are properly and correctly shown in accounts.
c) The cash balance and vouchers in the custody of the authorized person on the date of audit were in agreement with the accounts.
d) Books, Deed, Accounts Vouchers and other documents and records required by us were produced before us.
e) A register of movable properties of the trust duly certified by the trustee has been properly maintained.
f) There are no defect and inaccuracies mentioned in the previous audit report which need to be complied with.
g) The manager/trustee appeared before us and furnished necessary information required by us.
h) No properties of funds were applied for any object or purpose other than object or purpose of trust.
i) We have not come across any case of alienations of immovable property contrary to the provisions of the section 36 of the Act.

Pursuant to the section 12-E of the Societies Registration Act, 1860 we further report that we have not come across any case of irregular, illegal or improper expenditure or failure or omission to recover monies or other property belonging to the society or of loss or waste of money or other property thereof on the part of governing body or any person.

Accrued liability in respect of Gratuity and Leave Encashment in conformity with the Accounting Standard – 15 (Accounting for retirement benefits) issued by the Institute of Chartered Accountants of India is being recorded on payment basis.

For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W

S. S. Somani

CA Snehal Somani
Partner
Membership No.127087
UDIN: 20127087AAAABZ6422
Place: Gandhinagar
Date: 17/08/2020

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

Particulars	SCH	31/03/2020	31/03/2019
I. **CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES**			
CORPUS/CAPITAL FUND	1	108,161,898	110,967,165
RESERVES AND SURPLUS	2	7,596,295	53,188,626
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	168,077,093	60,957,855
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	14,186,984	16,059,649
TOTAL		**298,022,270**	**241,173,295**
II. **APPLICATION OF FUNDS/ASSETS**			
FIXED ASSETS	8	23,336,704	24,202,691
INVESTMENTS - FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	-	
INVESTMENTS - OTHERS	10	-	-
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.,	11	274,685,565	216,970,604
MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)			
TOTAL		**298,022,270**	**241,173,295**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS	24		

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W

CA Snehal S. Somani
Partner
Membership No. 127087
UDIN :20127087AAAABZ6422
Place : Gandhinagar
Date : 17-08-2020

For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar
Chief Innovation Officer/Director NIF

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON March 31, 2020

(Amount in Rs.)

Particulars	SCH	2019-20	2018-19
A INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	-
Grant / subsidies	13	148,099,331	188,132,689
Fees/Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Investment from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	15	-	-
Income From Royalty, Publication etc.,	16	-	-
Interest Earned	17	1,968,354	6,264,824
Other Income	18	60,865	495,777
Increase/(Decrease) in Stock of Finished Goods and WIP	19	-	-
TOTAL (A)		**150,128,550**	**194,893,290**
B EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	56,116,407	45,595,129
Other Administrative Expenses etc.,	21	74,240,713	129,790,388
Expenditure on Grants, Subsidies etc.,	22	-	-
Interest	23	-	9,966,647
TOTAL (B)		**130,357,120**	**185,352,164**
C BALANCE BEING SURPLUS / (DEFICIT) (A-B)		**19,771,430**	**9,541,126**
			-
D Depreciation for the year		5,084,002	5,433,955
Prior period adjustment			
E SURPLUS / (DEFICIT) CARRIED TO CORPUS / CAPITAL FUND (C-D)		**14,687,428**	**4,107,171**

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS 24

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W

CA Snehal S. Somani

Partner

Membership No. 127087

UDIN :20127087AAAABZ6422

Place : Gandhinagar

Date : 17-08-2020

For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF

THE BOMBAY PUBLIC TRUST ACT 1950
Schedule IXC (See Rule 32)

Statement of Income liable to contribution for the Financial Year 01-04-2019 to 31-03-2020

	Name of the Public Trust:	**NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA** Bungalow No. 1, Satellite Centre, Satellite Complex, Premchandnagar Road, Jodhpur Tekra, Satellite, Ahmedabad - 380015.	
	Phone: + 91 079 26753501, +91 079 2673 2095 / 2456, E–Mail : info@nifindia.org		
	Name , address and Phone Number of Trustees, Whom submit the audit report: **See Annexure 1**		
	Details of Relating Bank Account: Saving Bank A/C no: 606802010000724 Name of Bank: Union Bank of India, Premchandnagar, Ahmedabad.		
	Bank Account relating to transaction of foreign contribution of trust: **N.A.** F.C.R.A. No. **N.A.**		
	Regn.No. F/7412/Ahmedabad		
		INR-Rupees	
	Gross Annual Income		
	Details of income not chargeable to contribution under Section 58 and Rule 32:		
(i)	Donations received during the year from any source		
	(a) Corpus		
	(1) From Country	-	
	(2) From Foriegn Country, FC.R.A. No. and Date	-	
	(b) General		
	(1) From Country	-	
	(2) From Foriegn Country, FC.R.A. No. and Date	-	
(ii)	Grants by Government and local authorities		
	(a) Government and Local authorities		
	(Plan Grant from Department of Science and Technology (DST])	148,099,331	
	(b) From Foriegn Country	-	
	(c) By Funding agencies		
	(1) From Country	-	
	(2) From Foriegn Country, FC.R.A. No. and Date	-	
	Interest & Other Income earned	2,029,219	
	Total Gross Annual Income		150,128,550
(iii)	Amount spent for the purpose of education	135,441,122	
(iv)	Amount spent for the purpose of medical relief	-	
(v)	A) Deductions out of income from lands used for Agricultural purposes-		
	(a) Land Revenue and Local Fund / Cess	-	
	(b) Rent payable to superior landlord	-	
	(c) Cost of production, if lands are cultivated by trust	-	
	(B) Income from lands used for agricultural purpose	-	
(vi)	(A) Deductions out of income from lands used for non-agricultural purpose :		
	(a) Assessment, Cesses and other Government or Municipal Taxes	-	
	(b) Ground rent payable to the superior landlord	-	
	(c) Insurance Premium	-	
	(d) Repairs at 10 per cent of gross rents of buildings	-	
	(e') Cost of collection at 4 percent of gross rent of buildings let out	-	
	(B) Income from lands used for agricultural purpose		
(vii)	Cost of collection of income or receipts from securities stocks etc.at 1 percent of such income	-	
(viii)	Deduction on account of repairs in respect of buildings not rented and yielding no income at 10 per cent of the estimated gross annual rent	-	
	Total Income not chargeable to contribution.		150,128,550
	Gross Annual Income Chargeable to Contribution		-

For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar
Chief Innovation Officer/Director NIF
Date : 17-08-2020

As per our report of even date
For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W

CA Snehal S. Somani
Partner
Membership No. 127087
UDIN :20127087AAAABZ6422
Place : Gandhinagar
Date : 17-08-2020

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 1 - CORPUS/CAPITAL FUND	**AS AT 31/03/2020**	**AS AT 31/03/2019**
Balance As at Beginning of the year	110,967,165	155,884,682
Less: Grant Refunded alongwith Interest	-	(41,524,688)
Less : Transfer to Overhead Sharing/Benefit Sharing	(17,492,695)	(7,500,000)
Add/(Deduct) : Balance of Net Income/(Expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	14,687,428	4,107,171
Balance as the year end	108,161,898	110,967,165

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS	**AS AT 31/03/2020**	**AS AT 31/03/2019**
1 Special Reserve		
As per Last Account	53,188,626	44,814,315
Addition During the year	4,307,365	8,374,311
Less : Deductions during the year	49,899,696	-
Total	**7,596,295**	**53,188,626**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

	SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS		AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
1	**4th Global Exhibition on Services**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		-
	b Grant received		-		2,880,380
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		2,880,380	
	Total of Expenditure		-		2,880,380
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
2	**AISTDF- ASEAN Science Week**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		(352)
	b Grant received		-		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		(352)	
	Total of Expenditure		-		(352)
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
3	**ASEAN- India Grass-Root Innovation Forum(IGIF)**				
	a Balance as per last Balance Sheet		1,896,715		-
	b Grant received		12,404,112		12,068,700
	c Benefit Sharing		(400,000)		
	d Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	6,646,110		5,171,985	
	Total of Expenditure		6,646,110		5,171,985
	e Unspent Grant given back		1,896,715		5,000,000
	Net Balance at the year end [a+b-c-d]		5,358,002		1,896,715
4	**ASEAN- India Science & Tech Deve Fund(ISTDF)**				
	a Balance as per last Balance Sheet		21,837,689		22,900,000
	b Grant received		-		-
	c Benefit Sharing		62,311		
	d Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	-
	ii. Revenue Expenditure	2,799,648		1,062,311	
	Total of Expenditure		2,799,648		1,062,311
	Net Balance at the year end [a+b-c]		19,100,352		21,837,689
5	**Asean Innotech Summit**				
	a Balance as per last Balance Sheet		(192,305)		-
	b Grant received		-		-
	bi Other Receipts/Adjustments		192,305		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		192,305	
	Total of Expenditure		-		192,305
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		(192,305)
6	**DBT Project for Nano- Technology Based Herbal Formu**				
	a Balance as per last Balance Sheet		2,769,800		-
	b Grant received		-		2,869,800
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	1,755,000		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		100,000	
	Total of Expenditure		1,755,000		100,000
	Net Balance at the year end [a+b-c]		1,014,800		2,769,800
7	**Design Innovation Centre IISC**				
	a Balance as per last Balance Sheet		2,200,000		-
	b Grant received		-		2,200,000
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	561,290		-	
	Total of Expenditure		561,290		-
	Net Balance at the year end [a+b-c]		1,638,710		2,200,000

JOY BAXI & ASSOCIATES Chartered Accountants F.R.N. 117785W GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

	SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS		AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
8	**Desing Innovation Centre IITBOM**				
	a Balance as per last Balance Sheet		487,591		7,304,350
	b Grant received		500,000		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		1,739,000	
	ii. Revenue Expenditure	987,591		5,077,759	
	Total of Expenditure		987,591		6,816,759
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		487,591
9	**DST Project**				
	a Balance as per last Balance Sheet		(89,200)		(89,200)
	b Grant received		-		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		-	
	Total of Expenditure		-		-
	Net Balance at the year end [a+b-c]		(89,200)		(89,200)
10	**DST Project- Mobile Exhibition in Tribal Areas**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		7,691,452
	b Grant received		-		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		7,371,822	
	ii. Revenue Expenditure	-		319,630	
	Total of Expenditure		-		7,691,452
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
11	**Dst Project- Vet**				
	a Balance as per last Balance Sheet		(109,268)		(109,268)
	b Grant received		-		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		-	
	Total of Expenditure		-		-
	Net Balance at the year end [a+b-c]		(109,268)		(109,268)
12	**DST Project- Wellbeing of Tribal Communities**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		962,395
	b Grant received		-		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		962,395	
	Total of Expenditure		-		962,395
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
13	**Hariom Ashram**				
	a Balance as per last Balance Sheet		10,725,873		9,743,317
	b Grant received		-		-
	bi Other Receipts/Adjustements		628,531		1,392,556
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	80,000		410,000	
	Total of Expenditure		80,000		410,000
	Net Balance at the year end [a+b-c]		11,274,404		10,725,873
14	**Indian South Africa S& T**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		(212)
	b Grant received		-		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		(212)	
	Total of Expenditure		-		(212)
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

	SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS		AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
15	**India-South Africa Bilateral Expert Meeting**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		(3,000)
	b Grant received		-		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		(3,000)	
	Total of Expenditure		-		(3,000)
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
16	**Innovation Fund**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		22,705,536
	b Grant received		-		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		22,418,272	
	ii. Revenue Expenditure	-		-	
	Total of Expenditure		-		22,418,272
	d Transfer to Overhead and Benefit Sharing		-	287,264	287,264
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
17	**Inspire**				
	a Balance as per last Balance Sheet		6,052,001		78,094,763
	b Grant received		112,300,000		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		1,254,618	
	ii. Revenue Expenditure	32,500,096		70,788,144	
	Total of Expenditure		32,500,096		72,042,762
	Net Balance at the year end [a+b-c]		85,851,905		6,052,001
18	**IPR Workshop for South Africa Delegation**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		(354)
	b Grant received		-		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		(354)	
	Total of Expenditure		-		(354)
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
19	**Mukhyamantri Abhinav Krushi Yantrapati Samman Yojana**				
	a Balance as per last Balance Sheet		447,907		-
	b Grant received		1,450,000		1,100,000
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	1,042,923		652,093	
	Total of Expenditure		1,042,923		652,093
	Net Balance at the year end [a+b-c]		854,984		447,907
20	**MVIF A/c**				
	a Balance as per last Balance Sheet		75,382		407,242
	b Grant received		-		
	c Other Receipts/Adjustments		23,198,528		
	d Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	17,492,695		331,860	
	Total of Expenditure		17,492,695		331,860
	Net Balance at the year end [a+b-c]		5,781,215		75,382
21	**ASEAN - SEC S&T**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		-
	b Grant received		-		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure			-	
	ii. Revenue Expenditure	247,789		-	
	Total of Expenditure		247,789		-
	Net Balance at the year end [a+b-c]		(247,789)		-

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS			AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
22	**National Entrepreneurship Award**				
	a Balance as per last Balance Sheet		(219,605)		-
	b Grant received		-		1,300,000
	bi Other Receipts/Adjustments		219,605		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		1,519,605	
	Total of Expenditure		-		1,519,605
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		(219,605)
23	**NLEPC**				
	a Balance as per last Balance Sheet		(3,998,575)		-
	b Grant received		-		30,000,000
	bi Other Receipts/Adjustments		5,197,527		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	229,500		33,998,575	
	Total of Expenditure		229,500		33,998,575
	Net Balance at the year end [a+b-c]		969,452		(3,998,575)
24	**Workshop on Sustaining Botanical Pesticides**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		(150,000)
	b Grant received		-		-
	bi Other Receipts/Adjustments		-		150,000
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-		-	
	Total of Expenditure		-		-
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
25	**7th INECF - 2019**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		
	b Grant received		-		
	bi Other Receipts/Adjustments		900,000		
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-			
	ii. Revenue Expenditure	900,000			
	Total of Expenditure		900,000		
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		
26	**Unnat Bharat Tech Outreach - Workshop & Expo- Grant**				
	a Balance as per last Balance Sheet		900,000		-
	b Grant received		-		900,000
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	900,000		-	
	Total of Expenditure		900,000		-
	Total of Expenditure		-		900,000
27	**Vet College**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		536,250
	b Grant received		-		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	-	-	536,250	
	Total of Expenditure		-		536,250
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-
28	**Business And Innovation Summit**				
	a Balance as per last Balance Sheet		-		-
	b Grant received		1,045,000		-
	c Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund/Returned				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	781149		-	
	Total of Expenditure		781,149		-
	d Unspent Grant Returned back		263,851		
	Net Balance at the year end [a+b-c]		-		-

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS			AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
29	**Overheads/ Benefit Sharing**				
	a Balance as per last Balance Sheet		18,173,849		-
	b Grant received		-		
	c Benefit Sharing		21,442,030		18,777,767
	d Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	-		-	
	ii. Revenue Expenditure	2,936,353		603,918	
	Total of Expenditure		2,936,353		603,918
	Net Balance at the year end [a+b-c]		36,679,526		18,173,849
	TOTAL OF FUNDS				
	a Balance as per last Balance Sheet		60,957,854		149,992,918
	b Grant received		127,699,112		53,318,880
	bi Other Receipts/Adjustments		30,336,496		1,542,556
	c Benefit Sharing		21,104,341		18,777,767
	d Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund				
	i. Capital Expenditure	1,755,000		32,783,712	
	ii. Revenue Expenditure	68,105,144		124,603,292	
	Total of Expenditure		69,860,144		157,387,004
	e Less : Transfer to Overhead and Benefit Sharing		-		287,264
	Unspent Grant given back		2,160,566		5,000,000
	Net Balance at the year end [a+b-c]		**168,077,093**		**60,957,854**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 4 - SECURED LOANS AND BORROWIN	**AS AT 31/03/2020**	**AS AT 31/03/2019**
SECURED LOANS AND BORROWINGS	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 5 - UNSECURED LOANS AND BORROW	**AS AT 31/03/2020**	**AS AT 31/03/2019**
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 6 - DEFERRED CREDIT LIABILITIES	**AS AT 31/03/2020**	**AS AT 31/03/2019**
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	**AS AT 31/03/2020**	**AS AT 31/03/2019**
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Sundry Creditors,		
a) For Goods		
b) Others	1,054,747	269,576
3. Advances received	-	-
4. Interest accrued but not due on :	-	-
	-	-
2. Statutory Liabilities		
a) Overdue	-	-
b) Others	562,621	959,582
3. Other current liabilities /EMD	3,674,807	4,406,288
Total (A)	5,292,175	5,635,446
B. PROVISIONS		
1. Interest Payable	8,894,809	10,424,203
Total (B)	8,894,809	10,424,203
Total (A+B)	**14,186,984**	**16,059,649**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT OF INDIA GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES Chartered Accountants FRN 116786W GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				WDV
Particulars	Balance as on 01-04-2019	Additions during the year	Deductions during the year	Gross Block as on 31-03-2020	Depreciation on 01-04-2019	Deductions during the year	Depreciation for 2019-20	Total Depreciation up to 2019-20	Net Block As on 31-03-2020
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Computers & Ancillary Assets									
Computers	15,645,471	211,954	-	15,857,425	14,256,301	-	927,328	15,183,629	673,796
Networking equipment	1,176,491	75,942	-	1,252,433	1,173,463	-	47,382	1,220,845	31,588
Scanner	393,980	138,000	-	531,980	372,655	-	95,595	468,250	63,730
Software	4,542,417	-	-	4,542,417	3,872,127	-	402,174	4,274,301	268,116
Card Printer	45,138	-	-	45,138	42,249	-	1,733	43,982	1,156
Furniture & Fixtures and Dead Stock									
Furniture & Fixtures	5,470,847	1,092,987	-	6,563,834	2,253,460	-	427,974	2,681,434	3,882,400
Electrical Installations	182,410	-	-	182,410	62,527	-	11,988	74,515	107,895
Roller Blinds	-	84,565	-	84,565	-	-	8,457	8,457	76,108
				-				-	
Office Equipments				-				-	
				-				-	
Air Cooler	1,832,356	239,883	-	2,072,239	622,118	-	217,518	839,636	1,232,603
Balloon	35,438	-	-	35,438	29,953	-	823	30,776	4,662
Bio-Metric ESSL Attendance System	25,150	-	-	25,150	12,023	-	1,969	13,992	11,158
Camera	1,792,985	-	-	1,792,985	1,097,206	-	104,367	1,201,573	591,412
DG Set	755,294	-	-	755,294	175,848	-	86,917	262,765	492,529
EPABX System	211,760	-	-	211,760	145,504	-	9,938	155,442	56,318
Equipment	5,995,460	37,226	-	6,032,686	3,270,204	-	412,910	3,683,114	2,349,572
Fab Lab Equipment	15,302,241	2,129,883	-	17,432,124	5,208,575	-	1,756,981	6,965,556	10,466,568
Fax Machine	36,907	-	-	36,907	33,109	-	570	33,679	3,228
Fire Extinguisher	18,505	-	-	18,505	15,415	-	464	15,879	2,626
Hot Air Oven Machine	48,825	-	-	48,825	18,840	-	4,498	23,338	25,487
Photo Copying Machine	351,000	-	-	351,000	169,352	-	27,247	196,599	154,401
Public Address System	82,317	-	-	82,317	55,131	-	4,078	59,209	23,108
Projector	112,770	-	-	112,770	43,515	-	10,388	53,903	58,867
Pulveriser Machine	39,000	-	-	39,000	15,050	-	3,593	18,643	20,357
Refrigerator	122,710	-	-	122,710	44,292	-	11,763	56,055	66,655
Sony LCD	471,048	-	-	471,048	177,704	-	44,002	221,706	249,342
Tape recorder	36,427	-	-	36,427	31,898	-	679	32,577	3,850
Telephone/mobile Instrument	1,140,124	6,300	105,116	1,041,308	651,477	15,768	80,471	716,180	325,128
Water Cooler	23,000	26,850	-	49,850	10,995	-	5,829	16,824	33,026
Sony LED TV	126,453	-	-	126,453	42,426	-	12,604	55,030	71,423
Sony Stabilizer	101,515	234,415	-	335,930	33,671	-	10,177	43,848	292,082
Fan	-	29,360	-	29,360	-	-	2,925	2,925	26,435
Sony Audio Recorder	27,200	-	-	27,200	10,496	-	2,506	13,002	14,198

JOY BAXI & ASSOCIATES Chartered Accountants Firm 115765W GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT OF INDIA

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				WDV
Particulars	Balance as on 01-04-2019	Additions during the year	Deductions during the year	Gross Block as on 31-03-2020	Depreciation on 01-04-2019	Deductions during the year	Depreciation for 2019-20	Total Depreciation up to 2019-20	Net Block As on 31-03-2020
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Books	420,390		-	420,390	315,060	-	63,198	378,258	42,132
Vehicles									
Activa Honda	44,168	-	-	44,168	38,357	-	872	39,229	4,939
Bajaj Pulser	68,289	-	-	68,289	59,305	-	1,348	60,653	7,636
Honda city	1,037,399	-	-	1,037,399	775,919	-	39,222	815,141	222,258
Tata safari	1,311,519	-	-	1,311,519	980,946	-	49,586	1,030,532	280,987
Tata Indica	545,341	-	-	545,341	396,741	-	22,290	419,031	126,310
Mobile Exhibition Van	2,709,873	-	-	2,709,873	1,904,457	-	120,812	2,025,269	684,604
Hero HF Deluxe	52,547	-	-	52,547	27,175	-	3,806	30,981	21,566
Tractor (John Deere)	551,117	-	-	551,117	263,430		43,153	306,583	244,534
TVS Wego	58,105	-	-	58,105	32,324		3,867	36,191	21,914
Total	**62,943,987**	**4,307,365**	**105,116**	**67,146,236**	**38,741,298**	**15,768**	**5,084,002**	**43,809,532**	**23,336,704**
Committed Expenditure for Capital Assets									
Equipments				-					-
Total (B)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Grand Total (A+B)	**62,943,987**	**4,307,365**	**105,116**	**67,146,236**	**38,741,298**	**15,768**	**5,084,002**	**43,809,532**	**23,336,704**
Previous Year	**54,569,676**	**8,374,311**	-	**62,943,987**	**33,307,343**	-	**5,433,955**	**38,741,298**	**24,202,689**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT OF INDIA
GANDHINAGAR

Chartered Accountants
GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 9 - INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	-	-	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS		AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
INVESTMENTS - OTHERS	-	-	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS LOANS ADVANCES ETC		AS AT 31/03/2020		AS AT 31/03/2019
A. CURRENT ASSETS :				
1. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)	-	-	-	
2. Bank balances				
a)With Scheduled Banks.				
i) On current Accounts				
- Axis Bank, Vastrapur - A/c. No.1548	-		47,603	
- Axis Bank, Vastrapur - A/c. No. 8099-MVIF	-		2,332,784	
- SIDBI A/c No. 12001	-	-	5,531,072	7,911,459
ii) On Deposit Accounts (includes mrgin money)				
- From NIF funds/FD	138,835,142		161,251,308	
- From MVIF funds/FD	-		9,757,874	
		138,835,142		171,009,182
iii) On Savings Accounts				
-Union Bank of India,- SB A/c.No.724 & SWAP FD's	21,862,245		2,031,229	
-Union Bank Gandhinagar SB A/c No.8753 & SWAP F	77,419,953		-	
-Union Bank - Bhuvneshwar - 090	-		35,335	
-Union Bank - Dehradun - 088	-		251,214	
-Union Bank - Guwahati - 089	-		387,785	
		99,282,198		2,705,563
b) With non Scheduled Banks:	-			
3. Post Office-Savings Accounts				
4. Other Advances				
'-Advance to Staff/Creditors and MVIF	33,377,241		32,666,988	
- Accrued Interest	-		-	
- TDS Receivable	1,901,095		1,863,757	
- Security Deposit	391,975		682,307	
5. Prepaid Expenses	897,915		131,348	
		36,568,226		35,344,400
Total		**274,685,565**		**216,970,604**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

(Amount in Rs)

SCHEDULE 12 -INCOME FROM SALES/SERVICES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Income from Sales/Services	-	-

(Amount in Rs)

SCHEDULE 13 -GRANTS / SUBSIDIES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1) Central Government	102,507,000	196,507,000
Less : Amount Transferred to GOI DST Grant for Fixed Assets (representing expenditure on non recurring items)	4,307,365	(8,374,311)
	49,899,696	
Add : Unspent Amount Of DST Grant transferred		-
2) State Government (s)	-	-
Total	**148,099,331**	**188,132,689**

(Amount in Rs)

SCHEDULE 14 - FEES / SUBSCRIPTIONS	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
FEES / SUBSCRIPTIONS	-	-

(Amount in Rs)

SCHEDULE 15 - INCOME FROM INVESTMENTS	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
INCOME FROM INVESTMENTS	-	-

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA
GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN 115785W
GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.,	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Income from Royalty, Publication etc.,	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 17 - INTEREST EARNED	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
1) On Term Deposits		
a) With Scheduled banks	1,537,566	5,995,448
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) With Institutions	-	-
d) Others	-	-
2) On Savings Accounts		
a) With Scheduled banks	290,249	172,493
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Post Office Saving Accounts	-	-
d) Others	-	-
3) On loans		
a) Employees/staff	140,539	7,643
b) Others	-	-
4) Interest on Debtor/Other Receivables	-	-
5) Interest on Tax Refund	-	89,240
Total	**1,968,354**	**6,264,824**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA GANDHINAGAR

JOY BAX & ASSOCIATES Chartered Accountants GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 18 - OTHER INCOME	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
1) Miscellaneous Income/Tender Fees/Scrap	60,865	495,777
2) Other support Income	-	-
TOTAL	**60,865**	**495,777**

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS AND WIP	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Increase/(Decrease) in stock of Finished Goods and WIP	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 20 -EASTABLISHMENT EXPENSES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
A) Salaries and wages	12,361,817	9,456,582
B) allowances and Bonus	3,791,428	2,563,963
C) Contribution to Provident Fund	-	-
D) Contribution to Other Fund (Specify)	-	-
i) Employer's NPS Contribution	1,835,114	1,148,053
E) Expenses on Employees Retirement and terminal Benefits	-	-
D) Others (Specify)	40,952,737	49,255,558
i) Medical reimburesement/Medical treatment Exp.	409,743	368,082
Less : Recovery towards Fellowship and Contractual Payment Under Projects	(3,234,432)	(17,197,109)
TOTAL	**56,116,407**	**45,595,129**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA
GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Part A - Recurring Expenses		
1. Business Development		
Benchmarking and Market Research	-	49,982
Online Catalogues	-	81,233
Student Involvement for Business Plans	71,466	747,853
Travel (BD)	56,929	625,901
Sub Total	**128,395**	**1,504,969**
2. Dissemination & Social Diffusion		
Innovation Exhibition	-	-
Demonstrations (Dnsd)	2,883,935	10,894,713
Diffusion of Practices Through Farmers /media /KVK	309,653	4,295,200
Exhibitions & Innovation exhibition	(169,020)	3,411,402
Innovation Diffusion Centre	-	177,400
Printing & Publication (Dasd)	25,075	29,189
Travel (Dissemination)	1,742,063	39,901
Travel (Dissemination) ST	-	-
Dissemination - 11th Biennial	-	39,310
Workshop/Meetings (Dissemination)	32,267	267,516
Sub Total	**4,823,973**	**19,154,631**
3. IPR and Law		
Filing National Patent Applications	4,393,715	4,661,999
Filing National Patent Applications - Internationals	-	-
Filling Trade Mark and Geographical Applications	25,000	23,500
Subscription IPR	1,599	265,915
Travel (IPR)	52,989	4,191
Sub Total	**4,473,303**	**4,955,605**
4. IT & Database		
Computer Maintenance & Upgradation	674,010	989,114
Database & Software Dev , Proof Reading	421,376	1,143,327

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA
GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 116785W
GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Internet	253,015	861,444
Website	1,100	-
Sub Total	**1,349,501**	**2,993,885**
5. Scouting & Documentation		
Advertisement- Regional and National	5,747,248	4,732,699
Collaborators	30,000	6,109,287
Experts / Mentors Meetings (S&D)	57,500	37,193
Dr. APJ Abdul Kalam Ignite Awards	2,188,994	3,415,954
Accomodation	1,058,126	2,024,493
Printing and Stationery	918,093	1,824,980
Sample / Prototype Collection & Identification	-	1,478,740
Travel (S&D)	2,014,489	3,374,891
Verification / Detailed Documentation	57,690	577,479
Workshops and Publications	647,730	2,677,160
Sub Total	**12,719,870**	**26,252,876**
6. Value Addition and Research & Development		
Administrative Exps - VARD	4,809,282	2,487,847
Experts /mentors Meetings (Vard)	902,321	21,704
Prior Art Search, Validation of Innovations	1,822,000	19,212,334
Testing of Prototypes / Products	4,621,475	12,652,209
Travel (VARD)	5,385,039	4,703,977
Value Addition and Product Development	11,603,897	9,828,519
Sub Total	**29,144,014**	**48,906,590**
7. FOIN 2017 /FINE 2018		
Accomodation	2,240	2,247,814
Catering	-	39,684
Dissemination	86,754	24,000
Exhibition and Other Exps	11,210,000	6,129
Prizes	-	6,050,000
Prototype Development	94,842	56,954
Travel and Transportation	397,571	3,506,696

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION · AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA · GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES · Chartered Accountants · F.R.N. 115785W · GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Trophy	-	-
printing and stationery	-	109,441
Photography and videography FINE 2018	-	-
Miscellaneaus exp	346	795,484
Sub Total	**11,791,753**	**12,836,202**
TOTAL (A)	**64,430,809**	**116,604,758**
Part B - Other Administrative Expenses : -		
Internal and Concurrent Audit Fees	59,000	72,690
Other certification fees	40	4,842
Meeting And Conferences	306,198	423,793
Bank Charges	6,744	12,296
Electricity and Power	1,015,283	1,032,228
Interest and Penalty	12,561	20,852
Insurance Expenses	269,675	122,634
Legal Charges	-	5,500
Office Expenses	2,520,551	3,912,326
Postage Expenses	1,070,175	450,482
Professional Charges	55,909	184,914
Recruitment Expenses	-	-
Rent, Rates and Taxes	831,773	1,472,753
Rent (ROBBN)	540,000	405,000
Rent (RODDN)	337,080	322,770
Security Expenses	1,640,804	1,965,472
Telephone and Communication Charges	195,301	133,341
Travel Expenses	459,809	2,219,253
Vehicles Running and Maintenance	489,001	424,484
Membership Fees	-	-
TOTAL (B)	**9,809,904**	**13,185,630**
TOTAL (A+B)	**74,240,713**	**129,790,388**

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 22 - EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 23 -INTEREST	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2019
Interest to consolidated fund of India	-	9,966,647

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA
GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 116785W
GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

RECEIPTS	2019-20	2018-19	PAYMENTS	2019-20	2018-19
I. Opening balances			**I. Establishment Expenses**	57,758,904	71,780,837
1) Cash in Hand	-	-	**II. Administrative Expenses**	42,378,424	86,265,350
2) Bank Balances			**III. Fixed Assets (Additions)**	1,607,358	2,872,701
a. Axis Bank C/A-8099	2,332,784	118,842	**IV. A) Remittances/ Refunds etc.,**		
b. SIDBI A/c No. 12001	5,531,072	-	a]Earnest Money Deposit& security Deposits & S. Creditors	49,053,901	106,365,493
c. Axis Bank Current A/C 1548 (NIF)	47,603	23,061,818	**B) Remittances/Refunds etc.,**		
d. Union Bank A/C No.606802010000724 (Including	2,031,229	11,405,324	a] NPS. Employees Deductions	1,461,080	1,148,053
e. UBI-NIF-Bhubneswar- 606802050000090	35,335	185,832	b] Receivable	315,150	1,455,198
f. UBI NIF -Dehradun 606802050000088	251,214	236,354	c] Income Tax Deducted at source from staff, contractor & rent and Professional Tax	5,300,854	4,808,448
g. UBI NIF- Guwahati - 606802050000089	387,785	237,931	e]Advances to Staff & Others	27,068,674	19,859,596
h. Union Bank - ROBBN	-	-	f] Corpus Refund with interest	-	41,524,688
i. Union Bank - ROGUW	-	-	g] NPS Payable	1,835,114	1,148,053
			h] Prepaid Expenses	345,251	-
II. Grants-in-aid from DST, Govt of India	102,507,000	196,507,000	i] Provisions & O/S	11,165,055	10,064,157
III. Interest Received			j] Other Deductions	153,000	216,000
A)On SB Accounts and Auto Sweep	290,249	172,493	**V. Investments**		
B)On Fixed /Term Deposits	4,047,525	2,708,427	Fixed/Term Deposits & margin Money		
IV. Other Income			**VI. Earmarked Project Expenses**	32,478,173	80,792,093
A)Other Interest	14,774	96,883	**VIII. Closing Balances**		
B)Miscellaneous Receipts	33,302	1,715,277	**1)Cash in Hand**	-	-
V. Other Recoveries etc.,			**2)Bank Balances**		
A)Earnest Money Deposit & Security Deposit & S Creditors	1,484,674	5,827,317	a. Axis Bank C/A-8099	-	2,332,784
B) Investments	9,757,874	58,023,997	b. SIDBI A/c No. 12001	-	5,531,072

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA ... AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA

Chartered Accountants FRN 115785W GANDHINAGAR

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED March 31, 2020

RECEIPTS	2019-20	2018-19	PAYMENTS	2019-20	2018-19
C) ii] Income Tax Deducted at source from staff, contractor & rent and Professional Tax	3,378,091	3,884,406	c. Axis Bank Current A/C 1548 (NIF)	-	47,603
iii] Advance to Suppliers/other etc.	108,757	237,500	d. Union Bank A/C No.606802010000724 (Including SWAP Balance)	21,862,245	2,031,229
iv]Staff Advance Recovery	9,627,646	9,973,137	e. UBI-NIF-Bhubneswar- 606802050000090	-	35,335
v] NPS Deduction	1,431,155	1,177,978	f. UBI NIF -Dehradun 606802050000088	-	251,214
vi]TDS Receivable	-	842,010	g. UBI NIF- Guwahati - 606802050000089	-	387,785
vii] Other Deductions	148,000	220,000	h. Union Bank A/c No. 359302010108753 (Including SWAP Balance)	77,419,954	
D) i] Establishment receipts	505,018	430,328			
ii] Other administrative receipts	2,278,053	7,468,230			
VI. Deposit With Bank					
A)Fixed/ Term deposits matured	31,191,820	59,637,832			
VII. Grants/ Financial Assistances received for Earmarked projects	152,782,176	54,748,774			
	330,203,136	438,917,690		330,203,136	438,917,690

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants

Firm Registration No. 115785W

CA Snehal S. Somani

Partner

Membership No. 127087

UDIN : 20127087AAAABZ6422

Place : Gandhinagar

Date : 18-08-2020

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA

Reg. No. F/7412/Ahmedabad

DRAFT SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2020

DRAFT SCHEDULE 24: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS

OVERVIEW:

The National Innovation Foundation (NIF) - India was set up in March 2000 with the assistance of Department of Science and Technology, Government of India. It is India's national initiative to strengthen the grassroots technological innovations and outstanding traditional knowledge. Its mission is to help India become a creative and knowledge-based society by expanding policy and institutional space for grassroots technological innovators.The main object of the Centre, inter-alia, are to conduct basic and applied research in Nano and soft matter sciences and specifically focused on a variety of metal and semi-conductor nanostructures, liquid crystal, membranes and hybrid materials.

A. SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Accounting convention:

The financial statements are drawn up in accordance with historical accountingconventions and on the going concern concept. Accrual method of accounting is followed to record Income and Expenditure.

The guidelines as per the uniform Format of Accounts for Central Autonomous Institutions, as applicable and to the extent practicable, are followed in the presentation of the financial statements of the Institute.

2. Basis of Accounting:

The financial statements are prepared under the historical cost convention, on the accrual basis of accounting in conformity with the generally accepted accounting principles in India (Indian GAAP) as applicable and the relevant provision of the Bombay public trust act.1950 and in accordance with the guidelines on accounting for the central autonomous bodies, issued by Ministry of Finance. The accounting policies consistently applied by the foundation and the accounting policies not referred to otherwise are in conformity with Indian GAAP.

3. Revenue recognition:

All income and expenditure are recognized on accrual basis except in case of specific and conditional Grants. The un-spent amount of such Grant is liable to be re-directed as per the direction of the Donor organizations Accordingly the unspent amounts as on the date of balance sheet are shown as liability Government grants/subsidies are accounted

on realization basis. Benefit sharing on the MVIF support is variable considering the business risk and uncertainty associated with its collection/recovery.
Interest earned, administrative fund of projects and other income during the year has been credited to innovation funds which is adjusted against the facility/infrastructure created for the institute.

4. Investment:
Investments are stated at cost and interest from investment are accounted on accrual basis.

5. Fixed Assets:
Fixed assets other than acquired from Earmarked Funds are stated at Written down value. Fixed Assets are accounted at cost of acquisition, inclusive of inward freight, duties, taxes and incidental expenses related to acquisition.
Fixed assets received by way of non-monetary grants (other than toward the corpus fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to capital reserve. Fixed assets received by way of Earmarked Fund (other than toward the corpus fund), are adjusted at values stated, by corresponding credit to Earmarked Funds. Utilization of Innovation fund for creating facility/infrastructure is not forming part of Assets Schedule.

6. Depreciation:
Depreciation providedon written down value as per rates and method specified in the Income Tax Act, which is coincide with useful life of assets. In respect of additions to/deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered as per Income Tax Act.

7. Government Grants/ Subsidies:
Government grants of the nature of contribution toward capital of setting up projects are treated as capital reserve. Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown as deduction from the cost of the related assets.Government grants/subsidy are accounted on realization basis.Plan grant received for during the year are credited to revenue account except grant utilized for acquisition of capital assets during the year is credited to respective "Capital Fund" account. During FY 2019-20, Fixed Assets amounting to Rs 43,07,365/- is acquired out of DST Grant.

8. Income Tax:
The institute is registered under section 12A of the Income Tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards Income Tax.

9. Retirement Benefits:
No provision has been made in respect of the Leave Encashment and Gratuity liability in the accounts as required by AS15.However, the same is accounted on cash basis as and when the liability is discharged.

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT OF INDIA
GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 115785W
GANDHINAGAR

10. Allocation/Transfer To Earmarked Project Funds:

The Institute has a policy to transfer interest earned on investments relating to project funds, to earmarked project funds, to recognize the interest attributable to those funds. To meet exigencies in project related expenditure, an allocation called "Overhead/Benefit sharing" is maintained under Ear marked funds and allocation of funds to any project is made out of the said allocation.

11. Earmarked Fund:

Funds/ grant received for the specific project are credited to separate account and the utilization of the same also debited to respective funds/grand accounts. Outstanding of those funds/grants shows amounts still to be incurred on running projects. Further grant is yet to be released in respect of project which shows debit balance.

12. Fellowship and scholarships:

Sponsored fellowship and scholarships are accounted against the sponsored project fund/grant. Fellowships and scholarship paid out of the organization funds are treated as revenue expenditure and debited and debited to "Establishment Expenses".

13. Expenditure on Technology Acquisition:

Payments made for acquisition right in innovated products from the innovators for making it available to public at large at low cost or no cost are changed to revenue in the year of payment as recurring expenditure.

B. NOTES ON ACCOUNTS:

1. CONTINGENT LIABLITIES: Outstanding TDS demand at CPC Portal as on 31/03/2020 was Rs 221640/-

2. Claims against the centre not acknowledged as debts Rs.Nil (Previous year Rs.Nil).

3. Foreign currency transactions are translated at the rates prevailing on the date of transaction. During financial year 2019-20 Rs.29,94,350/- paid for ASEAN IGIF.

4. Balance shown under Saving Bank Accounts Include amount held by Bank under "Auto sweep accounts".

5.Fixed assets acquired out of grant-in-aid/allocation fund available amounting to Rs 3,45,38,712/- and additional expenditure amounting to Rs. 33,27,025/- (P. Y. Rs 3,27,83,712/-). No Depreciation is provided on fixed assets acquired out of Earmarked/project funds.

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
AUTONOMOUS BODY OF DEPT. OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, GOVT. OF INDIA
GANDHINAGAR

JOY BAXI & ASSOCIATES
Chartered Accountants
F.R.N. 113785W
GANDHINAGAR

6. Income tax: The centre is registered under section 12A of the Income tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards Income tax.

7. Figures are rounded off to the nearest rupee.

8. The financial statement is being represented in line with requirement of DST Auditor requirement of previous year figures to be presented without regrouping.

9. Schedules 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the balance sheet as at 31/03/2020 and the income and expenditure account for the year ended on that date.

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W

CA Snehal Somani
Partner
Membership No.127087
Place: Gandhinagar
Date: 17/08/2020

For National Innovation Foundation - India

Dr.Vipin Kumar
Chief Innovation Officer/Director NIF

National InnovationFoundation-India
Autonomous Body of Department of Science and Technology, Government of India
Amrapur, MahudiRoad, Gandhinagar - 382650, Gujarat, India
Phone : + 91 2764 350001,02,03,04,05,06; www.nif.org.in

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
अमरापुर, महुड़ी रोड, गांधीनगर-382650, गुजरात, भारत
फोनः + 91 2764 350001,02,03,04,05,06; www.nif.org.in